MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 31 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-358

श्रीनिवासा गोविंदा...श्री वेंकटेशा गोविंदा

वैकुंठ एकादशी के अवसर पर मंगलवार को तिरुमला में स्वर्ण रथम जुलूस निकाला गया।

हुसैन सागर झील 1,200 करोड़ पानी में

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पर्यावरणविदों का आरोप है कि शहर की प्रतिष्ठित झील हुसैन सागर को पुनर्जीवित करने के लिए पिछले दो दशकों में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति नहीं बदली है। अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक कचरा लगातार झील में मिल रहा है। गौरतलब है कि टैंक बंड स्थित हुसैन सागर झील न केवल शहर की खूबसूरती में चार चाँद लगाती है, बल्कि लाखों सैलानी इसे देखने आते हैं और इसके आस-पास हजारों लोग रहते हैं, जिनकी सेहत और शहर के इमेज पर इसका सीधा असर पडता है।

हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थी कि शहर को पीने का पानी जहाँ से आता हैं, उस उस्मान सागर में कुछ नीजी वाहनों द्वारा सैप्टीक टैंकों की गंदगी डाली जा रही थी। हालांकि सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें फैलते ही प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की और चौकसी बढा दी।

मैरियट होटल से जीएचएमसी (GHMC) कार्यालय तक टैंक बंड क्षेत्र के हालिया दौरे में झील के आउटलेट से दोनों तरफ झाग निकलते देखा गया। यह स्थिति प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की रिपोर्टों की पुष्टि करती है, जिसमें झील में घुलनशील ऑक्सीजन (DO) के खतरनाक रूप से निम्न स्तर की चेतावनी दी गई थी। कई जगहों पर DO का स्तर 3mg/l से नीचे पाया गया, जिससे पानी घरेलू उपयोग के लिए भी अनुपयुक्त हो गया है। कुछ हिस्सों में तो यह स्तर 0.5mg/l तक गिर गया है। ▶10पर

छावनी-बेगमपेट हैदराबाद से बाहर

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने शहर के त्रि-पुलिस कमिश्नरेटों के अधिकार क्षेत्र को फिर से परिभाषित करते हुए एक बड़ा बदलाव किया है। इस नए पुनर्गठन के तहत, पारंपरिक सिकंदराबाद छावनी क्षेत्र और बेगमपेट को हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट से बाहर कर दिया गया है।

प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए किए गए इस बदलाव में अब चार मुख्य कमिश्नरेट होंगे- हैदराबाद, साइबराबाद, मल्काजगिरि (पूर्व में राचकोंडा) और नवनिर्मित 'फ्यूचर सिटी' कमिश्नरेट।

हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट को अब 7 जोन, 72 पुलिस स्टेशनों और 26 डिवीजनों में व्यवस्थित किया गया है।

चारमीनार जोन : चारमीनार, हुसैनीआलम, मोगलपुरा, शालीबंडा, मलकपेट, चादरघाट, दबीरपुरा, मीरचौक, भवानीनगर, रेन बाजार, मदनपेट, सैदाबाद, संतोष नगर, आईएस सदन, छत्रीनाका, आसिफ नगर, मेहदीपट्टनम, हबीब नगर, मसाब टैंक। ▶10पर

नुमाइश विवाद : स्टॉल ब्लैक में!

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली प्रदर्शनी के स्टॉल आवंटन प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगे हैं। अनुभवी व्यापारी सैयद गौसुद्दीन ने पारदर्शिता की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। सोशल मीडिया को संबोधित करते हुए गौसुद्दीन ने कहा कि वह लगभग 30 वर्षों से इस प्रदर्शनी से जुड़े हुए हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में सिस्टम पूरी तरह अपारदर्शी हो गया है, जिससे वास्तविक स्टॉल धारकों को उनके हक से वंचित किया जा रहा है।

शिकायत के अनुसार, 'ऑल इंडिया इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन सोसाइटी' द्वारा स्टॉल आवंटन में भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। गौसुद्दीन ने आरोप लगाया कि संयोजक प्रभा शंकर चुनिंदा व्यक्तियों का पक्ष ले रहे हैं और पुराने व वास्तविक स्टॉल धारकों की अनदेखी कर प्रमुख स्थानों वाले स्टॉल भारी रकम लेकर आवंटित कर रहे हैं।

प्रमुख दावे और अनियमितताएं

जो स्टॉल पहले 75,000 से 1 लाख में आवंटित होते थे, उन्हें अब ''प्राइम चार्ज'' के नाम पर ब्लैक मार्केट में 5 लाख से 10 लाख में बेचा जा रहा है।

आरोप है कि 'डबल स्टॉल' के लिए 10 लाख तक वसूले जा रहे हैं।

दलालों के माध्यम से एक ही स्टॉल को बार-बार बेचा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया गया कि कई स्टॉल ऐसे दलालों के माध्यम से प्रबंधित किए जा रहे हैं जो प्रदर्शनी मैदान में चौबीसों घंटे सक्रिय रहते हैं। गौसुद्दीन ने यह भी दावा किया कि अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। साथ ही जीएचएमसी के नियमों का पालन नहीं हो रहा है। आधिकारिक फॉर्म पर एक राशि दिखाई जाती है, जबकि अनौपचारिक रूप से कहीं अधिक राशि वसूली जाती है, जिससे सरकार को जीएसटी और राजस्व का नुकसान हो रहा है।

गरीबों की प्रदर्शनी पर दलालों का कब्जा

गौसुद्दीन ने जोर देकर कहा कि नामपल्ली प्रदर्शनी मूल रूप से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को आजीविका प्रदान करने के लिए थी, लेकिन अब यह कुछ शक्तिशाली दलालों का मंच बन गई है। ▶10पर

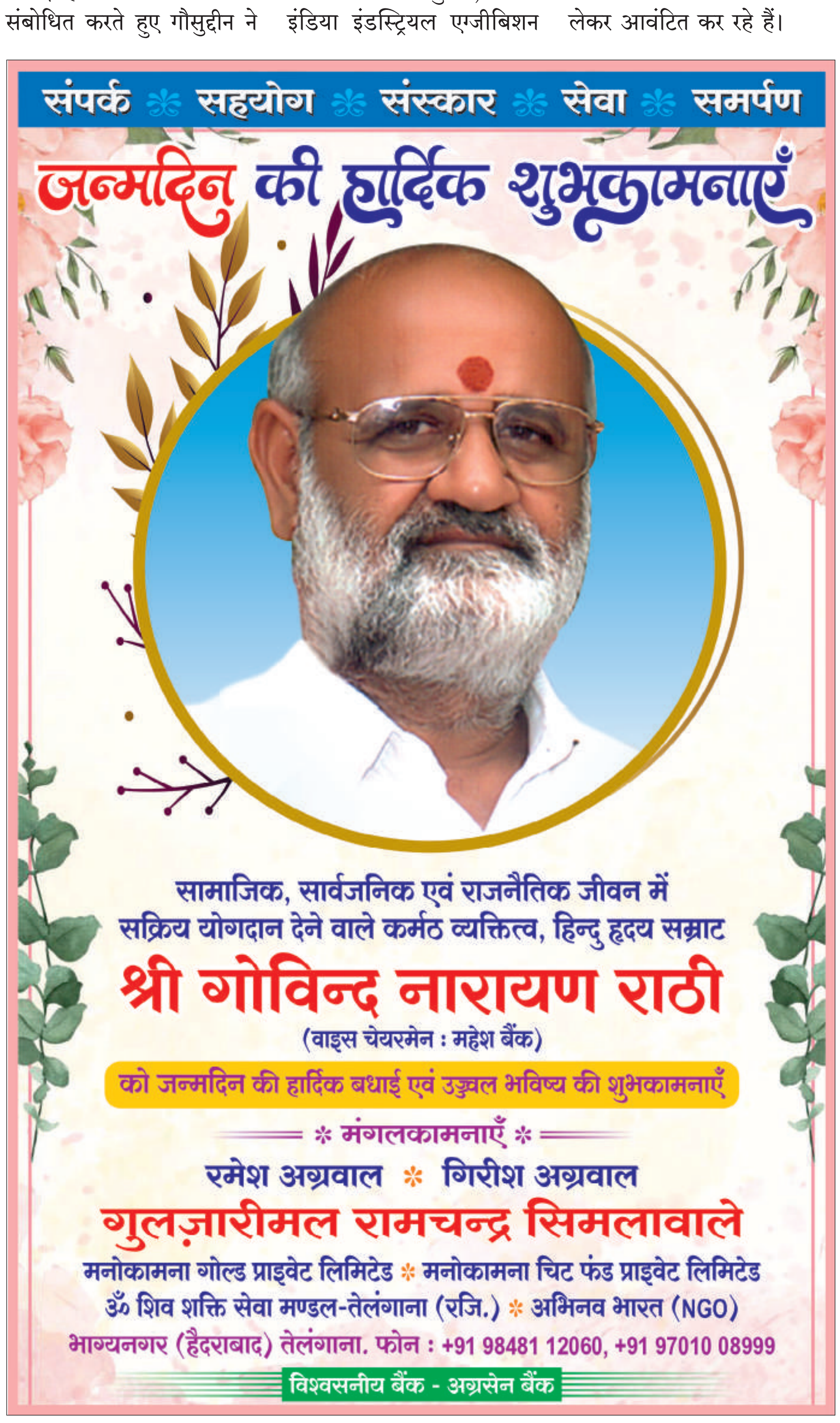

कार्टून कॉर्नर

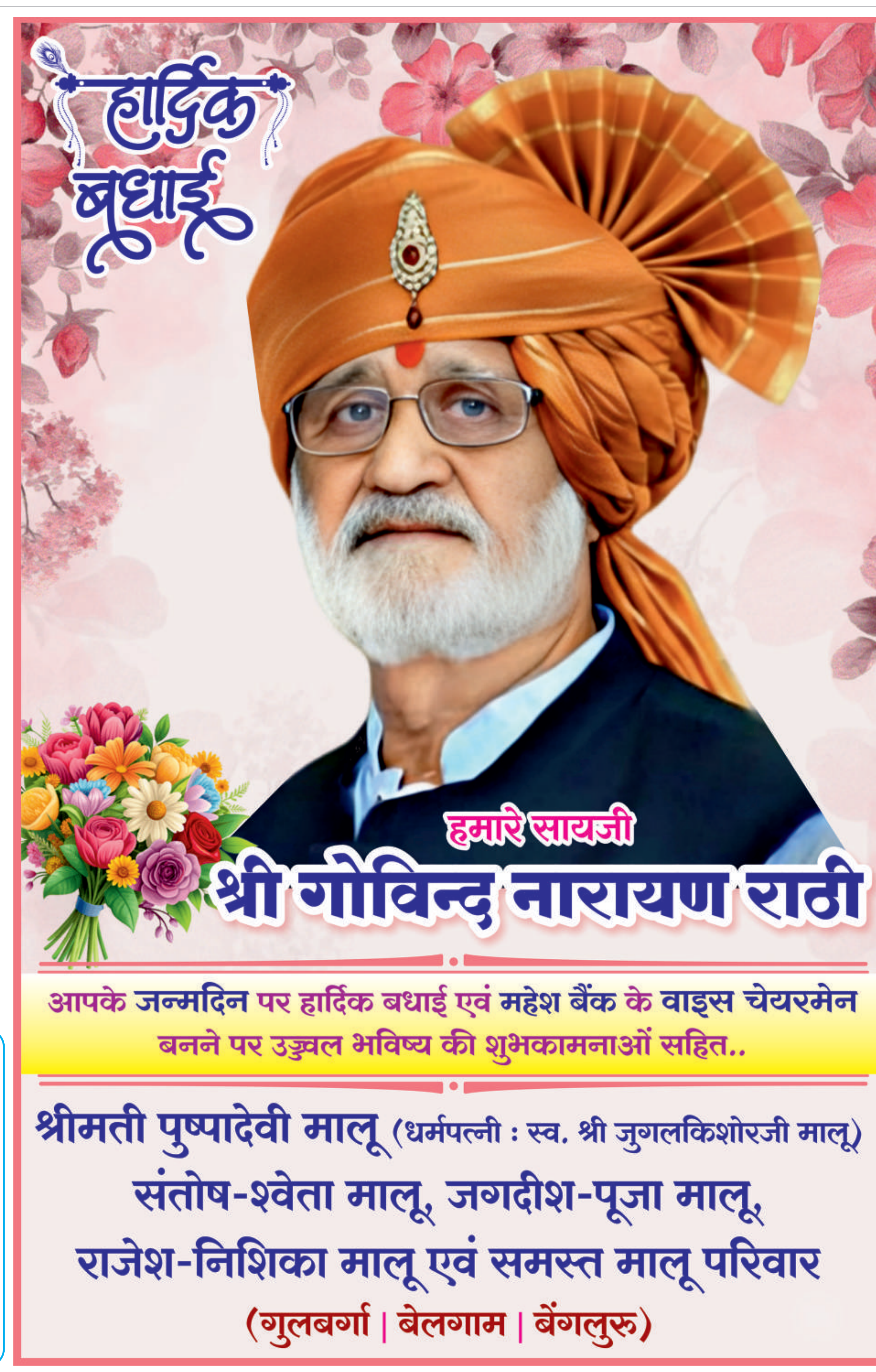

वॉट्सऐप वेब में जल्द आएगा वॉइस व वीडियो कॉलिंग फीचर, यूजर्स को मिलेगा नोटिफिकेशन कंट्रोल

सैन फ्रांसिस्को,30 दिसंबर (एजेंसियां)।

वॉट्सऐप लगातार अपने यूजर्स के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए नए-नए फीचर्स पेश कर रहा है। इसी कड़ी में कंपनी अब वॉट्सऐप वेब के लिए एक नया वॉइस और वीडियो कॉलिंग फीचर ला रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह फीचर अभी डिवेलपमेंट स्टेज में है और आने वाले समय में यूजर्स ब्राउजर से ही कॉलिंग का मजा ले सकेंगे। नया फीचर वन-ऑन-वन कॉल के साथ ग्रुप कॉल को भी सपोर्ट करेगा, जिससे वेब क्लाइंट यूजर्स आसानी से अपने संपर्कों के साथ वीडियो और वॉइस कॉल कर सकेंगे।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वॉट्सऐप इस फीचर के रोलआउट के बाद सभी ब्राउजर्स में इसकी स्टेबिलिटी, परफॉर्मेंस और रिलायबिलिटी बेहतर बनाने पर काम कर रहा है। नए फीचर का एक स्क्रीनशॉट भी साझा भी किया है, जिसमें वॉट्सऐप वेब यूजर्स को कॉल नोटिफिकेशन को इनेबल या डिसेबल करने का ऑप्शन मिलता दिख रहा है। सेटिंग्स पैनल में यूजर्स को इंडिविजुअल चैट, ग्रुप कन्वर्सेशन और कॉन्टैक्ट्स के स्टेटस अपडेट्स जैसे नोटिफिकेशन कंट्रोल्स देखने को मिलेंगे। वॉट्सऐप वेब में कॉलिंग अपडेट के साथ वॉइस और वीडियो कॉल्स के लिए भी नोटिफिकेशन कंट्रोल्स उपलब्ध होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार यह नया फीचर बाय डिफॉल्ट इनेबल रहेगा, जिससे यूजर को कन्वर्सेशन ओपन न होने पर भी ब्राउजर में इनकमिंग कॉल का अलर्ट मिलेगा। साथ ही, यूजर्स नोटिफिकेशन को अपनी जरूरत के अनुसार ऑन या ऑफ कर सकेंगे। वॉट्सऐप ने यह भी पुष्टि की है कि वॉट्सऐप वेब से की जाने वाली कॉल एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन से सुरक्षित रहेंगी, जिससे प्राइवेसी और सुरक्षा दोनों बनी रहेंगी।

कंपनी ने यह फीचर अभी डिवेलपमेंट फेज में बताया है और संभावना है कि आने वाले समय में इसकी बीटा टेस्टिंग शुरू की जाएगी। इस फीचर के आने से वॉट्सऐप वेब यूजर्स को मोबाइल एप के बिना ही कॉलिंग करने की सुविधा मिलेगी और यह वेब प्लेटफॉर्म पर वॉइस और वीडियो कम्युनिकेशन को और आसान बना देगा।

न्यूज ब्रीफ

बिना तेल के उड़ान भर सकेंगे चीन के फाइटर जेट............तैयार की ऐसी तकनीक

बीजिंग। चीन वर्तमान में एडवांस तकनीक का पर्याय बन चुका है। दुनिया में तकनीक का कोई ऐसा फिल्ड नहीं है, जहां चीन सबसे आगे न हो या टाप पर कड़ा कंप्टीशन न देता है। अब चीन के वैज्ञानिकों ने ऐसा एडवांस सतह (सर्फेस) बनाया है, जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल को इस्तेमाल की जाने लायक बिजली में बदल सकता है। यानी अब चीन चाहे उसके फाइटर जेट बिना तेल के ही उड़ान भर सकते है। उन फाइटर जेट की बाडी को ऐसा बनाया जाएगा कि वे धरती से आती इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल को बिजली में बदल कर उड़न भरे। रिपोर्ट के अनुसार जिडियन यूनिवर्सिटी की टीम ने बताया है कि उसने संचार प्रौद्योगिकी (कम्युनिकेशन टेक्नोलाजी) और उन्नत विद्युत चुम्बकीय इंजीनियरिंग (एडवांस इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंजीनियरिंग) को एक साथ मिला दिया है। इसका उपयोग स्टील्थ सिस्टम और अगली पीढ़ी के 6जी वायरलेस संचार को विकसित करने के लिए किया जा सकता है। यूनिवर्सिटी की ओर से बताया गया कि इसमें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कोआपरेटिव स्टील्थ के मोर्चे पर भी काम किया जा रहा है। इसमें कई टेक्नोलाजी रडार की विजिबिलिटी को कम करने और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सेंसर के लिए मिलकर काम करती हैं। यह इलेक्ट्रानिक सिस्टम दो चीजों को एक साथ मिलाएगा- वायरलेस सूचना भेजना और आते इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल को बिजली में बदलना। अगर चीन इसमें कामयाब होता है, तब इस टेक्नोलाजी में आज के वक्त के इलेक्ट्रानिक युद्ध को ही पूरी तरह उलटने की क्षमता है।

रूस के विदेश मंत्री ने यूक्रेन पर राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर 91 ड्रोन से हमले का आरोप लगाया

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले करीब चार साल से जारी युद्ध को खत्म कराने के लिए शांति समझौते पर बातचीत के बीच एक बड़ा घटनाक्रम हुआ। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर 91 ड्रोन से हमले का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि ये हमला नोवगोरोड इलाके में स्थित राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास को निशाना बनाकर किया गया। लावरोव ने बताया कि लंबी दूरी के ड्रोन से ये हमला 28-29 दिसंबर की दरमियानी रात को किया गया था। हालांकि रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन्स को हवा में ही मार गिराया। उन्होंने इसे यूक्रेन सरकार द्वारा प्रायोजित आतंकवादी हमला करार दिया और कहा कि ऐसी हरकतों को बिना जवाब दिए नहीं छोड़ा जाएगा। इस हमले के वक्त राष्ट्रपति पुतिन वहां मौजूद थे या नहीं, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। रूस ने इन हमलों का बदला लेने की तैयारी कर ली है। ये भी तय कर लिया है कि जवाबी हमला कब और कहां किया जाएगा। इसके साथ ही रूस ने शांति समझौते पर अपने रुख से पलटने के भी संकेत दिए हैं। उसे यूक्रेन पर आतंकी हमला करने का आरोप लगाया है और कहा है कि अब चूंकि यूक्रेन ने आतंकवाद का रास्ता अपना लिया है, ऐसे में वह शांति वार्ता के रुख पर फिर से विचार करेगा उधर, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के उन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया, जिसमें दावा किया गया है कि यूक्रेन ने नोवगोरोड में में पुतिन के आवास पर हमला करने की कोशिश की है।

प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल इस्तेमाल करने का कोई आदेश जारी नहीं किया - नेपाल के पूर्व गृहमंत्री ने कहा

काठमांडू। नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक ने 29 दिसंबर 2025 को जेन-जी विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई

हिंसा और अत्याचारों की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय जांच आयोग के समक्ष पेश होकर अपनी गवाही दर्ज कराई। यह प्रदर्शन सितंबर में हुआ था, जिसमें कथित रूप से अत्यधिक बल प्रयोग के कारण 77 लोगों की मौत हुई थी। लेखक ने आयोग से कहा कि उन्होंने प्रदर्शनों से एक दिन पहले सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए थे कि कोई हताहत न हो और न्यूनतम बल प्रयोग किया जाए। लेखक, जो उस समय पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की मिली-जुली सरकार में गृहमंत्री थे, पर जेन-जी विद्रोह के दौरान अत्यधिक बल इस्तेमाल करने की इजाजत देने के आरोप हैं। जेन-जी आंदोलन के दौरान 8 और 9 सितंबर की घटनाओं की जांच के लिए मौजूदा सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार द्वारा बनाया गया जांच कमीशन पहले ही सुरक्षा एजेंसियों के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के बयान दर्ज कर चुका है।

बीमारी से हार गई खालिदा जिया छोड़ गई मजबूत राजनीतिक विरासत

ढाका,30 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया अपने पीछे मजबूत राजनीतिक विरासत छोड़ गई हैं। उनका ढाका के एवरकेयर अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। बीएनपी के फेसबुक पेज पर कहा गया है, खालिदा जिया का निधन फज्र की नमाज के ठीक बाद हुआ। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने भी उनके निधन की पुष्टि की।

रिपोर्ट के अनुसार, 80 वर्षीय खालिदा को 23 नवंबर को एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह दिल और फेफड़ों के संक्रमण से पीड़ित थीं। वह निमोनिया से भी जूझ रही थीं। इसी साल छह मई को एडवांस मेडिकल केयर लेने के बाद लंदन से लौटने के बाद से खालिदा की एवरकेयर अस्पताल में नियमित जांच हो रही है। खालिदा ने 1991 के आम चुनाव में जीत के बाद देश का नेतृत्व संभाला।

वह अपने बेटे तारिक, उनकी पत्नी और उनकी बेटी को पीछे छोड़ गईं। तारिक रहमान 17 साल के निर्वासन के बाद 25 दिसंबर को बांग्लादेश लौटे। खालिदा के छोटे बेटे अराफात रहमान कोको की कुछ साल पहले मलेशिया में मौत हो चुकी है। पूर्व प्रधानमंत्री को 08 फरवरी, 2018 को भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल भेजा गया। कोरोनाकाल में उन्हें 25 मार्च, 2020 को कुछ शर्तों पर अस्थायी रिहाई दी गई। खालिदा का जन्म 1945 में जलपाईगुड़ी में हुआ था। उन्होंने शुरू में दिनाजपुर मिशनरी स्कूल में पढ़ाई की और बाद में 1960 में दिनाजपुर गर्ल्स स्कूल से मैट्रिक किया।

खालिदा के पिता इस्कंदर मजूमदार व्यापारी और मां तैयबा मजूमदार घरेलू महिला थीं। पुतुल के नाम से मशहूर खालिदा तीन बहनों और दो भाइयों में दूसरी थीं। 1960 में उनकी शादी जिया-उर-रहमान से हुई। रहमान पाकिस्तान आर्मी में कैप्टन थे। 1971 के मुक्ति युद्ध में जिया-उर-रहमान ने विद्रोह किया और युद्ध में हिस्सा लिया। 30 मई, 1981 को रहमान की हत्या के बाद बीएनपी गंभीर संकट में फंस गई। इस मुश्किल समय में खालिदा पार्टी में शामिल हुईं और 12 जनवरी, 1984 को उपाध्यक्ष बनीं। उन्हें 10 मई, 1984 को अध्यक्ष चुना गया।

खालिदा जिया के नेतृत्व में बीएनपी ने 1983 में लाक पार्टियों का गठबंधन बनाया और इरशाद की तानाशाही सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। खालिदा ने बिना डरे इरशाद के खिलाफ आंदोलन जारी रखा। 1991 के चुनाव में बीएनपी अकेली बहुमत वाली पार्टी के तौर पर उभरी। खालिदा ने लगातार तीन संसदीय चुनाव में पांच सीटों से चुनाव लड़ा और सभी पर जीत हासिल की। 20 मार्च, 1991 को खालिदा ने बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली।

खालिदा 15 फरवरी, 1996 को हुए आम चुनाव में जीत के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनीं। हालांकि, सभी प्रमुख विपक्षी पार्टियों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। विपक्षी पार्टियों की मांग के सामने तत्कालीन सरकार ने संसदीय चुनाव कराने के लिए एक निष्पक्ष कार्यवाहक सरकार का प्रावधान करने के लिए संविधान में संशोधन किया। इसके बाद संसद भंग कर दी गई और 30 मार्च, 1996 को खालिदा ने कार्यवाहक सरकार को सत्ता सौंप दी। 12 जून, 1996 को जस्टिस मोहम्मद हबीबुर रहमान की अध्यक्षता वाली कार्यवाहक सरकार के तहत हुए चुनाव में बीएनपी को अवामी लीग से हार का सामना करना पड़ा। अवामी लीग सरकार के 1996-2001 के कार्यकाल के दौरान खालिदा जातीय संसद में विपक्ष की नेता रहीं।

01 अक्टूबर, 2001 को जस्टिस लतीफुर रहमान की अध्यक्षता वाली कार्यवाहक सरकार के तहत हुए अगले संसदीय चुनाव में बीएनपी के नेतृत्व वाले चार दलों के गठबंधन ने जातीय संसद में दो-तिहाई से अधिक सीटें जीतीं। 10 अक्टूबर, 2001 को खालिदा ने तीसरी बार देश की प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। 2007 में जब सेना समर्थित कार्यवाहक सरकार ने सत्ता संभाली तो खालिदा को अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना सहित कई अन्य राजनीतिक नेताओं के साथ जेल भेज दिया गया। बाद में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया और उन्होंने 2008 के संसदीय चुनाव में हिस्सा लिया, लेकिन उनकी पार्टी जीत नहीं पाई।

2014 के संसदीय चुनाव में बीएनपी ने हिस्सा नहीं लिया और 1991 के बाद पहली बार पार्टी संसद से बाहर हो गई। 08 फरवरी, 2018 को ढाका की एक विशेष अदालत ने जिया अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में उन्हें पांच साल जेल की सजा सुनाई। इसी साल 30 अक्टूबर को उच्च न्यायालय ने उनकी जेल की सजा बढ़ाकर 10 साल कर दी। बाद में उन्हें जिया चैरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में भी दोषी ठहराया गया।

कोरोना काल में तत्कालीन अवामी लीग सरकार ने 25 मार्च, 2020 को एक कार्यकारी आदेश के जरिए खालिदा को अस्थायी रूप से रिहा कर दिया। उनकी सजा इस शर्त पर निलंबित की गई कि वह अपने गुलशन वाले घर में रहेंगी और देश छोड़कर नहीं जाएंगी। इस साल 06 अगस्त को बीएपनी प्रमुख को पूरी तरह से रिहा कर दिया गया।

ईरान को लेकर ट्रंप की सख्त चेतावनी मिसाइल या परमाणु कार्यक्रम फिर शुरू हुआ तो कार्रवाई तय

वाशिंगटन, 30 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान दोबारा अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को खड़ा करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका उस पर फिर से सैन्य हमला कर सकता है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक से पहले मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, हमें खबर मिल रही है कि ईरान फिर से अपने कार्यक्रम को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। अगर ऐसा हुआ, तो हमें उसे दोबारा रोकना पड़ेगा। हम जोरदार कार्रवाई करेंगे।

ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाता है, तो अमेरिका तुरंत हमले का समर्थन करेगा। उन्होंने ईरान को सलाह दी कि टकराव की बजाय अमेरिका के साथ समझौते का रास्ता अपनाना ज्यादा समझदारी होगी।

राष्ट्रपति ने कहा, समझौता करना उनके लिए बेहतर होगा। पहले भी उनके पास मौका था, लेकिन तब उन्होंने ऐसा नहीं किया और फिर उन्हें बड़े हमले का सामना करना पड़ा।

गौरतलब है कि इसी साल अमेरिका ने ईरान की तीन परमाणु सुविधाओं पर बमबारी की थी, जिसे ट्रंप ने अपनी बड़ी सैन्य सफलता बताया था। हाल के हफ्तों में इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने दावा किया कि ईरान एक बार फिर अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का विस्तार कर रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि नेतन्याहू इस मुद्दे पर ट्रंप से और कड़े कदम उठाने की पैरवी कर सकते हैं।

बलूचिस्तान के अलग-अलग इलाकों में पाक सेना के 15 सैनिक मारे गए

क्वेटा। बलूचिस्तान के अलग-अलग इलाकों में पाकिस्तानी सेना के 15 सैनिक पिछले एक हफ्ते में मारे गए हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी) ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है। इसमें केच, पंजगुर, तुर्बत, सुराब और नसीराबाद जैसे इलाके शामिल हैं। एक बयान में, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि बीएलएफ के लड़ाकों ने 23 दिसंबर को केच जिले के तेजबन इलाके में एक पाकिस्तानी आर्मी पोस्ट पर स्वचालित हथियारों और ग्रेनेड-लॉन्चर राउंड का इस्तेमाल करके हमला किया, जिसमें दो सैनिक मारे गए और पोस्ट के भीतर लगे सर्विलांस कैमरे नष्ट हो गए। बीएलए ने कहा कि 25 दिसंबर को दूसरे हमले में, उसने पंजगुर जिले के कटगरी इलाके में चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) रूट पर एक सैन्य वाहन को रिमोट-कंट्रोल्ड विस्फोटक उपकरण से निशाना बनाया। दावा किया कि विस्फोट में छह पाकिस्तानी जवान मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने आगे कहा कि ग्रुप ने रविवार को विस्फोटक लगाकर एक और हमला किया, जिससे तुर्बत के डांक इलाके में पाकिस्तानी सेना द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक कम्युनिकेशन टावर नष्ट हो गया और ढांचे पर लगे 'एक्टिव स्पाई कैमरे' खराब हो गए।

अरे बाप रे............यहां पर नदी में तैरते हुए आफिस जाते हैं लोग

बर्न,30 दिसंबर (एजेंसियां)।

दुनिया भर के देशों में सामान्यता लोग सुबह आफिस जाने के लिए बस, मेट्रो या अपनी कार का सहारा लेते हैं, लेकिन स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में इसका अंदाज बिल्कुल अलग है। यहां लोग अपने रोज़मर्रा के सफर के लिए नदी का इस्तेमाल करते हैं। गर्मियों में लोग फार्मल कपड़े और जूते पहनकर आरे नदी में उतकर तैरते हुए अपने दफ्तर पहुँच जाते हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि बर्न की हकीकत है। बर्न में रहने वाले लोग अपने डेली रूट के लिए खास तरह के वाटरप्रूफ बैग का इस्तेमाल करते हैं। इसमें कपड़े, जूते और लैपटाप रखकर लोग नदी में उतरते हैं। ये बैग सिर्फ सामान को सुरक्षित नहीं रखते, बल्कि हवा भरी होने की वजह से फ्लोट की तरह काम करते हैं। इसके सहारे लोग नदी की लहरों पर बहते हुए आराम से अपनी मंजिल तक पहुँचते हैं। इस अनोखे सफर की सबसे खास बात नदी का पानी है। आरे नदी का पानी आल्प्स के ग्लेशियर से आता है, इसलिए यह ठंडा और बेहद साफ होता है। गर्मियों में भी पानी करीब 20 डिग्री सेल्सियस रहता है, जो शरीर को ताजगी का एहसास देता है। हालांकि, नदी का बहाव तेज होता है, इसलिए यह सफर केवल उन लोगों के लिए सुरक्षित है जो अच्छे तैराक हों। उनके लिए यह सफर किसी रोमांचक और लग्जरी अनुभव से कम नहीं होता। नदी के माध्यम से यात्रा करते हुए लोग बर्न के ऐतिहासिक और खूबसूरत हिस्सों को भी देख सकते हैं। आरे नदी के साथ बहते हुए आप यूनेस्को ओल्ड टाउन के मध्ययुगीन पुलों और भव्य संसद भवन को पानी की सतह से देख सकते हैं। बर्न में आइखोल्ज से मार्जिली तक का सफर सबसे लोकप्रिय है। लोग आइखोल्ज से नदी में उतरते हैं और बहाव के साथ मार्जिली लिडो तक पहुँचते हैं, जो संसद भवन के ठीक नीचे स्थित एक सुंदर बाथिंग स्पाट है। यह अनुभव बिल्कुल मुफ्त है और शहर के उन हिस्सों को दिखाता है, जो सड़क से नहीं दिखते। हालांकि, नदी में तैरना केवल गर्मियों में ही संभव है। वसंत के अंत से लेकर गर्मियों के खत्म होने तक इस अनुभव का मजा लिया जा सकता है। सर्दियों में पानी बर्फ जैसा ठंडा होता है, इसलिए यह सफर मुमकिन नहीं होता। साथ ही, साल 2025 के आखिरी महीनों में नदी के कुछ हिस्सों में बाढ़ सुरक्षा और मरम्मत के कारण आवाजाही पर रोक लग सकती है। इसलिए, बर्न जाने से पहले मौसम और समय का सही चुनाव करना बहुत जरूरी है। बर्न में आफिस जाने का यह अनोखा तरीका न सिर्फ रोमांचक है, बल्कि शहर की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक स्थलों का अनोखा अनुभव भी देता है।

तुर्किए ने आसमान में उड़ाया एआई से फाइटर जेट, पहली बार किया जाइंट फार्मेशन

तुर्किये,30 दिसंबर (एजेंसियां)।

तुर्किए ने आधुनिक सैन्य तकनीक के क्षेत्र में एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तुर्की की डिफेंस कंपनी बायकर ने बताया कि उसके दो किजिलेमा बिना पायलट वाले लड़ाकू विमानों ने दुनिया की पहली पूरी तरह आटोनामस क्लोज फार्मेशन फ्लाइट सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। खास बात यह है कि इस उड़ान में किसी भी तरह का मानव हस्तक्षेप नहीं था और पूरा संचालन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए किया गया।

मीडिया रिपोर्ट में बायकर के मुताबिक दोनों जेट्स ने अपने आनबोर्ड एआई सिस्टम, सेंसर और रियल टाइम डेटा शेयरिंग की मदद से बेहद नजदीक रहते हुए एक साथ उड़ान भरी। यह काम हाई स्पीड पर किया गया, जो आमतौर पर मानवरहित विमानों के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण माना जाता है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अब तक किसी भी देश ने हथियारों से लैस, जेट इंजन वाले ड्रोन विमानों के बीच इस तरह की पूरी तरह स्वचालित सामूहिक उड़ान को सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाया था।

विशेषज्ञ बोले- यह तकनीक भविष्य के हवाई युद्ध की दिशा और रणनीति को बदल देगी

यह परीक्षण तुर्किए के हवाई क्षेत्र में किया गया। उड़ान के दौरान दोनों ने आपसी दूरी, दिशा और गति को सटीक तरीके से बनाए रखा। क्लोज फार्मेशन फ्लाइट को ड्रोन तकनीक की सबसे जटिल चुनौतियों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसमें टकराव से बचाव, तालमेल और तेज फैसलों की जरूरत होती है। किजिलेमा ड्रोन को पहली बार 2022 में पेश किया गया था! यह पारंपरिक निगरानी या सीमित हमले वाले ड्रोन से अलग है! इसे खास तौर पर दुश्मन के हवाई क्षेत्र में आपरेशन, हवा से हवा में लड़ाई और मानव आधारित फाइटर जेट्स के साथ मिलकर काम करने के लिए डिजाइन किया गया है! इसमें स्टेल्थ डिजाइन, इंटरनल वेपनरी सिस्टम और एआई आधारित फ्लाइट कंट्रोल शामिल हैं।

यह ड्रोन एक टर्बोफैन इंजन से लैस है और इसका अधिकतम टेकआफ वजन करीब 6,000 किलोग्राम है। यह जमीन के साथ-साथ तुर्की नौसेना के टीसीजी अनाड्यूल जैसे जहाजों से भी उड़ान भर सकता है, जहां कैटापल्ट सिस्टम की जरूरत नहीं होती। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह तकनीक भविष्य के हवाई युद्ध की दिशा और रणनीति को पूरी तरह बदल देगी।

प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा को लेकर अधीर रंजन चौधरी ने पीएम मोदी से की मुलाकात, केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हाल ही में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) का एक कार्यक्रम हुआ था, जिसके सिलसिले में वे दिल्ली आए थे। इसी दौरान संयोगवश उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान उन्होंने सभी जरूरी मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा, जैसे ही मैं प्रधानमंत्री से मिला, मैंने उनसे तमाम मुद्दों पर बात की। यह मेरा काम है। दिल्ली पश्चिम बंगाल में नहीं है, इसलिए पश्चिम बंगाल से दिल्ली तो आना ही पड़ता है। इसके साथ ही अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल के प्रवासी मजदूरों के साथ हो रहे कथित अत्याचारों का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर भाजपा शासित राज्यों में बंगाल से गए मजदूरों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके लोगों पर गंभीर अत्याचार हो रहे हैं और उन्हें लगातार उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता ने एक ताजा घटना का जिक्र करते हुए बताया कि कुछ दिन पहले ओडिशा के संबलपुर जिले में मुर्शिदाबाद के एक प्रवासी मजदूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

उन्होंने इसे बेहद दुखद और शर्मनाक बताते हुए कहा कि यह घटना प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।

अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा है। पत्र में उन्होंने बंगाल के मजदूरों के साथ घट रही सभी घटनाओं का विस्तार से उल्लेख किया है।

उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि भाजपा शासित राज्यों में प्रवासी मजदूरों के साथ हो रहे अत्याचारों को रोका जाए। आप देश के प्रधानमंत्री हैं, इसलिए इस पर ठोस कदम उठाना आपकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ताकि देश में कहीं भी किसी मजदूर के साथ अन्याय न हो।

बंगाल से ममता सरकार की विदाई तय बनेगी भाजपा सरकार : दानिश अंसारी

बलिया, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल की जनता ममता सरकार की विदाई आगामी विधानसभा चुनाव में करेगी। जनता राष्ट्रवादी पार्टी भाजपा को पश्चिम बंगाल की सेवा करने का मौका देगी। बलिया में आईएएनएस से बातचीत में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि ममता सरकार ने जिस तरह से बंगाल में विकास के साथ खिलवाड़ किया। बंगाल के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। युवाओं के सपनों को कुचलने का काम किया। महिलाओं को सुरक्षा नहीं दी गई। वहां की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं लगातार कमजोर हो रही है, घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। मुझे विश्वास है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बंगाल की जनता ममता सरकार को हटाकर राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएगी। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी के बयान पर मंत्री दानिश अंसारी ने कहा कि मेरी राय में, बहुत से लोग नए साल का जश्न मनाते हैं और इसका आनंद लेते हैं, इसलिए इस बारे में नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है। हम सभी को जानबूझकर ऐसे बयानों से बचना चाहिए। ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि हम एक समाज के तौर पर मिलकर आगे बढ़ें, खुशियां फैलाएं, और यह सुनिश्चित करें कि सभी समुदायों और धर्मों के लोग शांति से रहें। लक्ष्य यही होना चाहिए, और बेवजह की आलोचना से बचना चाहिए। समाज में सभी धर्मों को एक साथ रहना चाहिए। बेवजह की टिप्पणी से बचना चाहिए।

एसआईआर को लेकर मंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने के लिए बहुत जरूरी है।

भारतीय सेना ने हासिल किए 'ऑपरेशन सिंदूर' समेत 10 बड़े माइलस्टोन

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2025 भारतीय सेना के लिए उपलब्धियों से भरा साल रहा है। इसी वर्ष ऑपरेशन 'सिंदूर' के तहत मई 2025 की निर्णायक कार्रवाई की गई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस ऑपरेशन की योजना सेना के मिलिट्री ऑपरेशन्स ब्रांच में तैयार की गई, जबकि संचालन की निगरानी डीजीएमओ के ऑप्स रूम से सीडीएस और तीनों सेनाध्यक्षों की मौजूदगी में की गई। इस ऑपरेशन में सीमा पार 9 आतंकी कैंप तबाह किए गए। भारतीय सेना ने 7 और वायुसेना ने 2 आतंकी कैंप ध्वस्त किए। यह एक सटीक, सीमित और नियंत्रित कार्रवाई रही, जिससे बढ़त तो मिली ही, पर तनाव अनियंत्रित नहीं हुआ। यही नहीं, भारत ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को भी नाकाम किया। 7 से 10 मई तक पाकिस्तान की ओर से भारत के सैन्य एवं नागरिक ठिकानों पर ड्रोन हमलों की कई कोशिशें की गईं। इन सभी हमलों को भारतीय सेना की एयर डिफेंस यूनिट्स ने पूरी तरह विफल किया। सेना ने एलओसी पर आतंकवादियों के लॉन्च पैड्स नष्ट किए। भारतीय सेना के मुताबिक, दर्जन भर से अधिक आतंकी लॉन्च पैड भारतीय सेना की ग्राउंड-बेस्ड फायर द्वारा नष्ट किए गए। इससे घुसपैठ के मार्ग और आतंकियों की लॉजिस्टिक्स बुरी तरह प्रभावित हुईं। 10 मई को पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय डीजीएमओ से संपर्क कर युद्धविराम की मांग की, जिसके बाद गोलीबारी रोकने का समझौता हुआ।

सेना की लंबी दूरी की फायरपावर में ब्रह्मोस और पिनाका जैसी बड़ी प्रगति देखने को मिली। बीते दिनों ही 1 दिसंबर को दक्षिण कमान की एक ब्रह्मोस यूनिट ने अंडमान एवं निकोबार कमांड के सहयोग से वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में मिसाइल फायर किया।

शिक्षकों से कुत्तों की गिनती वाला दावा झूठा, आप आदेश दिखाए या माफी मांगे : आशीष सूद

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस वार्ता कर आम आदमी पार्टी (आप) पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि 'आप' के नेता लगातार सोशल मीडिया के जरिए झूठ और अफवाहें फैलाकर दिल्ली के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रेस वार्ता में शिक्षा मंत्री ने कहा कि सोमवार को सोशल मीडिया पर एक संगठित अभियान चलाया गया, जिसमें यह झूठा दावा किया गया कि दिल्ली के शिक्षकों को लावारिस कुत्तों की गिनती के काम में लगाया गया है। यह दावा पूरी तरह निराधार और झूठा है। मंत्री ने आम आदमी पार्टी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर शिक्षकों को कुत्तों की गिनती में लगाने से जुड़ा कोई आदेश या सर्कुलर मौजूद है, तो उसे तुरंत सार्वजनिक किया जाए। ऐसा न कर पाने की स्थिति में आप नेताओं को दिल्ली की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

सूद ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के तहसीलदारों और सब-रजिस्ट्रारों के निलंबन को लेकर भी झूठ फैलाकर प्रशासनिक अराजकता पैदा करने की कोशिश की।उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर 'आप' को भ्रष्टाचारियों से इतना लगाव क्यों है? शिक्षा मंत्री के मुताबिक, 'आप' सरकार के कार्यकाल में इन दफ्तरों में खुलेआम भ्रष्टाचार होता था, जबकि अब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। ऐसे में 'आप' का भ्रष्ट अधिकारियों के समर्थन में खड़ा होना उनकी मंशा पर सवाल खड़े करता है।

उन्होंने 25 दिसंबर के आसपास किए गए एक अन्य 'एक्स' पोस्ट का भी जिक्र किया, जिसमें यह दावा किया गया था कि दिल्ली सरकार ने स्कूलों में सांता क्लॉज बनकर आने वाले बच्चों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। शिक्षा मंत्री ने इसे भी पूरी तरह झूठ बताते हुए कहा कि अगर आम आदमी पार्टी के पास ऐसा कोई आदेश है, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा।

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) से जुड़े मुद्दों पर भी मंत्री ने 'आप' पर जानबूझकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में ही डीएसएसएसबी के माध्यम से लगभग 16 हजार अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया था। इसके बावजूद गलत जानकारी फैलाना आम आदमी पार्टी की प्रशासनिक अक्षमता और विफलता को दर्शाता है।

सूद ने कहा कि दिल्ली की जनता ने चुनावों में आम आदमी पार्टी के तथाकथित शिक्षा मॉडल, शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री और तथाकथित भारत रत्न के दावेदारों को पूरी तरह नकार दिया।

उन्होंने 'आप' की राजनीति को फ्रॉड, फर्जीवाड़े और झूठ पर आधारित बताते हुए कड़े शब्दों में निंदा की। शिक्षा मंत्री ने कहा कि चुनावी हार के 10 महीने बाद भी 'आप' अपनी पराजय स्वीकार नहीं कर पा रही है और पूरी तरह राजनीतिक जमीन खो चुकी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने न तो दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में कोई ठोस काम किया और न ही प्रशासनिक स्तर पर विकास किया। पार्टी ने सिर्फ झूठ, शोर और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति की है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार जनहित से जुड़े काम कर रही है। इसी वजह से आम आदमी पार्टी बौखलाहट में सोशल मीडिया के जरिए झूठ और अफवाहें फैलाकर सरकार की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है, लेकिन दिल्ली की जनता सच्चाई समझती है और ऐसे प्रयासों को कभी सफल नहीं होने देगी।

बसपा का 2025: आत्म-मंथन और खोई जमीन पाने की जद्दोजहद

लखनऊ,30 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2025 बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लिए न तो उपलब्धियों का उत्सव रहा और न ही पराजय की इबारत। यह साल पार्टी के लिए आत्ममंथन, संगठनात्मक कसावट और 2027 की बिसात बिछाने का रहा। कभी उत्तर प्रदेश की सत्ता की धुरी रही बसपा, 2025 में अपनी खोई जमीन वापस पाने की जद्दोजहद में दिखी। हालांकि, साल के अंत में नेशनल को-ऑर्डिनेटर आकाश आनंद के घर जन्मी पुत्री को बहुजन मिशन के प्रति समर्पित करने की घोषणा ने पार्टी सुप्रीमो मायावती को निजी तौर पर खुशी जरूर दी। राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद 2025 की शुरुआत बसपा के लिए कठिन रही। चुनावी नतीजों ने संगठन और रणनीति पर सवाल खड़े किए। भाजपा के मजबूत संगठन और समाजवादी पार्टी की आक्रामक विपक्षी राजनीति के बीच बसपा को राजनीतिक स्पेस बचाए रखने की चुनौती का सामना करना पड़ा। बिहार विधानसभा चुनाव में भी पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उसे महज एक सीट से संतोष करना पड़ा। हालांकि बसपा नेतृत्व ने पराजय को विराम नहीं, पुनर्निर्माण का अवसर बताया। पार्टी ने साफ किया कि वह न किसी की 'बी-टीम' बनेगी और न ही अवसरवादी गठबंधनों का हिस्सा। 2025 में मायावती फिर से पार्टी की राजनीति के केंद्र में रहीं। उन्होंने सार्वजनिक मंचों और आंतरिक बैठकों में यह संदेश दोहराया कि बसपा का मूल लक्ष्य दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यकों का राजनीतिक-सामाजिक सशक्तिकरण है। कांशीराम की विचारधारा से समझौते की किसी भी संभावना को खारिज करते हुए मायावती ने संगठन को चेताया कि ढुलमुल रवैया, गुटबाजी और निष्क्रियता अब स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके बाद प्रदेश और मंडल स्तर पर पदाधिकारियों में फेरबदल हुआ।

इसी क्रम में आकाश आनंद को लेकर लिए गए सख्त फैसले-पहले हटाना और 41 दिन बाद वापसी-ने यह संकेत दिया कि नेतृत्व अनुशासन के सवाल पर कोई नरमी नहीं बरतेगा। साल 2025 में बसपा की सबसे बड़ी कमजोरी जमीनी संगठन रही। इसे दुरुस्त करने के लिए जिलों में कैडर मीटिंग्स, समीक्षा बैठकें और बहुजन संवाद कार्यक्रम शुरू किए गए। डिजिटल और सोशल मीडिया पर मौजूदगी बढ़ाने की कोशिशें हुईं, लेकिन भाजपा और सपा की तुलना में यह प्रयास अभी कमजोर ही रहे। गतिविधियों में इतना जरूर स्पष्ट हुआ कि पार्टी निष्क्रिय नहीं है, पर उसकी रफ्तार सीमित है।

वैचारिक मोर्चे पर बसपा ने खुद को स्पष्ट रूप से अलग रखा। भाजपा पर संविधान कमजोर करने और आरक्षण पर दोहरे रवैये के आरोप लगाए गए, जबकि समाजवादी पार्टी पर दलित हितों की उपेक्षा और राजनीतिक अव-सरवाद का ठप्पा लगाया गया। पार्टी ने दो टूक कहा कि उसकी राजनीति सत्ता से ज्यादा सम्मान और अधिकार की है। बसपा ने 2025 को खुलकर 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी के तौर पर इस्तेमाल किया। नेतृत्व ने संकेत दिए कि पार्टी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी। उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया को समय से मजबूत करने, जातिगत समीकरणों के साथ युवा और महिला मतदाताओं पर फोकस की रणनीति पर मंथन हुआ।

हालांकि, जमीनी स्तर पर अभी तक ऐसा कोई बड़ा आंदोलन नहीं दिखा, जिससे निर्णायक बढ़त का दावा किया जा सके। राजनीतिक रूप से सबसे बड़ी चुनौती पार्टी का परंपरागत दलित वोट बैंक रहा। भाजपा की सामाजिक योजनाओं और राजनीतिक प्रतिनिधित्व ने इस वर्ग में पैठ बनाई, जो बसपा के लिए चिंता का कारण बनी। इसके बावजूद कुछ इलाकों में दलित समाज का भावनात्मक जुड़ाव अब भी पार्टी के साथ दिखा, जिसे नेतृत्व भविष्य की नींव मान रहा है, लेकिन इस वोट बैंक पर विरोधी पार्टी कांग्रेस और सपा की निगाहें लगी हुई हैं। सबसे ज्यादा सपा इस वोट बैंक को अपने लाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है। इसके लिए उसने आंबेडकर वाहिनी का गठन करके लगातार मूवमेंट चला रही है।

राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत बताते हैं कि कुल मिलाकर, 2025 बसपा के लिए संघर्ष और आत्ममंथन का वर्ष रहा। यह न तो पुनरुत्थान का निर्णायक मोड़ बना और न ही पतन की मुहर। बसपा आज भी उत्तर प्रदेश की राजनीति में संभावनाओं से भरी है, पर चुनौतियों से घिरी हुई है। असली परीक्षा 2027 में होगी, लेकिन इस वर्ष कांशीराम की रैली में उमड़ी भीड़ ने उन्हें संजीवनी प्रदान की है, जिस कारण संगठन में एक बार ऑक्सीजन मिली है।

कुलदीप सेंगर की बेटी को पीड़िता के बारे में बयान देने से बचना चाहिए : केसी त्यागी

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां)। उन्नाव रेप केस मामले में दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की बेटी द्वारा अपने पिता का बचाव करने पर जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने कहा कि उन्हें पीड़िता को लेकर दिए बयान से पहले थोड़ा सोचना चाहिए। नई दिल्ली में केसी त्यागी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि कुलदीप सेंगर की बेटी भी एक लड़की है, एक महिला है, लेकिन उन्हें एक महिला के साथ हुए यौन उत्पीड़न के बारे में ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। यह सिर्फ एक लड़की का मामला नहीं है; यह पूरे पीड़ित समुदाय के दर्द को दर्शाता है। कुलदीप सेंगर की बेटी ने अपने पिता को निर्दोष बताते हुए कहा कि बीते 8 साल में भी उन्हें भी बहुत कुछ झेलना पड़ा है। लोग एक तरफ से सिर्फ पीड़िता का पक्ष मान रहे हैं, जबकि उनका पक्ष कोई नहीं ले रहा है।पश्चिम बंगाल में एसआईआर के पर्यवेक्षक की कार पर हुए हमले को लेकर केसी त्यागी ने कहा कि चुनाव से पहले एसआईआर को लेकर टीएमसी पहले ही हल्ला कर चुकी है। अधिकारियों पर हमले अब अराजकता की सीमा पार कर चुके हैं।उन्होंने पश्चिम बंगाल में मंदिर-मस्जिद की राजनीति पर कहा कि धर्मनिरपेक्ष राज्य में सभी को अपने धर्म को मानने की इजाजत है। चुनाव के लिए इसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर केसी त्यागी ने कहा कि उनका निधन दुर्भाग्यपूर्ण है। वह लंबे समय तक पड़ोसी देश की प्रधानमंत्री रहीं।मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी के नए साल के जश्न के खिलाफ फतवा जारी करने पर केसी त्यागी ने कहा कि तमाम मुस्लिम देशों में नया साल मंगलमय तरीके से मनाया जाता है। दुनिया के नॉन-मुस्लिम कंट्रीज में ईद के समारोह होते हैं। नए साल पर ऐसे बयान देकर भारतीय मौलाना अपनी हदें पार कर रहे हैं।

वहीं, कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने पर जदयू नेता राजीव रंजन ने कहा कि पूरे देश में खुशी है। रेप पीड़िता को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से न्याय मिला है। अंतिम फैसला अभी आना बाकी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा सेंगर को दी गई जमानत पर रोक लगा दी है और उसकी रिहाई रोक दी है। यह न्याय की जीत है और पूरा देश रेप पीड़िता के साथ खड़ा है।

शिवगिरी केवल तीर्थ नहीं, सामाजिक जागृति की जीवंत यात्रा है : सीपी. राधाकृष्णन

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को केरल के वर्कला स्थित शिवगिरी मठ में 93वीं शिवगिरी तीर्थयात्रा का उद्घाटन किया। उन्होंने शिवगिरी को केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने वाली एक जीवंत विचारधारा बताया। उन्होंने कहा कि शिवगिरी श्री नारायण गुरु द्वारा कल्पित सामाजिक चेतना और परिवर्तन की यात्रा का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शिवगिरी आध्यात्मिक साधना और सामाजिक जिम्मेदारी के संतुलन का उदाहरण है। यहां आस्था समाज को ऊपर उठाने का माध्यम बनती है और तर्क भक्ति के साथ आगे बढ़ता है। शिवगिरी तीर्थयात्रा को किसी कर्मकांड के रूप में नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वच्छता, संगठन, श्रम और आत्म-सम्मान के जरिए समाज को जागरूक करने के आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था।

उपराष्ट्रपति ने श्री नारायण गुरु के उस विचार का उल्लेख किया, जिसने समाज की सोच को बदल दिया। उन्होंने कहा कि गुरु ने यह सवाल उठाया कि एक इंसान को दूसरे इंसान से कमतर क्यों माना जाए। इसी अन्याय के जवाब में गुरु ने 'एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर' का संदेश दिया, जिसने सदियों पुराने भेदभाव को चुनौती दी।उन्होंने कहा कि श्री नारायण गुरु की क्रांति शांतिपूर्ण, करुणामय और स्थायी थी, जो समानता, गरिमा और मानवता के मूल्यों पर आधारित थी। श्री नारायण गुरु ने आस्था के साथ-साथ तर्क को भी महत्व दिया। उन्होंने अंधविश्वास का विरोध किया और तार्किक सोच को अपनाने का संदेश दिया। आध्यात्मिकता और तर्कवाद के इस मेल ने गुरु को न केवल अपने समय का संत बनाया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मार्गदर्शक बनाया।

भारत की सभ्यतागत परंपरा पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय आध्यात्मिकता में प्रेम को पूजा का सर्वोच्च रूप माना गया है। श्री नारायण गुरु ने अपने जीवन और कार्यों से यह दिखाया कि समाज की सेवा किसी भी कर्मकांड से बड़ी होती है और मानवता के प्रति प्रेम ही सच्ची भक्ति है। केरल का विश्व को दिया गया सबसे बड़ा योगदान आदि शंकराचार्य और श्री नारायण गुरु हैं, जिनके विचार आज भी मानवता को प्रेरित कर रहे हैं।उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत में तीर्थयात्रा केवल पर्यटन नहीं, बल्कि आत्मिक और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। शिवगिरी इस सोच का सशक्त उदाहरण है। केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे प्रसाद योजना, वंदे भारत ट्रेनों और बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से तीर्थस्थलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, जिससे देश में एकता और सद्भाव को बढ़ावा मिल रहा है।अपने संबोधन के अंत में उपराष्ट्रपति ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं से प्रेरणा लें और समानता, भाईचारे और न्याय जैसे संवैधानिक मूल्यों को अपनाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि शिवगिरी से मिलने वाला यह ज्ञान भारत को सामाजिक न्याय, गरिमा और सार्वभौमिक भाईचारे की दिशा में आगे ले जाएगा।

डराया–धमकाया, हीरो की जिंदगी में डाला खलल इस साल इन खलनायकों का दिखा खौफ

धुरंधर में 'रहमान डकैत' का किरदार हो या 'रेड 2' के खलनायक 'दादा भाई' की भूमिका, साल 2025 में रिलीज हुई फिल्मों में खलनायकों का दबदबा रहा। कई फिल्मों में विलेन के दमदार रोल ने दर्शकों का दिल जीता और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया। उदाहरण के तौर पर 'धुरंधर' को ही देख लें तो अक्षय खन्ना का किरदार छाया हुआ है। अक्षय खन्ना ने दो फिल्मों में निगेटिव किरदार निभाकर सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं, जबकि संजय दत्त, जूनियर एनटीआर, बॉबी देओल, और रणदीप हुड्डा जैसे स्टार्स ने भी खूंखार रोल से स्क्रीन पर मानो आग लगा दी। यहां तक कि नायक से ज्यादा खलनायक छाए रहे। खास बात है कि साल 2025 में खलनायक सिर्फ डराने तक नहीं रुके, बल्कि उनकी परफॉर्मेंस ने फिल्मों को नई ऊंचाई दी। दर्शकों ने इन खलनायकों पर हीरो की तरह प्यार लुटाया।

छावा :– 14 फरवरी को रिलीज हुई विक्की कौशल–रश्मिका मंदाना स्टारर पीरियड ड्रामा में अक्षय खन्ना ने मुगल बादशाह 'औरंगजेब' का क्रूर रोल निभाया। उनका निगेटिव शेड वाला किरदार दर्शकों को प्रभावित करने में सफल रहा। फिल्म साल की सबसे बड़ी हिट साबित हुई।

जाट :– 10 अप्रैल को आई सनी देओल की एक्शन फिल्म 'जाट', जिसमें रणदीप हुड्डा ने राणातुंगा नाम का खूंखार विलेन रोल प्ले किया। उनका ब्रूटल अवतार और सनी से टक्कर सराही गई और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में सफल रही।

रेड 2 :– 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई अजय देवगन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'रेड 2'। शानदार कहानी और दमदार स्टारकास्ट के बीच और भी खास था फिल्म का खलनायक। कॉमेडी फिल्मों में काम कर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाने वाले एक्टर रितेश देशमुख ने केंद्रीय मंत्री दादा मनोहर भाई का निगेटिव रोल किया। फिल्म में उनकी एक्टिंग और डायलॉग के साथ अंदाज को भी खूब सराहा गया।

हाउसफुल 5: मल्टी–स्टारर फिल्म में फरदीन खान का खतरनाक रोल खूब पसंद किया गया। सितारों के बीच उनका पावरफुल परफॉर्मेंस हाइलाइट रहा। 6 जून को रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म में फरदीन खान ने सरप्राइज विलेन 'देव डोबरियाल' का

रोल निभाया, जिसका खुलासा क्लाइमेक्स में होता है।

वॉर 2 :– ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की स्पाई–थ्रिलर 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में जूनियर एनटीआर का इंटेंस अवतार छाया रहा। फिल्म में ट्विस्ट और डायलॉग के साथ खतरनाक अंदाज देखने लायक रहा।

बागी 4 :– सिनेमाघरों में 5 सितंबर को आई टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म 'बागी 4', जिसमें संजय दत्त ने 'चाको' नाम का खतरनाक विलेन रोल प्ले किया। उनका डरावना लुक और परफॉर्मेंस सराहा गया।

जॉली एलएलबी 3 :– 19 सितंबर को अक्षय कुमार–अरशद वारसी की कोर्टरूम ड्रामा में गजराज राव ने 'हरिभाई खेतान' (जमीन हड़पने वाला बिजनेसमैन) का सॉलिड निगेटिव रोल निभाया। उनके निगेटिव रोल को भी दर्शकों का खूब प्यार मिला।

थामा :– आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की हॉरर कॉमेडी फिल्म में एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने 'यक्षासन' नाम का खूंखार विलेन रोल प्ले किया। उनका नया अंदाज दर्शकों को पसंद आया। फिल्म 21 अक्टूबर को रिलीज हुई थी।

धुरंधर :– साल के ब्लॉकबस्टर की बात करें तो 'धुरंधर' का नाम आता है, और इस फिल्म के खलनायक यानी 'रहमान डकैत' का नाम सभी की जुबां पर चढ़ा हुआ है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर में अक्षय खन्ना ने रहमान डकैत का खूंखार रोल किया, जो बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रहा है।

इसके अलावा, 'ज्वेल थीफ' में जयदीप अहलावत ने बेरहम माफिया का शानदार रोल निभाया। आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में बॉबी देओल ने 'अजय तलवार' का डार्क किरदार प्ले किया।

इन अभिनेत्रियों ने बदली ओटीटी की दुनिया, दिखाई महिला प्रधान कहानियों की ताकत

बॉलीवुड और भारतीय मनोरंजन जगत ने पिछले कुछ सालों में डिजिटल दुनिया की ओर बड़ा कदम बढ़ाया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के जरिए दर्शक घर बैठे नई और अलग कहानियों का आनंद ले सकते हैं। इस साल यानी 2025 में भारतीय मनोरंजन का रूप बदलता दिखा। ओटीटी ने अभिनेत्रियों को ऐसे किरदार निभाने का मौका दिया है जो बहुआयामी होने के साथ–साथ साहसी भी हैं और जिनमें भावनाओं की गहराई भी है। अभिनेत्रियों के कुछ ऐसे ही किरदार साल 2025 में चर्चित रहे। भूमि पेडनेकर ने सीरीज 'द रॉयल्स' के जरिए साबित किया कि वह केवल फिल्मी कॉमेडी या रोमांस तक सीमित नहीं हैं। इस शो में उन्होंने सत्ता और चालबाजियों की दुनिया में खुद को साबित किया। यह सीरीज इसी साल 9 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। इसमें भूमि का अभिनय दमदार है। वह छोटी–छोटी भावनाओं और नजरों से सीन को इतना प्रभावशाली बना देती हैं कि दर्शक हर पल उनके साथ जुड़े रहते हैं।

हुमा कुरैशी ने 'महारानी' के चौथे सीजन में दिखाया कि राजनीति की जटिल दुनिया में भी महिला किरदार कितने मजबूत और प्रभावशाली हो सकते हैं। यह सीरीज 7 नवंबर को सोनी लिव पर स्ट्रीम हुई। अपने किरदार में वह आत्मविश्वास और सशक्त नजर आई। हर सीजन के साथ उनका किरदार विकसित होता गया और दर्शक उनसे जुड़ते गए। हुमा ने साबित किया कि महिला प्रधान किरदार सिर्फ कहानी का हिस्सा नहीं, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने की ताकत रखते हैं।

कृति खरबंदा ने इस साल ओटीटी पर डेब्यू करते हुए नायिका प्रधान से हटकर डार्क और नेगेटिव शेड वाले किरदार में नजर आईं। 'राणा नायडू सीजन 2' में उन्होंने अपने आत्मविश्वास और भावनात्मकता से दर्शकों का ध्यान खींचा। यह सीरीज 13 जून को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई। इसमें ग्रे जोन में रहकर भी कृति ने दिखा दिया कि वह हर किरदार में खुद को आसानी से ढाल सकती है। उनकी बहुमुखी प्रतिभा उन्हें ओटीटी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक बनाती है।

कुब्रा सैत का अभिनय हमेशा जटिल और चुनौतीपूर्ण किरदारों में दमदार रहता है। 'द ट्रायल सीजन 2' में उन्होंने कानूनी उलझनों, निजी संघर्ष और बदलती वफादारियों के बीच अपने किरदार को इतना विश्वसनीय और सशक्त ढंग से पेश किया कि दर्शक हैरान रह गए। यह सीरीज 19 सितंबर को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई। कुब्रा की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह किसी भी ड्रामा को जमीन से जोड़कर पेश करती हैं।

नुसरत भरुचा ने हॉरर जोन में भी अपने अभिनय का लोहा मनवाया। 'छोरी 2' में उन्होंने डर और आंतरिक मजबूती को इतने सटीक ढंग से दिखाया कि दर्शक भावनाओं में पूरी तरह डूब गए। यह फिल्म 11 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर हुई थी। अलग–अलग भूमिकाएं चुनकर नुसरत ने खुद को ओटीटी की सबसे निडर और जोखिम उठाने वाली अभिनेत्रियों में शामिल किया है।

सान्या मल्होत्रा ने 'मिसेज' में महिलाओं की पहचान और आत्म–खोज जैसी जटिल भावनाओं को बेहद सरल और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। उनकी एक्टिंग में संयम और भावनात्मक गहराई का संतुलन देखने को मिला। यह फिल्म 7 फरवरी को जी5 पर स्ट्रीम हुई थी। सान्या में कम शब्दों में बहुत कुछ कहने की कला उन्हें ओटीटी की सबसे सशक्त अभिनेत्रियों में शामिल करती है।

शबाना आजमी का अनुभव और अधिकार उन्हें 'डब्बा कार्टेल' में कहानी की रीढ़ बनाते हैं। उनका अभिनय क्लासिकल भारतीय शैली की विरासत को आधुनिक ओटीटी की ऊर्जा के साथ जोड़ता है। यह सीरीज 28 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई। शबाना आजमी की मौजूदगी ड्रामा के लिए नया मानक स्थापित करती है और दर्शकों को एक यादगार अनुभव देती है।

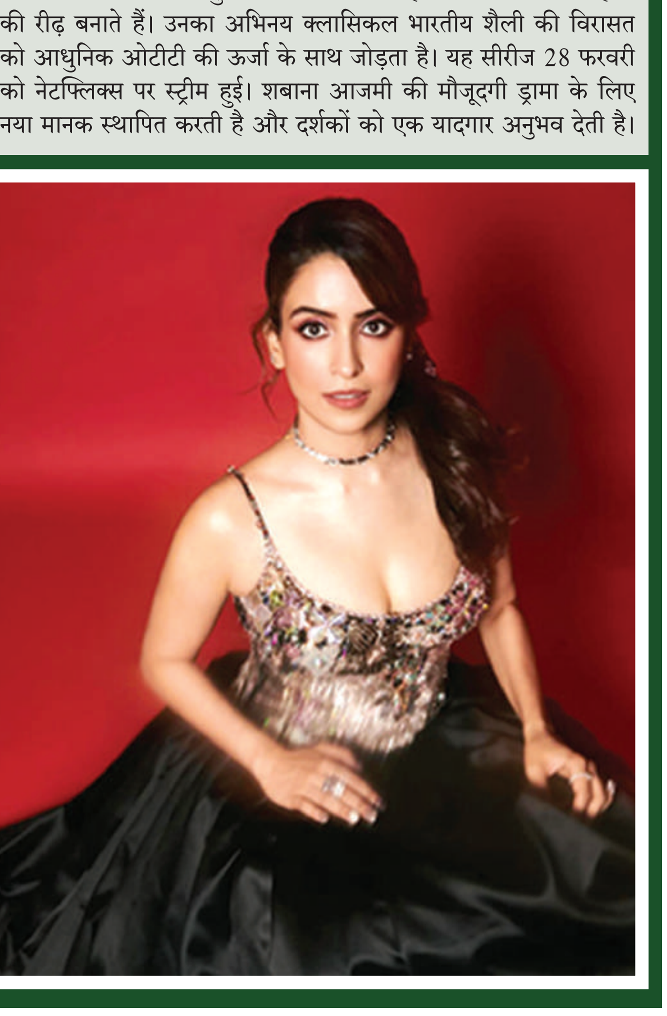

सोहा अली ने झटपट बनाया हेल्दी ग्रीन जूस, फैंस को बताई रेसिपी

अभिनेत्री सोहा अली खान अपने सेहत का खास ख्याल रखती हैं। इस कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ग्रीन जूस बनाती हुई नजर आईं। सोहा ने इसे 'न्यू ईयर का तोहफा' बताया। यह जूस हाइड्रेशन, फाइबर और मिनरल्स से भरपूर है, जो पाचन, हार्मोन बैलेंस और एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए हेल्दी जूस की रेसिपी भी बताई। उन्होंने बताया कि यह रेसिपी न सिर्फ हेल्दी है बल्कि घर पर आसानी से बनाई जा सकती है। इसके लिए गाजर, खीरा, अजवाइन, चिया सीड्स, ड्रैगन फ्रूट, अदरक, धनिया, मूंग अंकुर और ग्रीन्स लें और सभी को ब्लेंड करके पी लें। सोहा ने सलाह दी कि धीरे–धीरे शुरू करें और शरीर की सुनें। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मेरी तरफ से आपको हैप्पी न्यू ईयर का तोहफा। जैसा कि वादा किया था, यह रहा ग्रीन जूस जो मैं ज्यादातर सुबह पीती हूं। यह कोई हार्ड डिटॉक्स जूस नहीं है। यह आपको हेल्दी बनाएगा, इसे रोजाना पीएं। यह हाइड्रेशन, फाइबर, मिनरल्स और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है, जो शरीर को वह काम करने में मदद करते हैं जो उसे पहले से ही पता है। यह जूस पाचन सुधारने, हार्मोन बैलेंस रखने और पूरे दिन एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। खासकर जब भारीपन या सुस्ती महसूस हो, तब यह और भी कारगर है।

अभिनेत्री सोहा ने बताया कि इसे आमतौर पर वह नाश्ते के बाद और लंच से पहले पीती हैं।

यही नहीं, सोहा अली ने फैंस को हेल्दी ग्रीन जूस की रेसिपी भी बताई, जो बेहद साधारण और पौष्टिक है। इसके लिए गाजर, खीरा, दो डंठल अजवाइन, आधा कप नारियल पानी, आधा चम्मच चिया सीड्स (रात भर भिगोए हुए), एक छोटा टुकड़ा ड्रैगन फ्रूट (क्यूब्स में कटा हुआ), ताजा कसा हुआ अदरक, मुट्ठी भर धनिया पत्ती, एक मुट्ठी मूंग दाल के अंकुर (हल्के से स्टीम किए हुए) और एक मुट्ठी बेबी ग्रीन्स लें।

उन्होंने बताया कि इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। सभी सामग्री को ब्लेंडर में डालकर चिकना होने तक ब्लेंड करें। अगर पतला जूस पसंद हो तो थोड़ा और नारियल पानी मिला लें। सोहा ने फैंस को सलाह दी कि धीरे–धीरे शुरू करें और सामग्री में बदलाव करते रहें। यह जूस विटामिन, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होने से इम्यूनिटी बूस्ट करने में भी मदद करता है।

सोहा अली खान एक्टिंग के साथ ही फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर योग, वर्कआउट और डाइट टिप्स शेयर करती रहती हैं।

2025 में पर्दे पर निखरकर आईं ये पांच जोड़ियां, ऑन–स्क्रीन मचाया धमाल

साल 2025 में भी हमने कई ऐसी फिल्मों को देखा, जिन्होंने ऑन–स्क्रीन जोड़ियों के नजरिए लोगों के दिलों को छू लिया। फिल्मों की सफलता सिर्फ कहानी पर निर्भर नहीं होती, बल्कि उस कहानी को निभाने वाले कलाकारों की केमिस्ट्री और उनकी अदाकारी भी बहुत मायने रखती है। इस साल दर्शकों ने कई नई और पुरानी जोड़ियों को पर्दे पर देखा, जिन्होंने अलग–अलग तरह के प्यार और रिश्तों को खूबसूरती से पेश किया।

अहान पांडे और अनीत पड्डा :– अहान पांडे और अनीत पड्डा ने फिल्म 'सैयारा' में अपने किरदारों के जरिए दर्शकों का ध्यान खींचा। अहान ने कृष कपूर के किरदार में भावनाओं की जटिलताओं को बहुत सहजता से पेश किया। वहीं, अनीत ने वाणी बत्रा के संवेदनशील और शांत स्वभाव को बड़ी ही प्राकृतिक तरीके से पर्दे पर दिखाया। दोनों की केमिस्ट्री इतनी भरोसेमंद लगी कि दर्शक उनके किरदारों के साथ तुरंत जुड़ गए। उनके बीच के छोटे–छोटे भावपूर्ण सीन्स और बातचीत फिल्म की कहानी को और भी जीवंत बना देती हैं। इस जोड़ी की सबसे खास बात यह है कि उनका अभिनय सिर्फ किरदार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह फिल्म की भावनात्मक गहराई को भी बढ़ाता है।

धनुष और कृति सेनन :– फिल्म 'तेरे इश्क में' में धनुष और कृति सेनन की जोड़ी ने दर्शकों को पूरी तरह बांधे रखा। धनुष ने शंकर के गुस्सैल लेकिन संवेदनशील स्वभाव को बड़ी ही सहजता से निभाया। कृति ने मुक्ति के किरदार में अंतर्मुखी और भावनाओं से भरे पहलू को सरल और सच्चाई के साथ पर्दे पर उतारा। दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों को उनके किरदारों की हर खुशी और परेशानी महसूस कराने में सफल रही। उनके छोटे–छोटे भावपूर्ण पल और संवाद फिल्म की कहानी को और रोचक बनाते हैं।

ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी :– ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी ने अपनी फिल्म 'वॉर 2' में एक्शन और रोमांस दोनों को शानदार ढंग से पेश किया। ऋतिक ने मेजर कबीर धालीवाल के साहसी और चुनौतीपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा। कियारा ने अपने किरदार में आत्मविश्वास, भावनात्मक गहराई और चतुराई को बहुत ही खूबसूरत तरीके से दिखाया। दोनों की केमिस्ट्री रोमांचक और भरोसेमंद लगती है। उनके संवाद और एक्शन सीक्वेंस कहानी को आगे बढ़ाते हैं और दर्शकों को पूरी तरह बांधे रखते हैं। इस

जोड़ी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उनका प्रदर्शन न केवल रोमांस बल्कि थ्रिलर और ऊर्जा को भी दर्शकों तक पहुंचाता है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर :– फिल्म 'परम सुंदरी' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की जोड़ी ने दर्शकों को अपनी हल्की–फुल्की और मजेदार केमिस्ट्री से काफी प्रभावित किया। सिद्धार्थ ने परम के चुलबुले स्वभाव को बड़ी सहजता के साथ पर्दे पर उतारा, वहीं जान्हवी ने सुंदरी के आत्मविश्वासी और मजाकिया अंदाज को बेहद आकर्षक तरीके से दिखाया। उनके छोटे–छोटे संवाद और हंसी–मजाक भरे पल कहानी में ऊर्जा भरते हैं। इस जोड़ी ने साबित कर दिया कि प्यार और दोस्ती में मजाक और खुशी भी बेहद महत्वपूर्ण होती है।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी :– सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी ने फिल्म 'धड़क 2' में रोमांटिक किरदारों के जरिए जीवन और भावनात्मक गहराई दिखाई। सिद्धांत ने नीलेश के मासूम और भावुक स्वभाव को बहुत ही स्वाभाविक ढंग से निभाया, जबकि तृप्ति ने विधि की संवेदनशीलता और भावनाओं को खूबसूरती से पर्दे पर पेश किया। उनकी केमिस्ट्री शानदार थी। दर्शक उनके किरदारों के साथ आसानी से जुड़ पाए। इस जोड़ी ने फिल्म के रोमांटिक पहलू को मजबूती के साथ पेश किया।

31 किलोमीटर की दौड़... खास अंदाज में नए साल का जश्न मनाएंगी सैयामी खेर

साल 2025 खत्म होने को है और नए साल 2026 के स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। बॉलीवुड सितारे सोशल मीडिया और इंटरव्यू में अपने न्यू ईयर प्लान शेयर कर रहे हैं। इसी सिलसिले में अभिनेत्री सैयामी खेर ने भी बताया कि वह नए साल का स्वागत परिवार की पुरानी परंपराओं के साथ करेंगी। फिटनेस लवर सैयामी दिन की शुरुआत एक लंबी दौड़ से करेंगी, उसके बाद अपनों के साथ कैंपिंग, बारबेक्यू और मस्ती का प्लान है। अभिनेत्री सैयामी खेर नए साल की शुरुआत परिवार और दोस्तों के साथ घर पर समय बिताकर करेंगी। उनका मानना है कि नया साल अपनों के साथ मनाना सबसे खास होता है। परिवार की परंपरा को निभाते हुए वह पहले दिन की शुरुआत एक लंबी दौड़ से करेंगी। सैयामी ने बताया, नया साल परिवार और दोस्तों के साथ घर पर मनाना सबसे खास होता है। यह हमारी पुरानी परंपरा है। दोस्तों के साथ अलाव जलाते हैं, बारबेक्यू करते हैं, टेंट लगाकर बाहर कैंपिंग करते हैं।

इस बार सैयामी ने अपने जश्न में फिटनेस का तड़का लगाने का फैसला किया है। साल के पहले दिन वह सुबह 31 किलोमीटर दौड़ेंगी। उसके बाद पारंपरिक उत्सव जारी रहेगा। सैयामी ने कहा, इस नए साल को मैं धमाकेदार तरीके से खत्म करना चाहती हूं, इसलिए सुबह 31 किलोमीटर दौड़ूंगी। फिर खाना, डेजर्ट, संगीत, बोर्ड गेम्स और कैंपिंग जैसा सामान्य जश्न होगा।

सैयामी खेर फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह मैराथन और ट्रायथलॉन में हिस्सा लेती रहती हैं। लंबी दौड़ उनके लिए नई नहीं है, बल्कि यह उनकी लाइफस्टाइल का हिस्सा है।

करियर के लिहाज से भी सैयामी के लिए साल 2025 बेहद खास रहा। सैयामी ने हाल ही में अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ अपकमिंग फिल्म 'हैवान' की शूटिंग पूरी की है। प्रियदर्शन निर्देशित इस फिल्म में शरीब हाशमी भी मुख्य भूमिका में हैं। कोच्चि, ऊटी और मुंबई जैसी खूबसूरत लोकेशंस पर शूट हुई यह फिल्म अगस्त 2025 में फ्लोर पर आई थी।

सैयामी की इस साल रिलीज फिल्म 'जाट' भी सफल रही। सनी देओल, रणदीप हुड्डा स्टारर फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। फिल्म में रणदीप हुड्डा, सैयामी खेर, सनी देओल के साथ रेजिना कैसेंड्रा, विनीत कुमार सिंह, राम्या कृष्णन, जगपति बाबू जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं।

नववर्ष में तीन राशियों पर रहेगी शनि की साढ़ेसाती और दो पर ढैय्या

साल 2026 में शनि का गोचर मीन राशि में ही रहेगा, जिससे मेष सहित 3 राशियों पर शनि साढ़ेसाती रहेगी। जबकि दो राशियों पर शनि की ढैय्या का असर रहेगा। इसी के साथ राहु और केतु भी मिलकर इन राशियों के कष्टों को बढ़ाने वाले हैं। साल 2027 तक इन राशियों पर शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या रहने वाली है। ज्योतिषशास्त्र में शनि ग्रह का विशेष महत्व होता है। फ़लित ज्योतिष के शास्त्रो में शनि को अनेक नामों से सम्बोधित किया गया है, जैसे मन्दगामी, सूर्य-पुत्र, शनिश्चर और छायापुत्र आदि। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शनि सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं, इसलिए मंदगामी कहलाते हैं। शनि के नक्षत्र पुष्य,अनुराधा, और उत्तराभाद्रपद हैं। शनि मकर, और कुंभ राशि के स्वामी ग्रह हैं। शनि अपनी राशि बदलने में ढाई साल का वक्त लेते हैं। शनि की मंद गति के कारण इनका असर राशियों पर भी काफी समय तक रहता है। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या जिस राशि में होती है उस राशि का जातक काफी समय तक परेशान रहता है। वर्तमान में शनि मीन राशि में हैं।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया ज्योतिषीय गणना के अनुसार 2026 में शनि का गोचर पूरे साल मीन राशि में होगा। शनि के इस गोचर की वजह से इस साल मीन समेत कुंभ और मेष राशि पर साढेसाती का प्रभाव बना रहेगा। जबकि इस साल सिंह और धनु राशि पर पूरे साल ढैय्या का प्रभाव रहेगा। इस पर करेले पर नीम चढा संयोग यह है कि कुंभ राशि में राहु और सिह राशि में केतु का गोचर होगा जो शनि के प्रभाव को और तीव्रता देगा। ऐसे में इन राशियों

को कई मामलो में परेशानी हो सकती है। इन राशियों को शनि के उपाय पूरे करने करने होंगे। जबकि 2027 में शनि मेष राशि में प्रवेश करेंगे जिससे 2027 से वृषभ राशि की साढेसाती भी चालू हो जाएगी।

शनि देव हैं न्यायाधीश

नौ ग्रहों में शनि को न्यायाधीश माना गया है। ये ग्रह हमें हमारे कर्मों का फल प्रदान करता है। इसलिए ऐसे कामों से बचना चाहिए, जो गलत हैं। बुरे कर्मों से और बुरी संगत से दूर रहें। किसी का अनादर न करें। माता-पिता की आज्ञा का पालन करें और मेहनत से बचने की कोशिश न करें।

साल 2026 में शनि की साढ़ेसाती

ज्योतिष शास्त्र की गणनाओं के अनुसार साल 2026 में कुंभ राशि पर शनि की साढ़ेसाती का अंतिम चरण रहेगा। मीन राशि पर दूसरा और मेष राशि पर पहला चरण होगा। इस तरह से साल 2026 में कुंभ, मीन और मेष राशि वालों पर साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

साल 2026 में शनि की ढैय्या

वर्ष 2026 में धनु और सिंह राशि वालों पर शनि की ढैय्या का प्रभाव बना रहेगा।

मेष राशि पर शनि साढ़ेसाती

साल 2026 में मेष राशि के जातकों पर शनि साढ़ेसाती सिर पर चढ़ती हुई यानी प्रारंभिक अवस्था में ही रहेगी। शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव से वर्ष 2027 तक मेष राशि के लोगों को व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आपके अपने बंधु बांधवों से विरोध और अशांति का सामना करना पड़ सकता है। आपके घर परिवार में काफी समस्याएं और परेशानियां पैदा हो सकती हैं। हालांकि, बीच बीत में लाभ के अवसर भी मिलेंगे। बता दें कि वर्ष 2027 में शनि का गोचर मेष राशि में होगी उसके बाद मेष राशिवालों की साढ़ेसाती का दूसरा चरण आरंभ होगा।

कुंभ राशि पर शनि साढ़ेसाती

कुंभ राशि के लोगों के लिए वर्ष 2026 में शनि साढ़ेसाती का अंतिम चरण आरंभ होगा। यानी आपकी साढ़ेसाती पांव पर उतरी हुई होगी। वर्ष 2026 में राहु आपके लगन में गोचर करते रहेंगे ऐसे में यह समय आपके लिए थोड़ा संघर्षपूर्ण रहने वाला है। आपके पारिवारिक और व्यापार में काफी उथल पुथल देखने को मिल सकती है।

हालांकि, आपकी राशि पर शनि साढ़ेसाती का अंतिम चरण होने के साथ ही रजत पाया यानी चांदी होने के कारण रुकावटों के बावजूद कुछ बिगड़े कार्य भी बनते जाएंगे। साथ ही आपकी आय भी ठीक ही रहने वाली है।

मीन राशि पर शनि साढ़ेसाती

साल 2026 में मीन राशिवालों की शनि साढ़ेसाती का पहले चरण ही रहने वाला है। यानी आपके हृदय पर चढ़ती हुई साढ़ासाती रहने वाली है। साथ ही वर्ष 2026 में शनि का पाया स्वर्ण होने के साथ साथ आपको आर्थिक उलझन, धन का खर्च अधिक रहेगा। आपके लिए इस समय काफी संघर्षपूर्ण दृष्टि रहने वाली है। आपको धन लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। थोड़ा सेहत का ख्याल रखें क्योंकि, आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां काफी रहेंगी। अचानक आपके खर्चे बढ़ सकते हैं।

सिंह राशि पर शनि ढैय्य

सिंह राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या का प्रभाव अधिक रहने वाला है। आपकी आय के साधन सीमित रहेंगे। साथ ही मन में भ्रम की स्थिति रहेगी। आपको हड्डियों से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। साथ ही किसी न किसी रोगों का भय रहने वाला है। साथ ही पारिवारिक जीवन में कलह कलैश इस समय ज्यादा रह सकता है। सिंह राशि के जातकों को जून 2027 में शनि की साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी।

धनु राशि पर शनि ढैय्या

शनि आपकी राशि से चतुर्थ भाव में होने से आपको आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शनि आपको धन हानि के साथ साथ पारिवारिक जीवन में भी ढेर सारी समस्या पैदा होने वाली है। आपको अपने निकट संबंधियों के कारण तनाव रह सकता है। बता दें कि वर्ष 2027 में आपकी शनि की ढैय्या समाप्त होगी।

उपाय

शनि के अशुभ असर को कम करने के लिए हर शनिवार शनिदेव को तेल चढ़ाने की परंपरा है। इसके अलावा शनिवार के दिन हनुमानजी के दर्शन और पूजा करने से भी शनिदोष से मुक्ति मिलती है। हनुमान जी की पूजा से भी शनि के दोष कम होते हैं। शनि के मंत्र ऊँ शं शनैश्चराय नम: का जाप हर शनिवार को करें। मंत्र जाप कम से कम 108 बार जरूर करें। हर शनिवार तेल का दान करें। इसके लिए एक कटोरी में तेल लें और उसमें अपना चेहरा देखकर तेल का दान करें। शनिवार को काले तिल, कंबल, काली उड़द, लोहे के बर्तनों का और जूते-चप्पलों का दान भी किया जा सकता है।

पांच शुभ संयोग में मनाया जाएगा नया साल 2026

नए साल की शुरुआत 2026 में ज्योतिष के अनुसार कई शुभ योगों के साथ होने जा रही है। गुरुवार 1 जनवरी को शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के साथ-साथ रवि योग बन रहा है। इस दिन किसी भी नए काम की शुरुआत, निवेश, यात्रा, शिक्षा या व्यवसायिक प्रयास करना अत्यंत लाभकारी माना गया है। ऐसे शुभ योग के प्रभाव से नए साल की शुरुआत भाग्यशाली और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होगी। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि अंग्रेजी नववर्ष 2026 के पहले दिन कई शुभ योग बन रहे हैं, जो सुख समृद्धि और तरक्की के लिए बेहद कारगर माने जा रहे हैं। 1 जनवरी 2026 को रवि योग भी बन रहा है, जो रात 10:48 बजे से शुरू होकर अगले दिन सुबह 7:14 बजे तक प्रभावी रहेगा। ज्योतिष शास्त्र में रवि योग को कार्यसिद्धि और धन लाभ के लिए विशेष फलदायी माना गया है।। इसके अलावा साल भर भी ग्रहों का राशि परिवर्तन जारी रहेगा। इसका असर सभी राशि वालों पर पड़ेगा। इन शुभ योग के बीच नए साल का आना ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नए साल को लेकर मान्यता भी है कि अगर अगर साल का पहला दिन अच्छा हो तो पूरा साल अच्छा रहता है।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार अंग्रेजी नववर्ष बेहद ही शुभ संयोग में शुरू होने वाला है। कई ग्रहों के गोचर से कई शुभ संयोग बनेंगे, ऐसे में वर्ष 2026 कई राशियों के लिए बेहद शुभ साबित होने वाला है। अंग्रेजी नववर्ष के पहले दिन हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 का पहला दिन पौष माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि और गुरुवार के दिन पड़ेगा। इसके बाद 2 जनवरी को गुरु और चंद्रमा की युति से गजकेसरी योग बनेगा, जो धन, सम्मान, ज्ञान और सुख की प्राप्ति देने वाला अत्यंत शुभ योग है। खासकर कर्क, वृश्चिक और मीन लग्न वाले जातकों के लिए यह योग अत्यधिक लाभकारी माना गया है। इसके अलावा जनवरी में मकर राशि में पांच ग्रहों की युति से पंचग्रही योग का निर्माण भी होगा, जो जीवन में सफलता और स्थायी समृद्धि के संकेत देता है।

पंचांग के अनुसार 1 जनवरी 2026 को पौष मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि रहेगी। त्रयोदशी भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष मानी जाती है और जब यह तिथि गुरुवार के दिन आती है, तो इसे गुरु प्रदोष व्रत कहा जाता है। इस व्रत का संबंध गुरु ग्रह यानी बृहस्पति से जोड़ा जाता है, जो ज्ञान, धर्म, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। गुरु प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं और कई प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं। नए साल पर शाम के समय प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा करें। प्रदोष काल सूर्यास्त से लगभग 45 मिनट पहले और 45 मिनट बाद तक माना जाता है। इस दौरान शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और फल अर्पित करें। 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का श्रद्धापूर्वक जाप करें और अंत में भगवान शिव की आरती करें। ऐसा माना जाता है कि इस विधि से की गई पूजा नए साल में सुख, शांति और सफलता दिलाती है। वर्ष 2026 में कई महत्वपूर्ण ग्रहों का गोचर होने जा रहा है। साल 2026 में गुरु, राहु, और केतु जैसे बड़े ग्रह गोचर करेंगे। इस साल गुरु कर्क राशि में पहुंचेंगे। साथ ही राहु और केतु का गोचर भी होगा। राहु मकर राशि में और केतु कर्क राशि में पहुंचेंगे। वहीं, वर्ष 2026 में शनि मीन राशि में वक्री मार्गी होते रहेंगे।

शुभ संयोग

इस साल नए साल की शुरुआत गुरुवार के दिन से हो रही है। 1 जनवरी 2026 को जहां पूरी दुनिया नया साल मनाएगी। वहीं इस दिन साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत भी रखा जाएगा। तो 1 जनवरी 2026 को गुरु प्रदोष है। प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इसके अलावा नए साल के दिन रोहिणी नक्षत्र और रवि योग का संयोग भी बन रहा है। इसके अलावा 1 जनवरी को धनु राशि में सूर्य, बुध, मंगल और वैभव के कारक शुक्र मौजूद रहेंगे। इन सभी शुभ संयोग की वजह से ही नया साल बेहद खास और मंगलकारी रहेगा। साल 2026 सूर्य का साल माना जा रहा है। ऐसे में साल की शुरुआत ही सूर्य की शुभ स्थिति से होगी। पंचांग के अनुसार 1 जनवरी 2026 को पौष मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि रहेगी। त्रयोदशी भगवान शिव को समर्पित मानी जाती है इसलिए नए साल की शुरुआत शिव कृपा के साथ होना बेहद शुभ संकेत माना जा रहा है। नया साल 2026 गुरुवार के दिन शुरू होगा और इसी दिन त्रयोदशी तिथि होने से गुरु प्रदोष व्रत भी पड़ेगा। यह साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत होगा, जो विशेष फलदायी माना जाता है। हिंदू धर्म में गुरुवार को सबसे शुभ दिनों में गिना जाता है।

इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व होता है, जिससे सुख-समृद्धि बढ़ती है। 1 जनवरी 2026 को शुभ योग बन रहा है, जो सुबह से लेकर शाम 5:12 मिनट तक रहेगा। इस योग में किए गए शुभ कार्य सफल माने जाते हैं। शुभ योग के समाप्त होने के बाद शाम 5:12 बजे से शुक्ल योग शुरू होगा। शुक्ल योग को भी नए काम, निवेश और मांगलिक कार्यों के लिए उत्तम माना गया है। नए साल के पहले दिन नक्षत्रों का भी सकारात्मक प्रभाव रहेगा। दिनभर रोहिणी नक्षत्र रहेगा और रात 10:48 मिनट के बाद मृगशिरा नक्षत्र का आरंभ होगा। नववर्ष के शुभारंभ पर रवि योग का निर्माण भी हो रहा है। मान्यता है कि इस योग में सूर्य की पूजा करने से कई प्रकार के दोष दूर होते हैं। 1 जनवरी 2026 को भगवान शिव का वास नंदी पर रहेगा। इस दिन शिवजी का रुद्राभिषेक करना विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। साल के पहले दिन चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में स्थित रहेंगे। इससे मानसिक शांति, सुख-समृद्धि और निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होती है।

ग्रह गोचर 2026

इस साल ग्रहों का ऐसा संयोग बना हुआ है जो कुछ राशियों के लिए भाग्यशाली रहने वाला है। साल 2026 में गुरु, राहु और केतु जैसे बड़े ग्रह गोचर करने जा रहे हैं। इस साल 2 जून को गुरु कर्क राशि में पहुंच जाएंगे इसके बाद अतिचारी चाल से चलते हुए गुरु अक्टूबर में सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, 25 नवंबर को राहु और केतु गोचर करेंगे। जहां राहु कुंभ राशि से मकर राशि में प्रवेश करेंगे वहीं, केतु का गोचर कर्क राशि में होगा। साथ ही सालभर शनि वक्री मार्गी होकर चलेंगे। जोकि कई राशियों के जीवन में बड़े उतार चढ़ाव लेकर आएंगे।

शुभ प्रभाव

बीमारियों के इलाज में भी नए-नए आविष्कार होंगे। नई-नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। चीजों की लागत सामान्य रहेगी। महंगाई में कमी आएगी। लोगों की सेहत में सुधार होगा। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रभाव बढ़ेगा और मजबूती भी आएगी। अन्य देशों से संबंध अच्छे हो जाएंगे। राष्ट्र विरोधी गतिविधियां खत्म होंगी। फसल और अनाज का उत्पादन बढ़ेगा। शैक्षणिक और धार्मिक गतिविधियां तेज हो सकती हैं। सरकार धीरे-धीरे आन्तरिक विवादों को खत्म करने में कामयाब रहेगी।

करें पूजा-पाठ और दान

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत 1 जनवरी को

प्रदोष व्रत का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत करने का विधान होता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से जातक को जीवन में हर प्रकार के सुखों की प्राप्ति हो सकती है।

प्रदोष व्रत 2026 कब है?

पंचांग के अनुसार, पौष मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का आरंभ 31 दिसंबर 2025, बुधवार के दिन मध्यरात्रि के बाद 1 बजकर 48 मिनट पर होगा। वहीं, त्रयोदशी तिथि का समापन अगले दिन यानी 1 जनवरी 2026, गुरुवार को रात के समय 10 बजकर 23 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत 1 जनवरी को रखा जाएगा। इस दिन प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए।

प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत गुरुवार के दिन पड़ रहा है। इस व्रत को करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। ऐसे में इस दिन शुभ मुहूर्त में शिवजी और माता पार्वती की पूजा जरूर करनी चाहिए। 1 जनवरी, गुरुवार को प्रदोष काल 4 बजकर 55 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। इस अवधि के दौरान यानी प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा करना अत्यंत शुभ रहेगा।

प्रदोष व्रत की संपूर्ण पूजा विधि

1 जनवरी 2026, गुरुवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करना चाहिए। इसके पश्चात, साफ वस्त्र धारण करें और घर के मंदिर में गंगाजल का छिड़काव करें। अब एक चौकी पर साफ वस्त्र बिछाकर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित करें। फिर, गंगाजल, दूध, दही, बेलपत्र, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक करें। अगर संभव हो तो इस दिन रुद्राभिषेक करना चाहिए। इससे बेहद पुण्य फल प्राप्त होता है। अब शिवलिंग पर अक्षत, फूल, चंदन, धूप-दीप, नैवेद्य आदि अर्पित करें और फिर, विधि-विधान से पूजा करें। इस दिन 'ओम नम: शिवाय' मंत्र या महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए। इसके बाद, प्रदोष काल में शिवजी और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा व आरती करें। साथ ही, भगवान को प्रसाद का भोग लगाएं।

अंक ज्योतिष 2026 : मूलांक 9 वालों के लिए खास रहेंगे ये दो महीने, जानिए कैसा रहेगा साल

हर किसी को नए साल का इंतजार है। साथ ही मन में ये सवाल भी है कि नया साल उनके लिए कैसा रहने वाला है। ऐसे में अगर आपका जन्म किसी भी महीने की 9, 18 या 27 तारीख को हुआ है, तो आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक 9 का स्वामी ग्रह मंगल होता है, जो साहस, ऊर्जा, नेतृत्व और जुनून का प्रतीक माना जाता है। 2026 मूलांक 9 वालों के लिए जोश और बदलाव से भरा साल रहेगा, लेकिन साथ ही यह साल आत्मसंयम और समझदारी की भी परीक्षा लेगा। 2026 में मूलांक 9 वालों की भावनाएं काफी तीव्र रह सकती हैं। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना या जल्दी प्रतिक्रिया देना इस साल परेशानी की वजह बन सकता है। कई पुराने मुद्दे, जिन्हें आप पहले टालते रहे हैं, दोबारा सामने आ सकते हैं। हालांकि यह असहज लग सकता है, लेकिन इन अधूरे मामलों का समाधान होना जरूरी है। अगर आप धैर्य से काम लेंगे, तो यह साल आपको मानसिक रूप से मजबूत बना सकता है। करियर की बात करें तो 2026 में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। खासतौर पर वे लोग जो प्रशासन, सुरक्षा, तकनीकी क्षेत्र, खेल या नेतृत्व से जुड़े कामों में हैं, उन्हें पहचान मिल सकती है। हालांकि सफलता तभी मिलेगी, जब आप अनुशासन और संयम बनाए रखेंगे। अहंकार या जल्दबाजी आपके काम बिगाड़ सकती है। टीमवर्क और सीनियर्स की सलाह मानना इस साल आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

आर्थिक दृष्टि से यह साल मिला-जुला रह सकता है। आमदनी बनी रहेगी, लेकिन अचानक खर्च भी बढ़ सकते हैं। इस दौरान किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश से बचना बेहतर होगा। पैसा उधार देना या बिना सोचे-समझे किसी योजना में पैसा लगाना नुकसानदेह हो सकता है। बजट बनाकर चलना और जरूरतों पर ध्यान देना समझदारी होगी। स्वास्थ्य के लिहाज से मूलांक 9 वालों को 2026 में थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। खासकर ब्लड प्रेशर, चोट लगने या जल्दबाजी में होने वाली दुर्घटनाओं का ध्यान रखें।

गुस्से और तनाव का सीधा असर सेहत पर पड़ सकता है। योग, ध्यान और नियमित व्यायाम आपको संतुलन में रखेंगे। इस साल मूलांक 9 वालों में आध्यात्मिक झुकाव भी बढ़ेगा। सेवा कार्य, समाज के लिए कुछ करने की भावना और दूसरों की मदद करने से आपको मानसिक शांति मिलेगी। 2026 आपके लिए दूसरों के लिए प्रेरणा बनने का साल भी हो सकता है। अगर आप अपने अहंकार पर नियंत्रण रखते हैं, तो नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। इस साल मार्च और जुलाई का महीना मूलांक 9 वालों के लिए खास रहेगा। इन महीनों में नए अवसर, सकारात्मक बदलाव और महत्वपूर्ण फैसले संभव हैं।

उनामंचेरी कोदंडरामा स्वामी मंदिर : दो मुखी हनुमान हरते हैं भक्तों के शारीरिक कष्ट

शारीरिक कष्टों से मुक्ति पाने के लिए प्रार्थना और दवा दोनों का सहारा लिया जाता है। शारीरिक कष्टों से छुटकारा पाने के लिए भक्त अलग-अलग मंदिरों में जाते हैं। तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में भगवान राम का ऐसा मंदिर है, जहां दर्शन मात्र से शरीर के पुराने से पुराने रोगों से मुक्ति मिल जाती है। हम बात कर रहे हैं उनामंचेरी कोदंडरामा स्वामी मंदिर की, जहां हनुमान अद्भुत रूप में विराजमान हैं। तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में तांबरम के पास प्राचीन उनामंचेरी कोदंडरामा स्वामी मंदिर है, जिसे स्थानीय लोग श्री कोठंडा रामास्वामी मंदिर के नाम से भी जानते हैं। यह मंदिर अपने भव्य गोपुरम और सुंदर वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के गर्भगृह में प्रभु श्रीराम, मां सीता और लक्ष्मण विराजमान हैं। खास बात यह है कि मंदिर में हनुमान की दुर्लभ और प्राचीन प्रतिमा स्थापित है। कहा जाता है कि ऐसी प्रतिमा दुनिया में किसी मंदिर में नहीं है। मंदिर के गर्भगृह में हनुमान की दोमुख वाली प्रतिमा मौजूद है, जिसमें एक मुख प्रभु श्री राम, मां सीता और लक्ष्मण की तरफ है, जबकि दूसरा मुख दर्शन करने आने वाले भक्तों की तरफ है। माना जाता है कि शारीरिक रोगों से परेशान भक्त इस मंदिर में रोगों से मुक्ति पाने के लिए आते हैं। हनुमान की दृष्टि मात्र से सारे कष्ट और रोगों का नाश होता है। मंदिर के गर्भगृह में भरत और शत्रुघ्न की प्रतिमा भी मौजूद हैं। भरत और शत्रुघ्न दोनों कोनों में हाथ जोड़कर नमस्कार मुद्रा में विराजमान हैं।

यह देश का पहला मंदिर है, जहां प्रभु श्री राम अपने तीनों भाइयों, मां सीता और अपने प्रिय भक्त हनुमान के साथ हैं। मंदिर से जुड़ी प्रचलित किंवदंती की मानें तो इसका निर्माण विजयनगर वंश के अच्युत राय के आदेश के बाद हुआ था, जिन्हें स्वयं भगवान विष्णु ने दर्शन दिए थे। माना जाता है कि अच्युत वर्मा राय दिव्यांग थे और शारीरिक कष्टों से मुक्ति पाने के लिए उन्होंने भगवान विष्णु की कठोर तपस्या की थी। भगवान विष्णु ने प्रसन्न होकर सपने में अच्युत राय को दर्शन दिए थे और राम मंदिर बनाने का आदेश दिया था।

संपादकीय

भारत के हासिलों का साल

नववर्ष 2026 दहलीज पर खड़ा मुस्करा रहा है। हालांकि वैश्विक स्तर पर 2025 युद्धों, हमलों और विध्वंस का साल रहा। छह अलग-अलग मोर्चों पर युद्ध लड़े गए और अब भी आसार बने हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध अब भी जारी है। ईरान और इजरायल में कभी भी बारूद की बारिश हो सकती है। चीन का जापान और ताइवान के साथ तनाव बढ़ रहा है, लिहाजा अपने-अपने मोर्चों पर हथियारों की तैनाती की जा रही है। बेशक अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 8 युद्धों को शांत कराने का दावा करते रहें, लेकिन अमरीकी लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों, पनडुब्बियों और कमांडो सैनिकों ने वेनेजुएला की ऐसी घेराबंदी कर रखी है मानो किसी ने गला दबा कर सांस ही रोक दी हो ! गाजा का तनाव और हमास आतंकी संगठन की मौजूदगी भी युद्ध को सुलगाए हुए है। सीरिया में भी हमले किए जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने नाटो और यूरोप के खिलाफ परमाणु युद्ध की बार-बार धमकी दी है। नाटो और यूरोप भी रूस के साथ लंबी लड़ाई लडने की तैयारी कर रहे हैं। 2026 में युद्धों की विभीषिकाओं और विनाश से मुक्ति मिल सकेगी, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि अब ये वर्चस्व और विस्तारवाद के युद्धों में परिणत हो गए हैं। 2025 में भारत ने भी आतंकवाद के दो विस्फोटक और हत्यारे हमले झेले हैं, नतीजतन मई में पाकिस्तान के खिलाफ करीब 90 घंटे का युद्ध लडना पड़ा। कश्मीर के पहलगाम के एक पर्यटक स्थल पर आतंकियों ने सैलानियों का धर्म पूछ कर हिंदुओं की हत्या की। उस आतंकी हमले में 26 मासूम मारे गए थे। प्रतिक्रिया में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सक्रिय 100 से अधिक आतंकियों को मार डाला, उनके मुख्यालयों को मिट्टी-मलबा कर दिया और कुछ प्रमुख एयरबेसों को तबाह कर दिया। उनकी मरम्मत आज भी जारी है। दूसरा विस्फोट 10 नवंबर को लालकिले के पास आत्मघाती हमले में किया गया। उसमें 15 मासूम मारे गए और करीब 30 लोग घायल हुए। इस हमले के जरिए डॉक्टरों के जिस आतंकी गिरोह का पर्दाफाश हुआ, उसने देश को चौंका दिया। सवाल उठते रहे कि उच्च शिक्षित डॉक्टर भी जेहादी और आतंकी कैसे और क्यों बने? बहरहाल इन दो नकारात्मक और देश-विरोधी घटनाओं के अलावा, भारत में सकारात्मक और सुखद बहुत कुछ हुआ है। वायुसेना अधिकारी शुभांशु शुक्ला प्रथम भारतीय हैं, जो अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर गए और 18 दिनों तक अंतरिक्ष में रहते हुए कई प्रयोग भी किए। अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर 'तिरंगा' भी स्थापित किया। उनका अनुभव 'गगनयान मिशन' और अंतरिक्ष में भारत का अपना स्टेशन स्थापित करने में योगदान देगा। शुभांशु को नासा के विशेष अभियान का सदस्य बनने का गौरव प्राप्त हुआ। यकीनन 2025 में यह भारत का सबसे गौरवान्वित हासिल रहा। 2025 में ही भारत की महिला क्रिकेट टीम पहली बार 'विश्व चैम्पियन' बनी। दृष्टिबाधित महिलाओं की क्रिकेट टीम भी 'विश्व विजेता' बनी। पुरुषों की क्रिकेट टीम ने 2013 के बाद 2025 में 'आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी' जीती और 'एशिया कप' 9वीं बार जीत कर भारत के हासिलों का परचम लहराया। भारत शतरंज का महागढ़ बन गया है। 2025 में 19 वर्षीय दिव्या देशमुख शतरंज की 'विश्व चैम्पियन' बनी। पुरुषों के 'विश्व चैम्पियन' डी. गुकेश हैं। इनके अलावा, आधा दर्जन ऐसे खिलाड़ी उभरे हैं, जो विश्व विख्यात हैं और विश्व के शीर्ष 10 खिलाडियों में शामिल हैं। इसके अलावा, चार विभिन्न भार-वर्ग में भारत की युवतियों ने मुक्केबाजी जैसे खेल में स्वर्ण पदक हासिल किए। ये विश्व चैम्पियन से कम नहीं हैं। भारत खो-खो और कबड्डी में भी विश्व विजेता बना। अब देश में 2 लाख से अधिक स्टार्टअप हो गए हैं। 2025 में नए 44,853 स्टार्टअप आए। इसी साल 16,000 से अधिक पेटेंट के लिए आवेदन किया गया। अप्रैल में विश्व बैंक की एक रपट सामने आई। उसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी 16.2 फीसदी से घट कर 2.3 फीसदी रह गई है। करीब 17 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से ऊपर आ गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ थोपने के बावजूद हमारी दो तिमाहियों की विकास दर 8 फीसदी से ज्यादा रही है।

चीन का जापान और ताइवान के साथ तनाव बढ़ रहा है, लिहाजा अपने-अपने मोर्चों पर हथियारों की तैनाती की जा रही है। बेशक अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 8 युद्धों को शांत कराने का दावा करते रहें, लेकिन अमरीकी लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों, पनडुब्बियों और कमांडो सैनिकों ने वेनेजुएला की ऐसी घेराबंदी कर रखी है मानो किसी ने गला दबा कर सांस ही रोक दी हो ! गाजा का तनाव और हमास आतंकी संगठन की मौजूदगी भी युद्ध को सुलगाए हुए है। सीरिया में भी हमले किए जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने नाटो और यूरोप के खिलाफ परमाणु युद्ध की बार-बार धमकी दी है। नाटो और यूरोप भी रूस के साथ लंबी लड़ाई लडने की तैयारी कर रहे हैं। 2026 में युद्धों की विभीषिकाओं और विनाश से मुक्ति मिल सकेगी, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि अब ये वर्चस्व और विस्तारवाद के युद्धों में परिणत हो गए हैं। 2025 में भारत ने भी आतंकवाद के दो विस्फोटक और हत्यारे हमले झेले हैं, नतीजतन मई में पाकिस्तान के खिलाफ करीब 90 घंटे का युद्ध लडना पड़ा। कश्मीर के पहलगाम के एक पर्यटक स्थल पर आतंकियों ने सैलानियों का धर्म पूछ कर हिंदुओं की हत्या की। उस आतंकी हमले में 26 मासूम मारे गए थे। प्रतिक्रिया में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सक्रिय 100 से अधिक आतंकियों को मार डाला, उनके मुख्यालयों को मिट्टी-मलबा कर दिया और कुछ प्रमुख एयरबेसों को तबाह कर दिया। उनकी मरम्मत आज भी जारी है।

देश अब वैश्विक परिस्थितियों का केवल अनुसरण करने वाला नहीं बल्कि कई मामलों में दिशा तय करने की क्षमता भी रखता है

अर्थव्यवस्था से अंतरिक्ष तक भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां

योगेश कुमार गोयल

भारत के लिए वर्ष 2025 केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं बल्कि एक ऐसे संक्रमणकाल का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने देश की विकास यात्रा को नई दिशा, नई भाषा और नया आत्मविश्वास दिया। यह वह वर्ष रहा, जब भारत ने न केवल अपनी आंतरिक क्षमताओं को सुदृढ़ किया बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक परिपक्व, स्थिर और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान को और गहराया। अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बुनियादी ढ़ांचा, ऊर्जा, स्टार्टअप और खेल, लगभग हर क्षेत्र में भारत की प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अब केवल संभावनाओं का राष्ट्र नहीं बल्कि परिणाम देने वाला, नीति-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित राष्ट्र बन चुका है। वैश्विक परिदृश्य 2025 में किसी भी दृष्टि से आसान नहीं था। दुनिया आर्थिक मंदी की आशंकाओं, ऊर्जा संक्रमण के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता और तीव्र होती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रही थी। ऐसे समय में भारत का स्थिर, संतुलित और आत्मविश्वासी प्रदर्शन इस बात का संकेत बना कि देश अब वैश्विक परिस्थितियों का केवल अनुसरण करने वाला नहीं बल्कि कई मामलों में दिशा तय करने की क्षमता भी रखता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि तेज विकास और रणनीतिक परिपक्वता के बीच संतुलन साधते हुए उसने अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व को प्राथमिकता दी। आर्थिक मोर्चे पर 2025 भारत के लिए मजबूती का वर्ष रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत तक पहुंचना केवल एक आंकड़ा नहीं था बल्कि यह घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और संरचनात्मक सुधारों की संयुक्त शक्ति का प्रमाण था। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि ने यह संकेत दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अपनी आंतरिक गतिशीलता बनाए रखने में सक्षम है। केंद्रीय बैंक द्वारा वृद्धि अनुमान को 7.3 प्रतिशत तक संशोधित किया जाना आर्थिक लचीलेपन और नीति-विश्वसनीयता को दर्शाता है। लगभग 4.19 ट्रिलियन डॉलर के आकार के साथ भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना केवल रैंकिंग का विषय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति-संतुलन में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है। विनिर्माण क्षेत्र में 2025 ने एक प्रकार से पुनर्जागरण का संकेत दिया। वर्षों से सेवा क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता के बाद अब विनिर्माण को विकास का मजबूत स्तंभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति दिखाई दी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विनिर्माण उत्पादन की 4.26 प्रतिशत वृद्धि और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में निरंतर सुधार यह दर्शाता है कि उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की रणनीति धरातल पर उतर रही है। इलैक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का 115 अरब डॉलर तक पहुंचना और निकट भविष्य में इसके तीव्र विस्तार की संभावना भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की भूमिका निभा रही है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2025 ने भारत को एक नई वैश्विक पहचान दी। यह वर्ष केवल प्रक्षेपणों की संख्या या तकनीकी प्रयोगों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की भूमिका के गुणात्मक परिवर्तन का वर्ष बना। बड़े और जटिल संचार उपग्रहों की सफल तैनाती ने यह स्थापित किया कि भारत अब केवल किफायती लॉन्च सेवाओं तक सीमित नहीं है बल्कि उच्च-मूल्य और तकनीकी रूप से जटिल वाणिज्यिक मिशनों का भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। इन-ऑर्बिट सैटेलाइट डॉकिंग जैसी उन्नत क्षमता का सफल प्रदर्शन भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों, उपग्रह सेवा विस्तार और गहरे अंतरिक्ष अभियानों की आधारशिला है। मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में किए गए परीक्षण, स्वदेशी अंतरिक्ष-ग्रेड माइक्रोप्रोसेसर का विकास और छोटे उपग्रह प्रक्षेपण तकनीक का निजी क्षेत्र को हस्तांतरण, ये सभी संकेत देते हैं कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब नवाचार, आत्मनिर्भरता और निजी भागीदारी के नए युग में प्रवेश कर चुका है। रक्षा क्षेत्र में 2025 को सुधार और आत्मनिर्भरता के निर्णायक वर्ष के रूप में देखा जा सकता है। सैन्य ढ़ांचे के आधुनिकीकरण के साथ-साथ संयुक्त युद्ध क्षमता को मजबूत करने की दिशा में गंभीर प्रयास किए गए। थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर समन्वय के लिए एकीकृत कमांड संरचना की ओर बढ़ना भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप एक रणनीतिक कदम है। नौसेना में नई पनडुब्बियों की तैनाती, स्वदेशी लड़ाकू विमानों की श्रृंखलाबद्ध आपूर्ति और रक्षा बजट में दीर्घकालिक निवेश यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में आयात-निर्भरता से बाहर निकलकर घरेलू क्षमता निर्माण पर जोर दे रहा है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रश्न नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता का आधार भी है। बुनियादी ढ़ांचे के विकास ने 2025 में भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार ने न केवल आवागमन को सुगम बनाया, बल्कि क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने की दिशा में भी भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, सीमावर्ती सड़कों का निर्माण और तटीय विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारत को घरेलू रूप से अधिक एकीकृत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अधिक सक्षम बना रहा है। यह निवेश केवल निर्माण गतिविधि तक सीमित नहीं बल्कि रोजगार सृजन, लागत में कमी और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने का माध्यम भी है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत ने 2025 में वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान को और मजबूत किया। डिजिटल भुगतान प्रणालियों का अभूतपूर्व विस्तार, लेनदेन की बढ़ती संख्या और मूल्य तथा तकनीकी नवाचार ने यह सिद्ध किया कि भारत केवल डिजिटल उपभोक्ता नहीं बल्कि डिजिटल समाधान प्रदाता भी है। डिजिटल भुगतान में निरंतर वृद्धि, उच्च-मूल्य लेनदेन की सुविधा और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल प्रणालियों की स्वीकार्यता, भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी भूमिका की झलक देती है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 2025 का सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि स्वास्थ्य सेवा को अधिकार के रूप में सुलभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति हुई। लाखों नागरिकों तक स्वास्थ्य बीमा और उपचार की पहुंच, निजी स्वास्थ्य खर्च में उल्लेखनीय कमी और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों तक विस्तार, ये सभी संकेत देते हैं कि सामाजिक कल्याण अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं बल्कि वास्तविक जीवन में प्रभाव डाल रहा है। स्वास्थ्य अवसंरचना में किया गया निवेश दीर्घकालिक सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमता को मजबूत कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने यह स्पष्ट किया कि ज्ञान और अनुसंधान को राष्ट्रीय विकास का केंद्र बनाने की रणनीति पर गंभीरता से काम हो रहा है। उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार, नई सीटों का सृजन, अनुसंधान पार्कों की स्थापना और संकाय क्षमता में वृद्धि, ये सभी कदम आने वाले वर्षों में भारत की मानव पूंजी को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेंगे। स्टार्टअप पारिस्थितिकी में 2025 परिपक्वता का वर्ष रहा। यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या, उनके मूल्यांकन और निवेश आकर्षित करने की क्षमता यह दर्शाती है कि भारत का उद्यमी तंत्र अब केवल संख्या पर नहीं बल्कि गुणवत्ता और स्थायित्व पर भी केंद्रित है। महानगरों के साथ-साथ नए क्षेत्रों में स्टार्टअप गतिविधियों का विस्तार एक व्यापक उद्यमी संस्कृति के निर्माण की ओर संकेत करता है। खेल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी 2025 ने यह दिखाया कि भारत बहुआयामी विकास की दिशा में अग्रसर है। युवा खिलाड़ियों की अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां और स्वच्छ ऊर्जा क्षमता में निरंतर वृद्धि, दोनों ही भारत के भविष्य को अधिक सशक्त, टिकाऊ और आत्मविश्वासी बनाती हैं। समग्र रूप से देखें तो 2025 भारत के लिए केवल उपलब्धियों का वर्ष नहीं बल्कि आत्मनिर्भर आत्मविश्वास के परिपक्व होने का वर्ष रहा।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि तेज विकास और रणनीतिक परिपक्वता के बीच संतुलन साधते हुए उसने अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व को प्राथमिकता दी। आर्थिक मोर्चे पर 2025 भारत के लिए मजबूती का वर्ष रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत तक पहुंचना केवल एक आंकड़ा नहीं था बल्कि यह घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और संरचनात्मक सुधारों की संयुक्त शक्ति का प्रमाण था। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि ने यह संकेत दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अपनी आंतरिक गतिशीलता बनाए रखने में सक्षम है। केंद्रीय बैंक द्वारा वृद्धि अनुमान को 7.3 प्रतिशत तक संशोधित किया जाना आर्थिक लचीलेपन और नीति-विश्वसनीयता को दर्शाता है।

देश दुनिया से

सामाजिक जागरूकता से होगा चिट्टे का विनाश

चिट्टा मुक्त हिमाचल' आज केवल एक नारा नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश के अस्तित्व, उसके भविष्य और उसकी युवा पीढ़ी को बचाने की सबसे बड़ी सामाजिक आवश्यकता बन चुका है। यह वह समय है जब प्रदेश का लगभग हर परिवार किसी न किसी रूप में नशे की इस भयावह त्रासदी से प्रभावित है। हिमाचल प्रदेश में लगभग दो लाख युवा किसी न किसी प्रकार के नशे की चपेट में आ चुके हैं और नशाखोरी के मामलों में यह छोटा पहाड़ी राज्य देश के शीर्ष राज्यों में गिना जाने लगा है। अनुमान है कि प्रदेश के करीब 27 प्रतिशत युवा नशे का सेवन कर रहे हैं, जिनमें एक बड़ा वर्ग सिंथेटिक ड्रग्स, विशेषकर चिट्टा जैसी घातक नशाओं की ओर तेजी से आकर्षित हुआ है। यह नशा केवल शरीर को खोखला नहीं कर रहा, बल्कि समाज की रीढ़ माने जाने वाले युवाओं की सोच, संवेदना और नैतिकता को भी नष्ट कर रहा है। चिट्टा, जिसे तकनीकी भाषा में सिंथेटिक हेरोइन कहा जाता है, हिमाचल के युवाओं की नसों में जहर की तरह उतर चुका है। इसका प्रभाव इतना तीव्र होता है कि व्यक्ति कुछ ही समय में पूर्णतः निर्भर हो जाता है। हाल के वर्षों में चिट्टे के ओवरडोज से युवाओं की मौतों के कई दर्दनाक मामले सामने आए हैं। शिमला, मंडी, कुल्लू, चंबा, बिलासपुर, कांगड़ा और आसपास के जिलों में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां युवा नशे की अधिक मात्रा लेने के बाद मृत पाए गए। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह समस्या अब केवल आदत या शौक की नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन चुकी है। अनेक युवा हर पल तड़पते हुए जीने को मजबूर हैं, और अनेक घर ऐसे हैं जहां माता-पिता अपने जिंदा बच्चों को देखकर भी खुद को जिंदा लाश महसूस कर रहे हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि महंगे नशे की लत को पूरा करने के लिए कई युवा स्वयं नशा तस्करी की श्रृंखला का हिस्सा बनते जा रहे हैं। शुरुआत में उपभोक्ता रहे युवा धीरे-धीरे छोटे पेडलर बन जाते हैं और इस अवैध नेटवर्क को मजबूत करते चले जाते हैं। यह स्थिति न केवल कानून-व्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि यह दर्शाती है कि नशा किस तरह युवाओं को अपराध की दुनिया में धकेल रहा है। आज चिट्टा केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि एक संगठित सामाजिक अपराध का रूप ले चुका है। यह प्रश्न अब और अधिक गंभीर हो जाता है कि हिमाचल जैसे शांत, प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदेश में यह जहर आखिर पहुंचा कैसे। इसके पीछे सीमावर्ती राज्यों से आने वाली तस्करी, संगठित अपराध गिरोह, बेरोजगारी, आधुनिक जीवनशैली की अंधी नकल, सामाजिक संवाद की कमी और प्रारंभिक स्तर पर समाज की उदासीनता जैसे अनेक कारण हैं। नीति निर्माताओं और समाज के प्रबुद्ध वर्ग का यह नैतिक दायित्व बनता है कि वे इस समस्या की जड़ों तक जाएं, क्योंकि चिट्टा केवल युवाओं को नहीं, बल्कि पूरे सामाजिक ढांचे को भीतर से खोखला कर रहा है। आज स्थिति यह है कि लगभग हर दिन समाचार पत्रों और मीडिया में नशे से जुड़ी खबरें सुर्खियां बन रही हैं। पुलिस के आंकड़े स्वयं इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। हाल के महीनों में न केवल चिट्टे की जब्ती बढ़ी है, बल्कि नशा तस्करों के खिलाफ दर्ज मामलों में भी तेजी से वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 के शुरुआती महीनों में ही एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बढ़ गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या कितनी गहराई तक फैल चुकी है। सिरमौर जैसे अपेक्षाकृत छोटे जिले में भी नशा तस्करों के दर्जनों मामले सामने आए और बड़ी संख्या में आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। पूरे राज्य में वर्ष 2024 और 2025 के दौरान कई किलो चिट्टा जब्त किया गया, जो यह दर्शाता है कि इसकी आपूर्ति और मांग दोनों लगातार बढ़ रही थीं। दिसंबर 2025 में पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियानों में नशा तस्करों की गिरफ्तारी और उनकी अवैध संपत्तियों की जब्ती ने यह संकेत दिया कि अब प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहा है। करोड़ों रुपए की संपत्ति जब्त किए जाने से यह साफ हो गया कि चिट्टा केवल नशा नहीं, बल्कि एक अत्यंत लाभदायक अवैध कारोबार बन चुका है। ऐसे आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। इस गंभीर परिस्थिति को देखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा में चिट्टा के खिलाफ सख्त कानून लागू किए गए हैं। नशा तस्करों की संपत्ति जब्त करने, अवैध कमाई को सीज करने और इस अपराध को गैर-जमानती घोषित करने जैसे प्रावधान इस बात का संकेत हैं कि सरकार अब इस जहर को जड़ से खत्म करने के इरादे से आगे बढ़ रही है। ऐसे कठोर कानून अपराधियों में भय पैदा करते हैं और समाज को यह भरोसा देते हैं कि राज्य इस लड़ाई में पूरी ताकत के साथ खड़ा है। इसी क्रम में माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिमला के रिज से चौड़ा मैदान तक आयोजित एंटी-चिट्टा वॉकथॉन ने इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप दिया। इसमें विद्यार्थियों, युवाओं, जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाज के हर वर्ग की भागीदारी यह दर्शाती है कि अब यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं रही। प्रदेश के विभिन्न जिलों में एंटी-चिट्टा वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। 26 दिसंबर 2025 को जिला बिलासपुर में आयोजित एंटी-चिट्टा जनसभा में हजारों की संख्या में युवाओं और आम नागरिकों की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब हिमाचल प्रदेश में चिट्टा के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को समाज का हर वर्ग अपनाने के लिए तैयार है। माननीय मुख्यमंत्री ने अपने हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी होने के बावजूद सडक़ मार्ग से इस जनसभा में पहुंचकर नशे के विरुद्ध एक सशक्त और प्रेरणादायी संदेश दिया। उनका यह प्रयास इस बात का प्रतीक है कि नशे के खिलाफ यह लड़ाई केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। यह संदेश समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना और आत्मसात होना आवश्यक है। तभी इस जहर पर अंकुश लग सकेगा।

हिमाचल प्रदेश में लगभग दो लाख युवा किसी न किसी प्रकार के नशे की चपेट में आ चुके हैं और नशाखोरी के मामलों में यह छोटा पहाड़ी राज्य देश के शीर्ष राज्यों में गिना जाने लगा है। अनुमान है कि प्रदेश के करीब 27 प्रतिशत युवा नशे का सेवन कर रहे हैं, जिनमें एक बड़ा वर्ग सिंथेटिक ड्रग्स, विशेषकर चिट्टा जैसी घातक नशाओं की ओर तेजी से आकर्षित हुआ है। यह नशा केवल शरीर को खोखला नहीं कर रहा, बल्कि समाज की रीढ़ माने जाने वाले युवाओं की सोच, संवेदना और नैतिकता को भी नष्ट कर रहा है। चिट्टा, जिसे तकनीकी भाषा में सिंथेटिक हेरोइन कहा जाता है, हिमाचल के युवाओं की नसों में जहर की तरह उतर चुका है।

आप का नज़रिया

हिम ईरा से ब्रांड हिमाचल

ब्रांड हिमाचल की उत्पादन क्षमता में ग्रामीण आर्थिकी के सुर बदल रहे हैं। खास तौर पर स्वयं सहायता समूहों की बदौलत उत्पाद क्षमता और विशिष्टता दर्ज हो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में शिमला में हॉट बाजार की स्थापना से सैलानी खरीद की पैमाइश हिमाचल का ब्रांड भी एक नगीना बन सकता है। समूहों के समूह में ग्रामीण आर्थिकी का संयोजन अपने लक्ष्यों के मुनाफे से जोड़ रहा है, तो हिम ईरा अब एक सशक्त प्लेटफार्म बन चुका है। हिम ईरा की स्थायी दुकानें और साप्ताहिक बाजारों के जरिए साढ़े 65 करोड़ का कारोबार, दरअसल नारी शक्ति का परिचय भी है। जाहिर तौर पर हिमाचल सरकार ने इस अभिप्राय में ग्रामीण कर्मठता को जोडक़र भविष्य की तारीख लिखी है। कुल 5428 स्वयं सहायता समूहों के जरिए ग्रामीण परिवेश की परंपराएं, कृषि-बागबानी व हर्बल उत्पाद, जीवन शैली से निकले पर्वतीय उत्पाद तथा विविध उत्पादों को परिमार्जित करके स्टार्टअप अब हिमाचल की पृष्ठभूमि को गौरवान्वित करते हैं। कल तक सिड्डू अपनी परंपरागत थाली में, एक सीमित क्षेत्र तक ही सीमित था, लेकिन आज यह हिमाचल का ब्रांड बनकर उभरा है। सिड्डू अब हिमाचली शहरों-कस्बों तक ही नही, चंडीगढ़-दिल्ली तक पहुंच चुका है। इसी तरह कांगड़ा-चंबा का शहद अब अपनी कैटेगिरी में ब्रांड हिमाचल है। कांगड़ा चाय ने अपने अलग फ्लेवर के डिप, तो हर्बल टी के क्षेत्र में हिमाचल की जड़ी-बूटियों ने नया आसमान चूमा है। ऐसे में हिम ईरा ने समूचे हिमाचल को एक बड़ा प्लेटफार्म तथा स्टार्टअप को नया सोच व नई मंजिलें सौंपी हैं। जाहिर है स्वाद-जायके के अलावा जिंदगी के हर संदर्भ को उन्नत करते हिमाचली उत्पाद अपनी यूएसपी का संबोधन कर रहे हैं। ऐसे में शिमला हॉट बाजार के जरिए पूरा हिमाचल सैलानियों को प्रदेश की रुह और उत्पादों के रुतबे से रूबरू करवा पाएगा। इसी तरह के कई प्रयोग अतीत में हुए थे, लेकिन विभागीय शिथिलता ने सारे करिश्मे और लक्ष्य का नुकसान कर दिया। हिमाचल के हॉट बाजार की परिकल्पना मात्र से हाईवे टूरिज्म खूबसूरत दिखाई देता है। दरअसल हिमाचल परिवहन निगम की बसों के संचालन को पर्यटक के ठहराव के साथ जोडऩा होगा। अगर प्रदेश में एचआरटीसी पर्यटक ठहराव के जरिए हॉट बाजार, हाईवे परिवहन व खानपान जैसी सुविधाओं को स्थापित व स्तरोन्नत करे, तो महिलाओं के स्वयं सहायता समूह, स्वरोजगार व स्थानीय उत्पादों की बिक्री को मजबूती मिलेगी। हिमाचल में नए बस स्टैंड दरअसल प्रदेश की आर्थिकी, बेरोजगारी, व्यापार, पर्यटन तथा स्वयं सहायता समूहों के शो केस की तरह मॉल जैसी अधोसंरचना का निर्माण करें, तो परिवहन के मायने बदल जाएंगे। अब वक्त आ चुका है कि हिमाचल का हर विभाग अपनी अधोसंरचना निर्माण के साथ पर्यटन, स्वरोजगार, ग्रामीण आर्थिकी तथा ब्रांड हिमाचल के संकल्प को भी जोड़े। प्रदेश की संपूर्णता में जब तक हमारी योजनाएं-परियोजनाएं कार्य नहीं करेंगी, उत्थान की हर कोशिश पर क्षेत्रवाद भारी पड़ेगा। घाटे के तमाम सार्वजनिक उपक्रमों को अपने दायित्व के आलोक में स्वयं सहायता समूहों तथा स्वरोजगार योजनाओं को जोडऩा होगा। भविष्य की योजनाओं में कार्यालयों या स्कूल-कालेजों के विस्तार के बजाय हिमाचल की आर्थिकी, रोजगार व आत्मनिर्भरता के संकल्प को जोडऩा होगा। हर गांव अपनी परिधि में अगर सौ लोगों के रोजगार का ढांचा जोड़े, तो रोजगार कार्यालयों की आधी संख्या कम हो जाएगी। हर शहर हजार से पांच हजार युवाओं के स्वरोजगार संकल्प को पूरा करे, तो भविष्य में नौकरी के मायने बदल जाएंगे। इसी तरह औद्योगिक पट्टियों बीबीएन, बीबीटी व तमाम इंडस्ट्रियल टाउन में अगर हिमाचली प्रतिभा को उत्पादकता से जोडऩे की अलग से और ब्रांड हिमाचल के संकल्प में आगे बढ़ाया जाए, तो शिक्षा के हर मजमून का रिश्ता उद्योगों से जुड़ेगा।

हिम ईरा की स्थायी दुकानें और साप्ताहिक बाजारों के जरिए साढ़े 65 करोड़ का कारोबार, दरअसल नारी शक्ति का परिचय भी है। जाहिर तौर पर हिमाचल सरकार ने इस अभिप्राय में ग्रामीण कर्मठता को जोडक़र भविष्य की तारीख लिखी है। कुल 5428 स्वयं सहायता समूहों के जरिए ग्रामीण परिवेश की परंपराएं, कृषि-बागबानी व हर्बल उत्पाद, जीवन शैली से निकले पर्वतीय उत्पाद तथा विविध उत्पादों को परिमार्जित करके स्टार्टअप अब हिमाचल की पृष्ठभूमि को गौरवान्वित करते हैं। कल तक सिड्डू अपनी परंपरागत थाली में, एक सीमित क्षेत्र तक ही सीमित था, लेकिन आज यह हिमाचल का ब्रांड बनकर उभरा है। सिड्डू अब हिमाचली शहरों-कस्बों तक ही नही, चंडीगढ़-दिल्ली तक पहुंच चुका है। इसी तरह कांगड़ा-चंबा का शहद अब अपनी कैटेगिरी में ब्रांड हिमाचल है। कांगड़ा चाय ने अपने अलग फ्लेवर के डिप, तो हर्बल टी के क्षेत्र में हिमाचल की जड़ी-बूटियों ने नया आसमान चूमा है। ऐसे में हिम ईरा ने समूचे हिमाचल को एक बड़ा प्लेटफार्म तथा स्टार्टअप को नया सोच व नई मंजिलें सौंपी हैं। जाहिर है स्वाद-जायके के अलावा जिंदगी के हर संदर्भ को उन्नत करते हिमाचली उत्पाद अपनी यूएसपी का संबोधन कर रहे हैं। ऐसे में शिमला हॉट बाजार के जरिए पूरा हिमाचल सैलानियों को प्रदेश की रुह और उत्पादों के रुतबे से रूबरू करवा पाएगा। इसी तरह के कई प्रयोग अतीत में हुए थे, लेकिन विभागीय शिथिलता ने सारे करिश्मे और लक्ष्य का नुकसान कर दिया। हिमाचल के हॉट बाजार की परिकल्पना मात्र से हाईवे टूरिज्म खूबसूरत दिखाई देता है।

कुछ अलग

जुग-जुग जिएं मेरे नेता जी

अपने नेता जी के बारे में, मैं यह सुनना कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता कि उन्होंने बचपन में पड़ोसी की मुरगियां या बकरियां चुराई थीं। मैं उनके बारे में यह भी नहीं सुन सकता कि एक बार सिनेमा देखने और दारू पीने के लिए उन्होंने अपनी मां का मंगलसूत्र बेचा था। मैं आपको उनके बारे में यह भी नहीं बताऊंगा कि वह आठवीं की परीक्षा में दो बार फेल हुए थे और दसवीं की परीक्षा कभी पास नहीं कर पाए। एक बार घर से भागे थे और कई सालों तक वापस नहीं आए। उन्होंने हिमालय के एक मठ में एक टांग पर खड़े होकर इक्कीस साल तक तपस्या की थी और अमेरिका-वियतनाम युद्ध में वियतनाम की ओर से लड़े थे। उनके पास सम्पूर्ण इतिहास में एमए और पीएचडी की उपाधियां हैं। मैं उनके बारे में यह भी नहीं सुन सकता कि जब भी संगठन को जरूरत पड़ती है, वह जनता में गांधी, नेहरू, पटेल, सुभाष, भगत या अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में झूठ फैलाते हैं। मैं आपको यह भी नहीं बताऊंगा कि उन्होंने जाति और धर्म विद्वेष के आधार पर कभी दंगे करवाए हैं या वह किसी रेप केस में महीना भर अंदर रहे थे। आप उनके अतीत नहीं, उनके वर्तमान इकबाल और वैभव को देखिए। आज उनके पास क्या नहीं है- पद, रुपया, पैसा, सोना-चांदी, दसियों घर, सैंकड़ों एकड़ जमीन, इज्जत, ताकत वगैरह वह सब कुछ, जो हमारे जैसे उच्च मूल्यों वाले समाज, व्यवस्था और देश में किसी व्यक्ति को सिर उठाकर चलने की हिम्मत, शक्ति और प्रेरणा देता है। मुझे अपने नेता जी के चाल, चरित्र और चेहरे सहित उनके सभी गुणों पर शुद्ध दूध की तरह गाढ़ा गर्व है। मेरे दिल में उनके प्रति उतना ही गहरा सम्मान, प्रेम और निष्ठा है, जितना मुझे अपने राष्ट्र के प्रति है।

दृष्टि कोण

बंदूक की नोक पर नहीं होते समझौते

राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2 अप्रैल 2025 को व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान भारत सहित अपने लगभग सभी व्यापार भागीदारों पर पारस्परिक शुल्क लगाए थे। और बाद में भारत पर शुल्क को दोगुना कर 25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत कर दिया था, जो मध्य अगस्त 2025 से प्रभावी है। विभिन्न देशों ने या तो अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया है या उस दिशा में काम कर रहे हैं। तब से भारत-अमेरिका प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सक्रिय चर्चा चल रही है। यह ध्यान देने योग्य है कि कई देशों के मामले में व्यापार वार्ता किसी भी नतीजे पर पहुंचने में विफल रही है। भारत के मामले में, चर्चा अभी भी जारी है, हालांकि अंतिम सौदे पर पहुंचने में कई अड़चनें आ रही हैं, और चर्चा आज तक अनिर्णायक है। हालांकि सरकार की ओर से बातचीत टूटने के बारे में कोई बयान नहीं आया है, न ही सौदे के समापन के बारे में कोई ठोस बयान दिया गया है, लेकिन ऐसे कई मुद्दे हैं जिन पर दोनों देशों के बीच आम सहमति का अभाव है। भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि हम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में इच्छुक हैं, लेकिन भारत के हितों की कीमत पर नहीं। अप्रैल में ही, भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने साफ कहा था, 'हम कभी भी बंदूक की नोक पर बातचीत नहीं करते। समय की कमी हमें जल्दी बातचीत के लिए प्रेरित तो करती है, लेकिन जब तक हम अपने देश और अपने लोगों के हितों को सुरक्षित नहीं कर लेते, हम (किसी भी सौदे में) जल्दबाजी नहीं करते।' पीयूष गोयल ने अक्टूबर 2025 में जर्मनी में बर्लिन डायलॉग में लगभग यही बात दोहराई और कहा, 'हम यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। हम अमरीका से बात कर रहे हैं, लेकिन हम जल्दबाजी में समझौता नहीं करते हैं और न ही हम अंतिम तारीख या सिर पर बंदूक के साथ डील करते हैं।' अब सवाल यह है कि भारत की क्या चिंताएं हैं, जो अंतिम समझौते के रास्ते में आ रही हैं, और क्या भारत को इन मुद्दों पर अपना रुख नरम करना चाहिए या नहीं। और अगर वह ऐसा करता है, तो इसमें क्या दांव पर लगा है। संयुक्त राज्य अमेरिका की मुख्य मांगों में जीएम उत्पाद सहित अमरीकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजारों को खोलना, रूस से तेल खरीदना बंद करना, अमरीकी डेयरी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोलना और अमरीका से आयातों पर टैरिफ कम करना शामिल है। भारत को इन मांगों पर स्वाभाविक रूप से आपत्ति है, और अमरीकी प्रशासन अक्सर इन्हें भारत के अडियल रुख के तौर पर दिखाता है। असल में, ये ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, रोजी-रोटी की सुरक्षा और विकास की वास्तविकता में निहित हैं। ये बातचीत के तकनीकी मुद्दे नहीं हैं, बल्कि भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ हैं।

रूस से तेल : ऊर्जा सुरक्षा और महंगाई पर नियंत्रण : भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल शेष विश्व से आयात करता है। रूस से तेल रियायती कीमत पर मिलता है, जो महंगाई नियंत्रित करने, कार्टेल राजनीति के बाहर लंबे समय तक स्थायी आपूर्ति, उपभोक्ताओं और सरकारी वित्त के लिए राहत के लिए जरूरी है। अगर भारत अमरीका की मांग मान लेता है, तो रूस से तेल खरीदना बंद करने से ईंधन की कीमतें और खाद्य महंगाई बढ़ेगी, गरीबों को बहुत ज्यादा नुकसान होगा और मध्य पूर्वी देशों की अस्थिर सप्लाई पर निर्भरता बढ़ेगी। एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के लिए, ऊर्जा की सामर्थ्य पूर्ण पहुंच पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

कृषि : सिर्फ व्यापार नहीं, रोजी-रोटी भी : भारत की लगभग आधी आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। विकसित देशों के विपरीत भारतीय किसान छोटे, मझौले और आय के मामले में कमजोर हैं। भारत में कृषि केवल एक सेक्टर नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का आधार है। कृषि को बिना सोचे-समझे खोलने से किसान सब्सिडी-समर्थित पश्चिमी उत्पादों के सीधे संपर्क में आ जाएंगे। इससे गांवों में संकट बढ़ सकता है, राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है तथा खाद्य सुरक्षा और एमएसपी व्यवस्था कमजोर हो सकती है। इसलिए, यदि हम अमेरिकी मांग के अनुरूप अमेरिका के सब्सिडी-युक्त कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोलते हैं, तो इससे मक्का सहित कई कृषि उत्पादों के बाजार प्रभावित होंगे, जिससे भारतीय कृषि और किसानों को गंभीर नुकसान हो सकता है।

बेड टी के हैं बैड इफेक्ट भी, खाली पेट चाय पीने के हैं ये 4 नुकसान

बेड टी कई मायनों में आपकी सेहत के लिए बड होती है. चाय में कई तरह के ऐसिड होते हैं. खाली पेट चाय पी कर आप अपने पेट को सीधा नुकसान पहुंचाते हैं. इससे अल्सर या गैस जैसी परेशानियां बढ़ने की संभावना रहती है. एक नजर बेड टी के बैड इफेक्ट्स पर

चाय, एक ऐसा ड्रिंक जिसकी खुश्बू के साथ ही ज्यादातर घरों की सुबह होती है. शायद ही कोई घर होगा जहां चाय के नहीं बनती होगी या चाय के बिना नाश्ता होता हो. कुछ लोगों को तो चाय की इतनी आदत होती है कि वे दिन में कई कई बार चाय पीते हैं. तो कुछ बिना बेड टी के उठ भी नहीं सकते. बेड टी कई मायनों में आपकी सेहत के लिए बड होती है. चाय में कई तरह के ऐसिड होते हैं. खाली पेट चाय पी कर आप अपने पेट को सीधा नुकसान पहुंचाते हैं. इससे अल्सर या गैस जैसी परेशानियां बढ़ने की संभावना रहती है. एक नजर बेड टी के बैड इफेक्ट्स पर-

अगर आप उन लोगों में से हैं, जो ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं और सोचते हैं कि इसके साथ ही आपके शरीर में दूध भी गया है, तो जरा रुकिए... खाली पेट ज्यादा दूध वाली चाय पीने से थकान का एहसास होता है. एक और बात जो आपको जाननी चाहिए वह यह कि चाय में दूध ड़ालते ही एंटीऑक्सीडेंट का असर खत्म हो जाता है.

अब यदि आप यह सोचकर खुश हैं कि आप तो कम दूध वाली स्ट्रॉग टी पीते हैं. तो यह भी आपके लिए नुकसानदायक है. कड़क चाय पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाती है और यह आपको पेट से जुड़ी कई परेशानियां दे सकती है.

अगर आप यह सोचकर खुश हो रहे हैं कि आप तो चाय खाने के बाद पीते हैं, तो भी इसके नुकसान कम नहीं. हम सभी जानते हैं कि चाय में टैनिन होता है. जो आहार में मौजूद आयरन के साथ रिएक्ट कर सकता है. इसलिए खाने के बाद चाय पीना आपके खाने के पोषक तत्वों को नष्ट कर सकता है.

अगर आप दिन में चार से पांच बार चाय पीते हैं, तो अपनी इस आदत को जरा लगाम दें. बहुत ज्यादा गर्म चाय पीने की आदत भी अच्छी नहीं. इससे फूड पाइप या गले का कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है.

रोटेटर कफ इंजरी का इलाज...

हमारे शरीर की चार पेशियां कंधे की हड्डी और पसलियों की मांसपेशियों को ऊपरी बांह की हड्डी के साथ जोड़ती हैं। क्योंकि ये पेशियां बांह को उसके कोटर के भीतर घूमने में मदद करती हैं, इन पेशियों के आस्तीन को रोटेटर कफ कहा जाता है। रोटेटर कफ में पेशियां आसानी से घायल हो सकती हैं क्योंकि ये एक तंग जगह के भीतर घूमती हैं। जब कंधे को उसके घुमाव की प्राकृतिक सीमा की हद में मोड़ा या उठाया जाता है, इस तंग जगह में पेशियां, भी घूमती हैं। रोटेटर कफ की पेशियां उसके ऊपर के हड्डीदार लौंदे या कंधे के सामने एक अस्थिबंध से टकरा या रगड़ खा सकती हैं। इस घर्षण को इंमपिंगमेंट सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है और रोटेटर कफ में सूजन का कारण भी बनता है। रोटेटर कफ घर्षण की सूजन पैदा करने की सबसे अधिक संभावना होती है यदि आपके कंधे का घुमाव कठिन या दोहरावदार है। ये सूजन तीन समस्याएं पैदा कर सकती हैं, जैसे, रोटेटर कफ टेंडोनाइटिस, रोटेटर कफ टीयर तथा शोल्डर बर्साइटिस।

ये हैं लक्षण

रोटेटर कफ की चोटें आपके कंधे और ऊपरी बांह में दर्द पैदा करती हैं, दर्द सबसे अधिक महत्वपूर्ण तब हो सकता है जब आप अपने हाथ ऊपर या बाहर की तरफ फैलाते हैं। जब आप अपने हाथ उठाते हुए घुमाते हैं, तब पेशियों की आसपास के ढांचों से रगड़ने की अधिक संभावना है। इस कारण जब आप अपने बालों में कंघी करने या अपनी बांह आस्तीन में डालने की कोशिश करते हैं तब आपके कंधों में असहनीय दर्द हो सकता है। रात के वक्त यह दर्द बहुत बढ़ सकता है। इनके कारण कंधे कमजोर हो सकते हैं, हल्के वजह की वस्तुओं को उठाने में भी समस्या होती है।

ऐसे करें उपचार

कंधे में टेंडोनाइटिस, बर्साइटिस और छोटे रोटेटर कफ टियर्स को प्रभावित करने के लिए कोर्टिकोस्टेरॉयड दवा की सुई के साथ इसका उपचार किया जाता है।

इसके बाद कंधे की गति को पुनःसंचलन में लाने और रोटेटर कफ की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए व्यायाम करवाया जाता है। नॉन स्टेरोइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (एनएसएआईडी) जैसे आइबुप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन आदि) दर्द और सूजन को कम करने में सहायक होते हैं। अगर चिकित्सक को पता लगता है कि आपको कैल्सिफिक टेंडोनाइटिस है, तब इसके लिए वह अन्य उपचार के तरीके आजमा सकता है। इसके लिए अल्ट्रासाउंड या लिथोस्कोपी नामक प्रक्रिया आजमाई जाती है, इस तरीके से उपचार के दौरान अल्ट्रासाउंड की किरणें दी जाती हैं, जिन्हें शॉक वेव्स के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा सेकेंडरी रोटेटर कफ की चोटों या रोटेटर कफ पेशी में बड़े चीरों के लिए सर्जरी की आवश्यक हो सकती है। या इसके लिए आथ्रोस्कोपी (कैमरे की मदद से सर्जरी) या पारंपरिक ओपन सर्जरी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ये सावधानी रखें

अगर थोड़ी सी सावधानी बरती जाए तो रोटेटर कफ इन्जरी से बचाव किया जा सकता है। अपने सिर के ऊपर की वस्तुओं तक पहुंचने के लिए कुर्सी या फिर सीढ़ी का प्रयोग कीजिए। अगर आपको पहले भी गठिया की बीमारी है तब नियमित रूप से व्यायाम जरूर करें। व्यायाम करने से मांसपेशियों में खिंचाव होता है और हड्डियां भी मजबूत होती हैं। इसलिए नियमित रूप से व्यायाम जरूर करें।

उबले पानी को फिर न उबालें...

उबले हुए पानी को फिर से उबालकर इस्तेमाल में लाना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि पानी के घटक यानी पानी जिनसे मिलकर बना होता है, वह उलट हो जाता है और सेहत के लिए नुकसानदायक होता है।

पानी को बार-बार उबालने से इसमें आर्सेनिक, नाईट्रेट और फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा हो जाती है और इससे शरीर को नुकसान पहुंचता है। पानी को उबालने से उसकी भाप निकलकर वापस उसी में चली जाती है, जो और भी नुकसानदायक होती है, बल्कि कहा जा सकता है कि उसी के कारण नुकसान होता है। पानी एक बार उबलने पर मिनरल को दुबारा सेट करता है, ठंडा हो जाने पर पानी में सभी लवण सेट हो जाते हैं लेकिन अगर उसे फिर से गर्म किया जाएं, तो उसमें दुबारा से कैमिकल रिएक्शन होते हैं और सब कुछ संतुलित मात्रा से कम या ज्यादा हो जाता है।

टॉक्सिक नाइट्रेट: पानी को गर्म करने पर इसमें नाईट्रेट एक्सपोज हो जाता है लेकिन अगर इसे बार-बार गर्म किया जाएं तो यह टॉक्सिक में बदल जाता है। उच्च तापमान, नाइट्रेट को नाइट्रोसामाइन और कारसिनोजेनिक में परिवर्तित कर देता है। इससे कई प्रकार का कैंसर हो सकता है।

आर्सेनिक इंटॉक्सिकेशन: एक हद से ज्यादा पानी को गर्म करने पर आपको आर्सेनिक की घातक मात्रा पानी में मिलेगी। इससे कैंसर, हार्ट अटैक, मस्तिष्क संबंधी बीमारियां आदि होने का खतरा रहता है। यहां तक कि प्रजनन क्षमता पर भी असर पड़ता है।

फ्लोराइड की उच्च मात्रा: पानी को ज्यादा उबालने पर इसमें फ्लोराइड की मात्रा बहुत ज्यादा हो जाती है, जिसके कारण, इससे दिमागी बीमारी, बच्चों में होने का खतरा रहता है।

खतरनाक है खांसी का सीरप

खांसी के सीरप हमारे लिए नुकसानदेह होते हैं। ये सीरप मीठे जहर से कम नहीं हैं। कफ सीरप वाली दवाओं में कोडीन होता है, जो याददाश्त को खत्म कर सकता है। अक्सर मेडिकल स्टोर्स में कोडीन वाली दवाओं को ही रखा जाता है, जो खांसी में राहत कम देती हैं और खतरा अधिक। कोडिन का सेवन करने से त्वचा में खुजली, सांस लेने की बीमारी और पाचन तंत्र खराब हो सकता है।

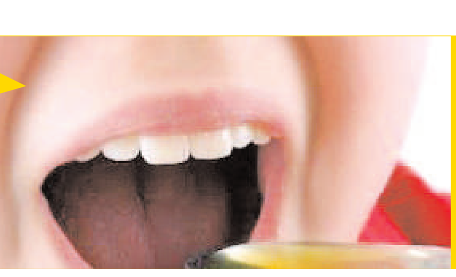

नीलगिरी तेल के फायदे बेशुमार, घने बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद

अपने बालों को सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए लोग कई तरह के नुस्खे आजमाते हैं. लेकिन इन नुस्खों में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाला तेल होता है. सप्ताह में एक बार लोग अपने बालों को तेल से नरिश करते हैं. ताकि उनमें रुखापन न आने पाए. ऐसे कई एसेंशियल ऑयल हैं जो हमारी त्वचा एवं बालों की समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. इनमें से एक है नीलगिरी का तेल जो त्वचा एवं बालों से संबंधित हर समस्या को दूर करता है.

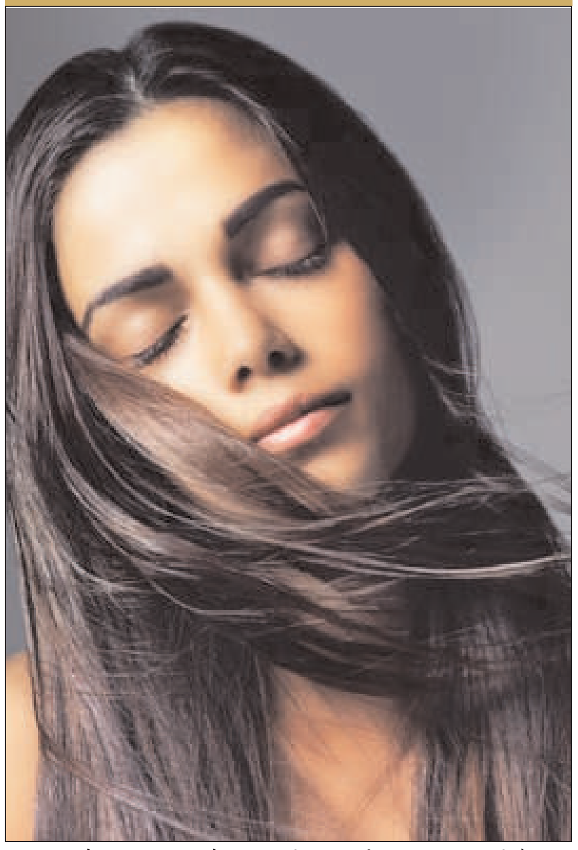

त्वचा के लिए- प्रदूषण के साथ नमी त्वचा को नुकसान पहुंचाती है. हवा में मौजूद नमी के कारण हमारी त्वचा को सूक्ष्म जीवाणुओं द्वारा नुकसान पहुंचने की संभावना होती है. नीलगिरी के तेल में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो त्वचा के हर संक्रमण को दूर करते हैं. यह आपको मुलायम एवं दागरहित त्वचा प्रदान करता है. यह तेल लगाने से जलन में आराम मिलता है. यह मांसपेशियों का दर्द दूर करने के साथ ही त्वचा को सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से सुरक्षा प्रदान करता है.

एरोमाथेरेपी के लिए

आजकल की व्यस्त दिनचर्या में कई लोगों के लिए आराम करना भी आसान नहीं होता जिसके परिणामस्वरूप अक्सर बेचैनी और तनाव महसूस होता है. मूड को बेहतर करने और दिलोदिमाग को सुकून का अहसास कराने के लिए नीलगिरी का तेल बहुत फायदेमंद हैं. नीलगिरी एसेंशियल ऑयल की बढ़िया खुशबू आपको ताजगी और सुकून प्रदान करती है.

बालों के लिए

नीलगिरी के तेल में एंटीफंगल गुण होते हैं जो संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करते हैं. यह सिर के रोमछिद्रों को खोलता है और बालों को जड़ से पोषण प्रदान कर उन्हें स्वस्थ बनाता है. इस तेल से बाल घने होते हैं और साथ ही सिर की खुजली से भी राहत मिलती है.

चूंकि एसेंशियल ऑयल शुद्ध रूप में होते हैं इसलिए ये काफी गाढ़े होते हैं. इसलिए आप नीलगिरी तेल की 2 से 3 बूंदें किसी कैरियर ऑयल (हल्के तेल) जैसे कैस्टर ऑयल या जैतून के तेल में मिलाकर त्वचा और बालों पर लगाएं.

वास्तु अनुसार बच्चों के कमरे के लिए कुछ जरूरी बातें

बच्चों में माता-पिता की जान बसती है। हर मां-बाप अपने बच्चों को बेस्ट ही देना चाहते हैं। उनकी यह मनोकामना होती है कि उनका बच्चा जीवन के हर क्षेत्र में न सिर्फ सफलता हासिल करें, बल्कि वह एक स्वस्थ व खुशनुमा जीवन भी व्यतीत करे। अगर आप भी अपने बच्चे का एक उज्ज्वल भविष्य देखना चाहते हैं तो इसके लिए आपको उनके कमरे को भी सही तरीके से व्यवस्थित करना होगा। वास्तु अनुसार बनाया गया बच्चों का कमरा उन्हें स्वास्थ्य, सफलता, कुशाग्र बुद्धि व शांति प्रदान करता है।

दिशा हो सही

अगर आप अपने जिगर के टुकड़े के लिए अलग से कमरा बनवाने की सोच रहे हैं तो उसे सही दिशा में ही बनवाएं। बच्चे का कमरा बनवाने के लिए पश्चिम दिशा बेस्ट है। वैसे इसके अतिरिक्त अगर आप चाहें तो पश्चिम, उत्तर, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व में भी बच्चों का कमरा बनवा सकते हैं। बच्चों का कमरा कभी भी दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं बनवाना चाहिए। हालांकि लड़कियों का कमरा उत्तर-पश्चिम दिशा में बनवाया जा सकता है, वहीं लड़कों के कमरे के लिए घर की उत्तरी या पूर्वी भाग में बेहतर रहती है। साथ ही, बच्चे के कमरे का मध्य भाग हमेशा खाली रखा जाना चाहिए।

ऐसा हो स्टडी रूम

वास्तु शास्त्र में हर चीज को उसके सही स्थान पर रखना बेहद आवश्यक माना गया है। दरअसल, हर चीज की अपनी एक प्रकृति होती है, ठीक उसी प्रकार दिशाओं का भी अपना एक अलग महत्व होता है। ऐसे में यदि चीजों को उनकी प्रकृति के अनुरूप रखा जाए तो वह आपके जीवन में सकारात्मकता लाने में काफी कारगर सिद्ध होती हैं। यदि आप बच्चों के लिए एक अलग से स्टडी रूम बना रहे हैं तो उसे घर के पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में बनाना बेहतर रहता है। यह दिशाएं आपके बच्चे को अधिक एकाग्र बनाएंगी। साथ ही स्टडी टेबल को कुछ इस प्रकार स्थापित करें कि पढ़ते समय बच्चे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर हो। स्टडी टेबल न तो बहुत बड़ी हो और न ही बहुत छोटी। जहां तक बात बुकशेल्फ या कैबिनेट्स की है तो उसे आप पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशाओं मे स्थित कर सकते हैं। कुछ अभिभावक बुकशेल्फ को स्टडी टेबल के ऊपर बनवाना पसंद करते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे सही नहीं माना जाता। ऐसा करने से बच्चा हमेशा ही तनावग्रस्त रहता है।

यूं बिछाएं बिस्तर

चूंकि बच्चे के लिए बिस्तर का प्रयोग सिर्फ सोने के लिए ही नहीं किया जाता, अपितु कई बार इस पर बैठकर वह अपने प्रोजेक्ट भी पूरा करता है। इसलिए उसका भी सही तरीके से स्थापित होना बेहद आवश्यक है। बच्चे का बिस्तर कुछ इस प्रकार बिछा होना चाहिए कि सोते समय बच्चे का मुंह दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर हो। अगर आप बच्चे के कमरे में दर्पण का प्रयोग कर रहे हैं तो उसे कुछ इस प्रकार लगाएं कि वह बच्चों के बेड के सामने न हो। ठीक इसी प्रकार, कमरे के बाथरूम का दरवाजा भी बिस्तर के सामने नहीं होना चाहिए।

रंगों का महत्व

हर रंग का जीवन में अपना एक अलग महत्व होता है। यह आपके मूड को भी प्रभावित करते हैं। इसलिए बच्चों के कमरे में भी कुछ ऐसे रंगों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए जो उन्हें खुशी व मानसिक शांति प्रदान करते हों। वैसे वास्तु अनुसार हरा रंग बच्चे के कमरे के लिए सबसे उपयुक्त रंग माना गया है। दरअसल, हरा रंग शांति और ताजगी से जुड़ा हुआ है, इसलिए यह आपके बच्चे को भी हमेशा तरोताजा बनाए रखेगा। साथ ही इससे यह आपके बच्चे के दिमाग को भी तेज बनाने में मदद करेगा।

इन बातों का रखें ध्यान

» बच्चे के कमरे में इस्तेमाल किए जाने वाले फर्नीचर कभी भी दीवार से सटे नहीं होने चाहिए। ऐसा होने से कमरे में ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित होता है।

» बच्चों के कमरे में प्रयोग होने वाली लाइटिंग न तो बहुत अधिक तेज हो और न ही बहुत अधिक धीमी।

» बच्चों के बेडरूम में कभी भी इलेक्ट्रानिक गैजेट्स जैसे टेलीविजन या कंप्यूटर का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन वर्तमान समय में ऐसा करना संभव नहीं है इसलिए यदि आपको किसी कारणवश ऐसा करना पड़े तो टेलीविजन को दक्षिण-पूर्व कोने में रखना चाहिए। वहीं कंप्यूटर को उत्तर दिशा में रखा जा सकता है।

» बच्चों के कमरे के ईशान कोण को पढ़ाई के लिए इस्तेमाल करना अच्छा रहता है। लेकिन ध्यान रहे कि इस दिशा में कभी भी कोई भारी सामान न रखा जाए।

» कमरे की खिड़कियां हमेशा दरवाजे के सामने हों। खिड़कियों के लिए उत्तर या पूर्व दिशा बेहतर रहती है।

रेसिपी

पनीर मटर बिरयानी

सामग्री

80 ग्राम प्याज,1 टीस्पून हरी मिर्च, 1 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 टेबलस्पून पानी, 190 मि.ली टोमैटो प्यूरी, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, 1/8 टीस्पून चीनी, 1/2 टीस्पून मेंथी, 80 मि.ली पानी, 140 ग्राम पनीर, 80 ग्राम हरे मटर (उबले हुए), 1/2 टी स्पून नमक, 140 ग्राम प्याज, 1 टेबल स्पून पानी, 400 ग्राम पके हुए ब्राउन चावल, 1/2 टीस्पून नमक

विधि

एक कड़ाही में 80 ग्राम प्याज डालकर धीमी आंच पर 1-2 मिनट के लिए भूनें। इसमें हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट और 1 टेबल स्पून पानी डालकर अच्छे से हिलाएं। फिर इसमें टोमैटो प्यूरी, लाल मिर्च, गरम मसाला, चीनी और मेंथी डालकर 2-3 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें 80 मि.ली पानी डालकर अच्छे से मिलाएं और 2 मिनट के लिए पकाएं। फ्रि इसमें पनीर, उबले हुए हरे मटर और 1/2 टीस्पून नमक डालकर मिलाएं और आंच से हटा दें। अन्य पैन में 80 ग्राम प्याज डालकर धीमी आंच पर 1-2 मिनट के लिए भूनें। इसे तबतक भूनें जब तक प्याज का रंग हल्का ब्राउन न हो। इसमें 1 टेबल स्पून पानी डालें ताकि प्याज न जलें। इसके बाद इसमें पके हुए ब्राउन चावल और 1/2 टी स्पून नमक डालकर मिलाएं और आंच से हटा दें। एक गिलास बाउल लें और इसमें ब्राउन चावल डालकर अच्छे से फैलाएं। फिर इसके ऊपर तैयार किया पनीर का मिक्सर डालें और दोबारा इसपर ब्राउन चावल डाल दें। ओवन में इसे 400°F/200°C के तापमान पर 8-10 मिनट के लिए बेक करें। पनीर मटर बिरयानी तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

फ्रूट विथ योगर्ट

सामग्री

200 ग्राम दही, 40 मिली शहद, तरबूज, खरबूजा, सेब, पपीता, अंगूर, आलूबुखारा, केला, 5 ग्राम पुदीने की पत्तियां, 15 मिली मेपल सिरप, 30 ग्राम सील के बीज, 10 ग्राम अलसी के भूने हुए बीज, 30 ग्राम कॉर्न फ्लेक्स, 30 ग्राम कुरमुरे, 5 ग्राम तुलसी के पत्ते, 2 लाल मिर्च

विधि

ग्रेनोला बनाने के लिए शहद और मेपल सिरप को गर्म करें और उसमें सील, अलसी के बीज, कॉर्न, फ्लेक्स, कुरमुरा, कटी हुई तुलसी की पत्तियां और लाल मिर्च काट कर मिलाएं। अब इसे अच्छी तरह मिक्स करें और एक आयाताकार स्टील की प्लेट में डाल लें। ठंडा होने के बाद इसे चोरस पीस में काट कर रखें। एक कटोरे में दही को अच्छे से फैंट कर उसमें बचा हुआ शहद मिलाएं और 30 मिनट के लिए ठंडा होने के लिए रख दें। सभी फलों को एक समान आकार में काट कर अलग-अलग गिलास या कांच के सर्विंग बाउल में डालें और सभी गिलास में 1 चम्मच फैंटा हुआ दही मिलाएं। सर्व करने से पहले ऊपर से ग्रैनोला और पुदीने से गार्निश करें और ठंडा-ठंडा परोसें।

ई-संजीवनी, टेलीमेडिसिन, एंबुलेंस सेवाएं और टीबी उन्मूलन में हुई उल्लेखनीय उपलब्धि

लखनऊ, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2025 अपनी खट्टी-मिठी यादों के साथ हम सबसे विदा लेने को तैयार है। कहने को तो ये एक साल है, जो नियति के अनुसार हर साल आता है और फिर समय के पहिए की गिनती पूरी होने के बाद विदा ले लेता है, लेकिन वर्ष 2025 प्रदेशवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के मजबूत ढांचे के विस्तार देने में अपनी अहम भूमिका रखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2025 स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस वर्ष आधारभूत ढांचे के विस्तार से लेकर अत्याधुनिक इलाज सुविधाओं तक अनेक बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इन प्रयासों का सीधा लाभ प्रदेश की करोड़ों जनता को मिला है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनीं। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप वर्ष 2025 में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती प्रदान की गई है। इस क्रम में इमरजेंसी कोविड रिलीफ पैकेज (ईसीआरपी) के तहत प्रदेश में चिकित्सा ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती दी गई। वर्ष 2025 में कुल 83 नई स्वास्थ्य इकाइयों का लोकार्पण किया गया तथा एक बड़े अस्पताल का शिलान्यास हुआ। इनमें 26 आईपीएचएल लैब, 38 पचास बेड के फील्ड अस्पताल, 13 जनपदीय ड्रग वेयरहाउस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीसीबी यूनिट और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं।

इसके साथ ही सीतापुर में 200 बेड के जिला चिकित्सालय का शिलान्यास भी किया गया। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में 1800 और जिला अस्पतालों में

1029 आईसीयू बेड स्थापित किए गए। ऑक्सीजन आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम सहित 49 एलएमओ स्टोरेज टैंक स्थापित किए गए। इससे गंभीर मरीजों को समय पर जीवन रक्षक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एनएचएम की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि योगी सरकार ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके तहत 42 बेड वाले पीडियाट्रिक केयर यूनिट जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्थापित किए गए। वहीं 32 बेड वाले सभी 23 पीडियाट्रिक यूनिट पूरी तरह से संचालित हुए। इसके अलावा नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए प्रदेश में 412 न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट्स (एनबीएसयू) की स्थापना की गई। वर्ष 2024-25 में बाह्य रोगी सेवाओं में 27 प्रतिशत और अंतः रोगी सेवाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। संस्थागत प्रसव, सिजेरियन डिलीवरी, बड़े और छोटे ऑपरेशन, पैथोलॉजी जांच, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सेवाओं में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ।

प्रदेश के 74 जनपदों में सीटी स्कैन और सभी 75 जनपदों में डायलिसिस सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। जनवरी से नवंबर 2025 के बीच 9.42 लाख सीटी स्कैन और 6.50 लाख से अधिक डायलिसिस सत्र संचालित किए गए। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एसेंशियल ड्रग लिस्ट का विस्तार किया गया, जिससे प्राथमिक से लेकर जिला अस्पताल स्तर तक दवाओं की संख्या बढ़ाई गई।

साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा गया, जिनमें 248 कैंसर उपचार से संबंधित हैं। दिसंबर 2025 तक लगभग 3,862 करोड़ रुपये का भुगतान अस्पतालों को किया गया। एंबुलेंस सेवाओं को मजबूत करते हुए 2,249 नई एंबुलेंस बेड़े में जोड़ी गईं, जिससे लाखों मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया।

टीबी उन्मूलन अभियान में प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन किया। जांच की संख्या में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और 7,191 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 424 प्रतिशत अधिक है।ई-संजीवनी सेवाओं के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 75 हजार से अधिक कॉल के साथ उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर रहा। मानसिक स्वास्थ्य के लिए टेली-मानस सेवा सफलतापूर्वक लागू की गई, जिससे लाखों लोगों को परामर्श मिला। इसके साथ ही टेलीमेडिसिन और टेली-रेडियोलॉजी सेवाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

पुलिस मुठभेड़ में हत्या का आरोपी घायल, तमंचा और चाकू बरामद

गाजियाबाद, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना मुरादनगर क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले वांछित अभियुक्त को पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस और हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, थाना मुरादनगर पुलिस टीम मंगलवार को भोवापुर रोड क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति और

वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त गुलहसन उर्फ गुड्डा भोवापुर रोड की ओर आ रहा है और उसके पास अवैध हथियार हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल अतिरिक्त बल को मौके पर बुलाया और संभावित मार्गों पर घेराबंदी कर दी। जैसे ही पुलिस टीम ने संदिग्ध को रुकने का इशारा किया, अभियुक्त ने भागने का प्रयास किया। खुद को पुलिस से घिरा देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई। इसके बाद, पुलिस ने घायल अवस्था में अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में अपना नाम गुलहसन उर्फ गुड्डा पुत्र जमालुद्दीन, निवासी ग्राम सुल्तानपुर, थाना मुरादनगर बताया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने यह स्वीकार किया कि उसने 27 दिसंबर 2025 को पुरानी रंजिश के चलते वकील पुत्र लीलू, निवासी ग्राम सुल्तानपुर, की चाकू से हत्या की थी। आरोपी का कहना है कि मृतक उसकी महिला मित्र को लगातार परेशान करता था और इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था, जो बाद में हत्या का कारण बन गया।

पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिंदा कारतूस और हत्या में इस्तेमाल 1 चाकू बरामद किया है। मुठभेड़ में घायल अभियुक्त को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

इस पूरे मामले में सहायक पुलिस आयुक्त मसूरी (कार्यवाहक) अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस टीम ने सतर्कता और सूझबूझ से कार्रवाई करते हुए एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है और आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मथुरा में मुठभेड़ के बाद 25 हजार का इनामी गो-तस्कर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

मथुरा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मथुरा के थाना जैत पुलिस और गो-तस्करों के बीच सोमवार देर रात मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। थाना जैत पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक शातिर अपराधी धौरेरा के जंगलों के पास देखा गया है, जो गोवध अधिनियम के तहत वांछित चल रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घेराबंदी की और अभियुक्त को पकड़ने के लिए दबिश दी। अभियुक्त ने खुद को पुलिस से घिरा हुआ देख पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें अभियुक्त के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। घायल अभियुक्त को पुलिस ने अस्पताल भेजा, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। पकड़े गए अपराधी की पहचान थाना फिरोजपुर झिरका, जिला मेवात (हरियाणा) निवासी साहुन के रूप में हुई है। साहुन एक अंतरराज्यीय गो-तस्करी गिरोह का सक्रिय सदस्य था, जो उत्तर प्रदेश और हरियाणा के विभिन्न जिलों में अपराधों को अंजाम देता था।

पुलिस के अनुसार, साहुन पर मथुरा और हरियाणा के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

पुलिस ने अभियुक्त के पास से एक तमंचा, दो कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

सीओ सदर संदीप सिंह ने बताया कि घायल साहुन को पुलिस की देखरेख में वृंदावन स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने इस गिरफ्तारी के बाद मामले में और भी गहरी जांच की योजना बनाई है। साहुन और उसके गिरोह के अन्य सदस्य जल्द ही पुलिस के घेरे में होंगे।उन्होंने बताया कि साहुन एक अंतरराज्यीय गिरोह का सक्रिय सदस्य है। इससे पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी की जाएगी। इसके गिरोह में कई बड़े अपराधी भी शामिल हो सकते हैं।

छह मार्च को संशोधन के साथ प्रकाशित होगी मतदाता सूची

लखनऊ, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी और अद्यतन बनाने की दिशा में भारत निर्वाचन आयोग ने अहम कदम उठाते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की तिथियों में संशोधन कर दिया है। आयोग के इस निर्णय से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार कराने और आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी 2026 को होगा, जबकि अंतिम प्रकाशन छह मार्च 2026 को किया जाएगा। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी 2026 के आधार पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की समय-सारिणी में यह बदलाव किया गया है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना और सूची को पूरी तरह त्रुटिरहित बनाना है, ताकि आगामी चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की विसंगति

न रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, संशोधित कार्यक्रम के तहत 6 जनवरी 2026 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 6 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने और नाम, पता या अन्य विवरणों में सुधार के लिए आवेदन किए जा सकेंगे। इसके साथ ही 6 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय तथा प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का विधिवत निस्तारण किया जाएगा।

इस दौरान बूथ लेवल अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी सभी आवेदनों की जांच कर निष्पक्ष निर्णय सुनिश्चित करेंगे। समस्त प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उत्तर प्रदेश की अद्यतन और शुद्ध मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च 2026 को किया जाएगा।

निर्वाचन विभाग ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें और यदि किसी प्रकार की त्रुटि हो तो समय रहते दावा या आपत्ति दर्ज कराएं। निर्वाचन आयोग के इस संशोधित कार्यक्रम से मतदाता सूची की गुणवत्ता में सुधार होगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक मजबूत आधार मिलेगा।

योगी सरकार में अयोध्या एयरपोर्ट की शुरुआत, दो वर्ष में ही 7 लाख से अधिक यात्रियों का आंकड़ा

अयोध्या, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। भगवान राम की पावन नगरी आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के संचालन को दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। 30 दिसंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एयरपोर्ट का लोकार्पण किया था, जो राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से ठीक पहले हुआ। इन दो वर्षों में एयरपोर्ट ने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। अब तक कुल 7,85,412 यात्री यहां से आगमन और प्रस्थान कर चुके हैं। हाल ही में सीएसआई ने यात्री संतुष्टि की रैंकिंग जारी कर अयोध्या एयरपोर्ट को सुविधाओं के मामले में और बेमिसाल बना दिया है। यह एयरपोर्ट न केवल आधुनिकता का प्रतीक है, बल्कि डबल इंजन सरकार की दूरदर्शी नीतियों का जीवंत उदाहरण भी है। केंद्र में मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की साझेदारी ने अयोध्या को वैश्विक पटल पर स्थापित किया है, जहां पर्यटन, व्यापार और धार्मिक यात्राएं नई गति से बढ़ रही हैं। ये दो वर्ष अयोध्या के लिए परिवर्तन के वर्ष रहे हैं। जहां एक तरफ राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की, वहीं एयरपोर्ट ने आर्थिक और सामाजिक विकास को पंख दिए। डबल इंजन सरकार की यह साझेदारी न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत है। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन के दौरान कहा था, अयोध्या अब आधुनिक भारत का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में यह एयरपोर्ट और मजबूत होगा, और अयोध्या की कहानी विकास की नई इबारत लिखेगी।संचालन शुरू होने के बाद कुल 28 उड़ानें (आगमन और प्रस्थान मिलाकर) प्रारंभ की गईं। वर्तमान में 22 उड़ानों का संचालन हो रहा है, जो दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों से जुड़ती हैं। हालांकि, कुछ एयरलाइंसों ने प्रचालनात्मक कारणों से दरभंगा, कोलकाता, पटना और जयपुर की उड़ानों को अस्थायी रूप से बंद किया, लेकिन डबल इंजन सरकार की सक्रियता से जल्द ही इन रूट्स को पुनः शुरू करने की योजना है। एयरलाइन कंपनियां जैसे इंडिगो, स्पाइसजेट और एयर इंडिया ने यहां विमानों का बड़ा बेड़ा उतारा, जो अयोध्या की कनेक्टिविटी को मजबूत कर रहा है।

एयरपोर्ट पर सुविधाओं का विस्तार डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता रहा है। पार्किंग सुविधा, प्रीपेड टैक्सी काउंटर, उपहार की दुकानें, मिठाई की दुकानें, और फूड एंड बेवरेज आउटलेट्स शुरू किए गए। इसके अलावा, गोल्फ कार्ट, बिजनेस लाउंज, फूड कोर्ट, ओला और उबर कैब सर्विस, लाउंज, दुकानें और फ्री वाई-फाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।एयरपोर्ट का निर्माण पहले चरण में लगभग 1450 करोड़ रुपए की लागत से पूरा हुआ। इसमें टर्मिनल बिल्डिंग का क्षेत्रफल 6500 वर्ग मीटर रखा गया, जो सालाना 10 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है। एयरपोर्ट की डिजाइन रामायण की थीम पर आधारित है, जहां पारंपरिक भारतीय वास्तुकला देखने को मिलती है। दीवारों पर रामायण के दृश्य यात्रियों को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं। डबल इंजन सरकार की इस पहल ने अयोध्या को एक अंतर्राष्ट्रीय हब बनाने की दिशा में पहला कदम उठाया, जहां केंद्र सरकार ने फंडिंग और तकनीकी सहायता प्रदान की, जबकि राज्य सरकार ने जमीन अधिग्रहण और स्थानीय विकास को सुनिश्चित किया।निदेशक धीरेंद्र सिंह बताते हैं कि क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पर्यटन को बढ़ावा मिला है, व्यापार में तेजी आई है और धार्मिक यात्राएं आसान हो गई हैं।

धरातल पर दिखाई देता है डबल इंजन की सरकार का काम

लखनऊ, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। डबल इंजन की सरकार का काम धरातल पर दिखाई देता है।विपक्ष के कुछ साथी अच्छे काम की भी आलोचना करने की आदत है, इसके लिए हम क्या कर सकते हैं।लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन है और जनता को मोदी और योगी सरकार का कामकाज पसन्द है। जनता ने ही तो हमे सत्ता सौपी और उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया है।उन्हें आलोचना के बजाय अपनी खामियों का आंकलन करना चाहिए।यह बात खुर्जा क्षेत्र की तेज तर्रार भाजपा विधायक मीनाक्षी सिंह ने कही।उन्होंने कहा योगी सरकार के करीब आठ साल हो रहे हैं, उत्तर प्रदेश की जनता ने काम देखा और सरकार रिपीट हुई

।विकास कार्य इतना ज्यादा हुए हैं कि विपक्ष तिलमिला उठा है, कारण साफ है,उनके लिए सत्ता में वापसी का रास्ता ही बंद हो गया है।विपक्ष के लोगों को हमारी सरकार पर टिप्पणी से पहले अपनी सरकार के दिन और काम याद कर लेने चाहिए।मीनाक्षी सिंह ने कहा, बहन बेटियां घर से बाहर नही निकलती थी, क्योंकि बराबर डर सताता रहता था।आज कोई असुरक्षित नही,खुलेआम लड़कियां स्कूल जाती हैं, महिलाये नौकरी पर जाती हैं।कोई गुंडा मवाली उन्हें छेड़ नही सकता। अब तो गुंडे मवाली, माफिया असुरक्षित महसूस करने लगे हैं।असली विकास मूलभूत सुविधाये मुहैया होने को माना जाता है। रोटी कपड़ा और मकान बिना भेदभाव के हर वर्ग और जरूरतमंद को मिल रहे हैं।गरीबों को राशन मिल रहा है, कोई भूख से नही मरता।मीनाक्षी सिंह ने कहा,अकेले में विवेकाधीन कोष से करोड़ों रुपये लोगों को दिलवा चुकी हूं।बीजेपी की सबसे बड़ी सफलता यह है कि बीजेपी सरकार ने आम आदमी का विश्वास जीता है।एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमने सत्ता पक्ष में होने के बावजूद सदन में कई मामले उठाये।मैं क्षेत्र की जनता की खातिर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती हूं और उनके दुख सुख में शरीक रहने की कोशिश करती हूं।हमने अपने क्षेत्र की सड़क,ओवरब्रिज की बात उठाई।एसआईआर की खुलकर हिमायत करती है।

नोएडा में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू का कहर, कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

नोएडा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा में एक बार फिर तेज रफ्तार लग्जरी कार की लापरवाही ने एक व्यक्ति की जान ले ली। ताजा मामला थाना सेक्टर-20 क्षेत्र का है, जहां देर रात तेज गति से दौड़ रही बीएमडब्ल्यू कार ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। यह दर्दनाक हादसा निठारी गांव के पास हुआ, जिसने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और सड़क सुरक्षा को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा बीती रात करीब 11 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बीएमडब्ल्यू कार बेहद तेज रफ्तार में थी और अचानक सामने चल रही साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि साइकिल सवार सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-20 पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना बीएमडब्ल्यू कार और साइकिल के बीच हुई थी। गंभीर हालत में घायल साइकिल सवार को तुरंत जिला अस्पताल सेक्टर-39 नोएडा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 49 वर्षीय अशोक शर्मा, निवासी बरौला सेक्टर-49 नोएडा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अशोक शर्मा रोजमर्रा के काम से साइकिल से ही आवागमन करते थे। अचानक हुए इस हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है।

पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला पोस्टमार्टम हाउस सेक्टर-94 नोएडा भेज दिया है। पुलिस ने मौके से बीएमडब्ल्यू कार को कब्जे में ले लिया है और कार चालक को भी हिरासत में लिया है। चालक की पहचान 39 वर्षीय मंकुल महाजन, निवासी सेक्टर-44 नोएडा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि हादसे के समय कार की रफ्तार कितनी थी और चालक नशे में तो नहीं था। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष है।

लोगों का कहना है कि नोएडा की सड़कों पर तेज रफ्तार वाहन आम लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद सख्त कार्रवाई नहीं हो पा रही है। फिलहाल, पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

यूपी विधानसभा शीतकालीन सत्र: एक भी स्थगन नहीं, 24 घंटे 50 मिनट चली सदन की कार्यवाही

लखनऊ, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा का वर्ष 2025 का तृतीय (शीतकालीन) सत्र अनुशासन, सुचारु संचालन और विधायी उत्पादकता का उदाहरण बनकर सामने आया। 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक चले इस सत्र में चार उपवेशनों के दौरान सदन की कार्यवाही एक बार भी स्थगित नहीं हुई और सभी निर्धारित विधायी कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए गए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि शीतकालीन सत्र के दौरान स्थगन समय शून्य रहा, जबकि सदन की कार्यवाही कुल 24 घंटे 50 मिनट तक निर्बाध रूप से चली। उन्होंने कहा कि यह सत्र संसदीय परंपराओं और सदन की कार्यकुशलता का परिचायक रहा। अध्यक्ष ने बताया कि सत्र के दौरान कुल 2776 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें 95.46 प्रतिशत प्रश्न ऑनलाइन माध्यम से सदस्यों द्वारा भेजे गए। इनमें अल्पसूचित तारांकित प्रश्न 01, तारांकित प्रश्न 451 तथा अतारांकित प्रश्न 1842 रहे। उत्तरित प्रश्नों में तारांकित प्रश्न 51 और अतारांकित प्रश्न 530 शामिल रहे। सभी प्रश्नोत्तर शासन से ऑनलाइन प्राप्त कर सदस्यों एवं पब्लिक पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए। नियम-51 के अंतर्गत प्राप्त 388 सूचनाओं में से 233 ध्यानाकर्षण स्वीकार किए गए, जबकि 295 सूचनाएं अस्वीकृत रहीं। इनमें छह मामलों पर वक्तव्य तथा पांच पर केवल वक्तव्य दिए गए।

सत्र के दौरान कुल 408 याचिकाएं प्राप्त हुईं, जिनमें 372 ग्राह्य, चार अग्राह्य तथा 32 व्यपगत रहीं।सतीश महाना ने बताया कि नियम-311 के अंतर्गत कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। नियम-56 के तहत प्राप्त 40 सूचनाओं में 10 स्वीकार, एक ध्यानाकर्षण, और 29 अस्वीकृत रहीं। नियम-301 के अंतर्गत 293 सूचनाओं में से 171 स्वीकृत और 122 अस्वीकृत की गईं। नियम-300 के तहत 14 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें दो अग्राह्य और 12 अस्वीकृत रहीं। वहीं नियम-103 के तहत प्राप्त सभी छह प्रस्ताव ग्राह्य पाए गए।बता दें कि शीतकालीन सत्र के दौरान प्रदेश हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए, जिनमें उत्तर प्रदेश पेंशन की हकदारी तथा विधि मान्यकरण विधेयक, 2025, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम संशोधन) विधेयक, उत्तर प्रदेश नगर निगम (संशोधन) विधेयक, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (संशोधन) विधेयक, उत्तर प्रदेश ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक, उत्तर प्रदेश गन्ना उपकर निरसन विधेयक, केजीएमयू (संशोधन) विधेयक तथा उत्तर प्रदेश विनियोग (2025-26) का अनुपूरक विधेयक प्रमुख रूप से शामिल हैं।

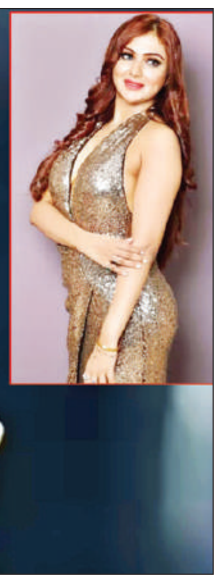

सूर्यकुमार यादव को लेकर खुशी मुखर्जी का चौंकाने वाला दावा, सोशल मीडिया पर फिर छिड़ी बहस

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को लेकर एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी के हालिया बयान ने सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट जगत में हलचल मचा दी है। अपनी बोल्ड ड्रेसिंग स्टाइल और बेबाक बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में रहने वाली खुशी मुखर्जी ने दावा किया है कि सूर्यकुमार यादव उन्हें पहले काफी मैसेज किया करते थे, हालांकि अब दोनों के बीच कोई बातचीत नहीं होती। खुशी का कहना है कि उनका नाम अक्सर क्रिकेटर्स और अन्य मशहूर हस्तियों के साथ जोड़ा जाता रहा है, लेकिन वह इस तरह के किसी भी लिंकअप को पसंद नहीं करतीं।

अपने एक इंटरव्यू के दौरान खुशी मुखर्जी ने कहा कि कई क्रिकेटर्स उनके पीछे थे और उन्हें लगातार मैसेज भेजते थे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सूर्यकुमार यादव भी उनमें से एक थे, जो पहले उनसे संपर्क में रहते थे। हालांकि, अब यह बातचीत पूरी तरह बंद हो चुकी है। खुशी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी भी तरह के रिश्ते या अफवाहों से दूरी बनाकर रखना चाहती हैं और जानबूझकर अपने नाम को किसी के साथ नहीं जोड़ना चाहतीं। उनके मुताबिक, लोग अक्सर बिना सच्चाई जाने उनके बारे में कहानियां गढ़ लेते हैं, जबकि असल में ऐसा कुछ भी नहीं होता। इससे पहले भी खुशी मुखर्जी अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया था कि उनके कुछ करीबी दोस्तों ने उन्हें नशा देकर उनके ही घर से कीमती सामान चुरा लिया। खुशी के मुताबिक, चोरी किए गए गहनों की कीमत करीब 25 लाख रुपये है। उन्होंने इस घटना को अपनी जिंदगी का बेहद दर्दनाक अनुभव बताया और कहा कि जब दोस्त ही दुश्मन बन जाएं तो हालात को संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वह स्वभाव से काफी उदार हैं, लेकिन इस घटना ने उन्हें अंदर तक झकझोर कर रख दिया। खुशी मुखर्जी का कहना है कि जब रिश्तों में प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या हावी हो जाती है, तो भरोसा टूटने लगता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह ऐसे दौर से गुजर रही हैं, जहां कई बार लगता है कि सब कुछ छोड़ देना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

मेलबर्न के बाद सिडनी में भी छाप छोड़ने को तैयार जैकब बेथेल, नंबर-3 स्थान पक्का करने पर नजर

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज अब समाप्ती की ओर पहुंच चुकी है। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में चार मुकाबले खेले जा चुके हैं, जहां आस्ट्रेलिया 3-1 की विजयी बढ़त के साथ आगे है। शुरुआती तीन टेस्ट अपने नाम करने के बाद मेजबान टीम का दबदबा दिखा, लेकिन मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने महज दो दिनों में जीत दर्ज कर जोरदार वापसी की और मुकाबले में रोमांच भर दिया। अब सारी निगाहें 4 जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। इस मैच को लेकर इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। मेलबर्न में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले बेथेल अब सिडनी में भी आस्ट्रेलिया के खिलाफ दमदार पारी खेलकर टेस्ट टीम में नंबर तीन की जगह पक्की करना चाहते हैं। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए बाक्सिंग डे टेस्ट में इंग्लैंड की चार विकेट की ऐतिहासिक जीत में बेथेल की अहम भूमिका रही थी। मैच की आखिरी पारी में उन्होंने दबाव भरे माहौल में संयम और परिपक्वता दिखाते हुए कीमती 40 रन बनाए और टीम को जीत दिलाने में मदद की। यह एशेज सीरीज में बेथेल का पहला मौका था, क्योंकि शुरुआती तीन टेस्ट के लिए मुख्य खिलाड़ी ओली पोप को प्राथमिकता दी गई थी, जिनमें इंग्लैंड अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। इसके बाद चौथे टेस्ट में बेथेल को मौका मिला और उन्होंने इस अवसर को दोनों हाथों से भुनाया। अब 4 जनवरी से सिडनी में शुरू हो रहे सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में भी उनके खेलने की प्रबल संभावना है। आईसीसी के अनुसार बेथेल ने नंबर-3 स्थान को लेकर कहा, मुझे नंबर तीन पर बल्लेबाजी करना पसंद है। जब गेंद नई होती है तो कुछ हालात में मूवमेंट मिलता है, लेकिन कई बार रन बनाने के भी अच्छे मौके होते हैं, क्योंकि गेंदबाज विकेट लेने की कोशिश करते हैं और फील्ड आक्रामक होती है, जिससे गैप मिलते हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस स्थान को पूरी तरह अपना बनाने के लिए अभी उन्हें और मेहनत करनी होगी। युवा खिलाड़ी ने कहा, इस स्थान को अपना कहने के लिए मुझे अभी बहुत कुछ करना है।

गौतम गंभीर को लेकर चल रही अटकलों पर बीसीसीआई का साफ इनकार

नई दिल्ली। घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई थीं। एक मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड गंभीर की जगह पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण को टेस्ट टीम की कोचिंग सौंपने पर विचार कर रहा है। इन अटकलों के बीच अब बीसीसीआई की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है, जिसमें इन सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। दरअसल, गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। यह लगातार दूसरा साल है जब भारतीय टीम को घर पर टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ झेलना पड़ा है। इससे पहले पिछले साल न्यूजीलैंड ने भी भारत को 0-3 से टेस्ट सीरीज में हराकर सभी को चौंका दिया था। इन नतीजों के बाद ही कोचिंग सेटअप में बदलाव की अटकलें तेज हो गई थीं और वीवीएस लक्ष्मण के नाम को गंभीर के संभावित विकल्प के तौर पर उछाला जाने लगा। हालांकि, इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने साफ शब्दों में कहा कि गौतम गंभीर को हटाने या उनकी जगह किसी नए कोच की नियुक्ति को लेकर बोर्ड की ओर से कोई योजना नहीं है।

न्यूजीलैंड सीरीज से पहले केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर पर मंथन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड जल्द ही टीम इंडिया का ऐलान करने वाला है। टीम चयन को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है और कई खिलाड़ियों के अंदर-बाहर होने को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। इन्हीं अटकलों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि केएल राहुल के बाद टीम में बैकअप विकेटकीपर के तौर पर किसे मौका मिलेगा। चयनकर्ताओं के सामने यह चुनौती इसलिए भी खास है क्योंकि इस एक स्थान के लिए तीन मजबूत दावेदार मौजूद हैं। केएल राहुल के बाद विकेटकीपर की सिर्फ एक ही जगह खाली है, लेकिन इस रेस में ईशान किशन, ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल तीनों शामिल हैं। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए यह एक तरह की सुखद दुविधा बन गई है। हालिया प्रदर्शन को देखा जाए तो तीनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में अपने-अपने तरीके से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है, जिससे फैसला लेना आसान नहीं रह गया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज में ऋषभ पंत को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर टीम में रखा गया था, जबकि ध्रुव जुरेल को सिर्फ बल्लेबाज के रूप में चुना गया।

भारतीय पुरुष हाकी टीम के लिए वर्ष 2025 रहा शानदार, एशिया में नंबर-1 का ताज बरकरार

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष हाकी टीम के लिए साल 2025 अच्छा रहा। बिहार के राजगीर में खेले गए हीरो एशिया कप 2025 में शानदार जीत दर्ज कर भारतीय टीम ने न सिर्फ आठ साल बाद खिताब अपने नाम किया, बल्कि एशिया की नंबर-1 टीम का दर्जा भी बरकरार रखा। इस जीत के साथ टीम ने एफआईएच पुरुष हाकी विश्व कप 2026 के लिए सीधा क्वालिफिकेशन भी सुनिश्चित किया।

कोच क्रेग फुल्टन के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने एशिया कप में कोरिया, चीन और मलेशिया जैसी मजबूत टीमों को करारी शिकस्त देकर अपने दबदबे का प्रदर्शन किया। यह खिताबी जीत साल 2025 की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही।

प्रो लीग और एचआईएल से मिला फायदासाल की शुरुआत भारत के लिए सकारात्मक रही। एफआईएच प्रो लीग के घरेलु चरण में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। इसके ठीक पहले हीरो हाकी इंडिया लीग (एचआईएल) में कुछ ऐसे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया जो सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

भुवनेश्वर में शुरू हुए प्रो लीग चरण में कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारत ने स्पेन, जर्मनी, आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने आठ में से पांच मुकाबले जीते, जिसका श्रेय लंबे और प्रतिस्पर्धी एचआईएल सीजन को भी दिया गया।

यूरोप में संघर्ष हालांकि, जून में प्रो लीग के यूरोपीय चरण के दौरान भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम को आस्ट्रेलिया, नीदरलैंड्स और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और केवल बेल्जियम के खिलाफ एक जीत मिल सकी।

टीम ने कटाया विश्व कप का टिकटइस वर्ष भारतीय हाकी टीम की सबसे बड़ी उपलब्धि एशिया कप में जीत रही, जहां आठ साल बाद खिताब जीतकर उसने अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच विश्व कप के लिए टिकट कटाया। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखाया। फाइनल में भारतीय टीम ने गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर ट्राफी अपने नाम की। खिताबी मुकाबले में दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने गोल किए।

सुल्तान अजलन शाह कप 2025इस टीम के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि सुल्तान अजलन शाह कप 2025 में उनका प्रदर्शन था, जहां भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया। इस टूर्नामेंट में हरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह जैसे अधिकांश स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया था, इसके बावजूद टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया। हालांकि वे बेल्जियम से 0-1 के मामूली अंतर से खिताब हार गए, लेकिन कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड और कनाडा को उन्होंने शानदार तरीके से हराया। कप्तान हरमनप्रीत का बयानहाकी इंडिया की ओर से जारी बयान में टीम कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि एशिया कप जीतना भारतीय टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन मुझे लगता है कि अजलन शाह कप का प्रदर्शन इस साल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रहा। टीम के कई मुख्य खिलाड़ियों को आराम दिया गया था, इसके बावजूद टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। इससे हमें 2026 के व्यस्त वर्ष के लिए मजबूती मिली है, जहां एशियाई खेल और विश्व कप एक-दूसरे के करीब हैं। हमारे पास अब टीम संयोजन के लिए कई विकल्प हैं। 2026 की ओर मजबूती से कदमकुल मिलाकर, 2025 भारतीय पुरुष हाकी टीम के लिए आत्मविश्वास, गहराई और निरंतरता का साल रहा। एशिया में नंबर-1 की स्थिति, विश्व कप के लिए सीधा क्वालिफिकेशन और युवा खिलाड़ियों का उभार— ये सभी संकेत देते हैं कि भारतीय हाकी आने वाले बड़े टूर्नामेंटों के लिए पूरी तरह तैयार है।

विजय हजारे ट्राफी में जीशान अंसारी की फिरकी का जलवा

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2026 के लिए भेजा मजबूत संदेश

सनराइजर्स हैदराबाद के युवा लेग स्पिनर जीशान अंसारी भले ही आईपीएल 2025 में अपनी छाप छोड़ने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हों, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अब नई कहानी लिखता नजर आ रहा है। विजय हजारे ट्राफी में 26 वर्षीय जीशान अपनी घातक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को लगातार परेशान कर रहे हैं। उनकी शानदार लय इस बात का साफ संकेत है कि वह आईपीएल 2026 के लिए अभी से पूरी तरह तैयार हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने भी उनकी काबिलियत पर भरोसा जताते हुए उन्हें अगले सीजन के लिए रिटेन किया है।

विजय हजारे ट्राफी में रिंकू सिंह की कप्तानी वाली उत्तर प्रदेश टीम के लिए खेलते हुए जीशान अंसारी ने शुरुआती तीन मैचों में ही 11 विकेट झटककर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ 31 रन देकर चार विकेट लिए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद चंडीगढ़ के खिलाफ भी उन्होंने चार विकेट चटकाकर अपनी निरंतरता साबित की। तीसरे मैच में बड़ौदा के खिलाफ जीशान ने तीन विकेट हासिल किए। खास बात यह रही कि इन तीनों ही मुकाबलों में उत्तर प्रदेश की टीम को जीत मिली और हर जीत में जीशान का योगदान निर्णायक रहा। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया है कि जीशान अंसारी आईपीएल 2026 को लेकर पूरी गंभीरता से तैयारी कर रहे हैं। आईपीएल 2025 के मेगा आक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 40 लाख रुपये में खरीदा था। हालांकि, उस सीजन में उनका प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। उन्होंने 10 मैचों में सिर्फ छह विकेट लिए, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 42 रन देकर तीन विकेट रहा। इसके अलावा वह कई मौकों पर महंगे भी साबित हुए। बावजूद इसके फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा बनाए रखा और उन्हें अगले सीजन के लिए रिटेन किया, जो अब सही फैसला साबित होता दिख रहा है। जीशान के लिए पिछला घरेलू सीजन मानसिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण रहा था। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें रणजी ट्राफी और सैयद मुश्ताक अली ट्राफी की उत्तर प्रदेश टीम में जगह नहीं मिली और दोनों टूर्नामेंटों में वह सिर्फ नेट बालर बनकर रह गए। यूपी टी20 लीग में दो लगातार सीजन शानदार प्रदर्शन के बाद भी उन्हें नजरअंदाज किया गया था।

ओस्विन अपोलिस ने दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से जीत दिलाई

मोरक्को में जिम्बाब्वे के खिलाफ अंतिम 10 मिनट में पेनल्टी गोल करके ओस्विन अपोलिस ने दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से जीत दिलाई और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में ग्रुप बी में दूसरा स्थान पक्का किया, जिससे उनके दक्षिणी अफ्रीकी प्रतिद्वंद्वी टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

शादी के छह साल बाद इमाद वसीम ने लिया तलाक

सोशल मीडिया पर साझा की निजी जानकारी

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व आलराउंडर इमाद वसीम ने अपनी शादी के छह साल बाद तलाक लेने का ऐलान कर दिया है। इमाद वसीम ने अगस्त 2019 में सानिया अशफाक से शादी की थी और इस रिश्ते से उनके दो बच्चे भी हैं। तलाक की जानकारी खुद इमाद ने सोशल मीडिया के जरिए दी, जिसके बाद यह खबर तेजी से चर्चा में आ गई। खास बात यह है कि इसी साल इमाद वसीम को लेकर अफेयर की खबरें भी सामने आई थीं, जिससे उनके वैवाहिक जीवन को लेकर पहले से ही अटकलें लगाई जा रही थीं। इमाद वसीम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी साझा करते हुए तलाक की पुष्टि की। उन्होंने लिखा कि काफी सोच-विचार के बाद और पिछले कुछ वर्षों से लगातार चल रहे विवादों के कारण, जिन्हें आपसी प्रयासों के बावजूद सुलझाया नहीं जा सका, उन्होंने तलाक के लिए अर्जी दी है। इमाद ने यह भी साफ किया कि यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन हालात को देखते हुए यही सही कदम लगा। अपने संदेश में उन्होंने लोगों से उनकी निजता का सम्मान करने की अपील की।

इमाद वसीम ने आगे लिखा कि वह सभी से अनुरोध करते हैं कि उनकी और सानिया अशफाक की पुरानी तस्वीरों को इस्तेमाल या शेयर न किया जाए और आगे से सानिया को उनकी पत्नी के रूप में संबोधित न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी तरह की भ्रामक बातों या अफवाहों पर भरोसा न किया जाए। इमाद ने स्पष्ट किया कि इस निजी मामले में किसी को बदनाम करने या अनावश्यक रूप से घसीटने की कोशिश की गई तो जरूरत पड़ने पर वह कानूनी रास्ता अपनाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। बच्चों को लेकर उन्होंने कहा कि वह हमेशा उनके पिता रहेंगे और पूरी जिम्मेदारी के साथ उनकी परवरिश और देखभाल करते रहेंगे। इमाद वसीम की पूर्व पत्नी सानिया अशफाक ब्रिटिश मूल की पाकिस्तानी हैं। दोनों की पहली मुलाकात लंदन में हुई थी और कुछ समय तक डेटिंग के बाद उन्होंने इस्लामाबाद में सादगी के साथ निकाह किया था। इसी साल जुलाई में पहली बार दोनों के रिश्ते में खटास की खबरें सामने आई थीं। उस दौरान इमाद वसीम का नाम सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर नायला राजा के साथ जोड़ा गया था, जिससे अफेयर की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अफेयर की खबरों के बीच सानिया अशफाक ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की थी, जिसने रिश्तों में आई दरार की अटकलों को और मजबूत कर दिया।

टी-20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय अस्थायी टीम घोषित, जोश टंग को मिला मौका

लंदन,30 दिसंबर (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आगामी टी-20 विश्व कप 2026 के लिए मंगलवार को अपनी 15 सदस्यीय अस्थायी टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज जोश टंग को पहली बार टी-20 टीम में शामिल किया गया है। टंग इंग्लैंड के लिए आठ टेस्ट मैच खेल चुके हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक अपने देश के लिए कोई टी-20 अंतरराष्ट्रीय या वनडे मैच नहीं खेला है। टी-20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा के साथ-साथ ईसीबी ने जनवरी-फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ सफेद गेंद क्रिकेट दौरे के लिए भी टीम का ऐलान किया है। टी-20 विश्व कप और श्रीलंका दौरे के लिए वनडे और टी-20 टीमों का कप्तान हैरी ब्रूक को बनाया गया है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भी टी-20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वह श्रीलंका दौरे की टीम से बाहर हैं। वह फिलहाल चोट से उबर रहे हैं।

ईसीबी ने अपने बयान में कहा, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को टी-20 विश्व कप की अस्थायी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वह श्रीलंका दौरे पर नहीं जा पाएंगे, क्योंकि वे इस महीने की शुरुआत में एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट के दौरान लगी चोट से उबरने के लिए इंग्लैंड की मेडिकल टीम के साथ रिहैबिलिटेशन जारी रखे हुए हैं। इसके अलावा आलराउंडर विल जैक्स अक्टूबर में न्यूजीलैंड के सफेद गेंद दौरे से बाहर रहने के बाद वनडे और टी-20 दोनों टीमों में वापसी कर रहे हैं, जबकि शीर्षक्रम के बल्लेबाज जैक क्राली की भी दिसंबर 2023 के बाद पहली बार वनडे में वापसी हुई है।

इंग्लैंड की टीम 22 जनवरी से शुरू होने वाले अपने श्रीलंका दौरे पर तीन वनडे और फिर तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। टी-20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही, जिसका फाइनल 8 मार्च को खेला जाएगा। इंग्लैंड टीम 8 फरवरी को नेपाल के खिलाफ अपने टी-20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी।

इंग्लैंड टीम हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टाम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम करन, लियाम डासन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंका टीमहैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टाम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, सैम करन, लियाम डासन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे टीमहैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टाम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, ज़ैक क्राली, सैम करन, लियाम डासन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, जो रूट, ल्यूक वुड।

श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले

वनडे : 22 जनवरी - आर प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो24 जनवरी - आर प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो27 जनवरी - आर प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो

टी-20 : 30 जनवरी - पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, कैंडीएक फरवरी - पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, कैंडीतीन फरवरी - पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, कैंडी।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

बिहारी लाल इंजीनियरिंग व शिवालया कंस्ट्रक्शन को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां)।

बिहारी लाल इंजीनियरिंग और शिवालय कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। इन दोनों कंपनियों ने अगस्त से सितंबर के बीच अपने शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए थे।

पंजाब की कंपनी बिहारी लाल इंजीनियरिंग को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए फाइनल मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 26 सितंबर, 2025 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे। बिहारी लाल इंजीनियरिंग के आईपीओ में 110 करोड़ रुपये के नए निर्गम और प्रवर्तकों तथा निवेशक शेयरधारक एसजी टेक इंजीनियरिंग द्वारा 78.54 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश है। बेचने वाले शेयरहोल्डर्स में प्रमोटर, राजेश गर्ग और लवलेश गर्ग, प्रमोटर ग्रुप के सदस्य, योगिता गर्ग और दिनेश कुमार गर्ग (एचयूएफ), और निवेशक शेयरधारक एसजी टेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

नई दिल्ली की कंपनी शिवालय कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के फाइनल मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 5 सितंबर, 2025 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ पेपर्स दाखिल किए थे।

शिवालय कंस्ट्रक्शन के आईपीओ में 450 करोड़ रुपये के नए शेयर निर्गम और 2.48 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। इसके प्रमोटर्स, श्रीपाल अग्रवाल, प्रदीप नंदल, सुमित्रा नंदल, एस पी अग्रवाल एंड संस (एचयूएफ) और प्रदीप नंदल द्वारा 2,48,61,900 शेयरों तक का ऑफर-फॉर-सेल शामिल है। कंपनी 340 करोड़ रुपये के फ्रेश इश्यू से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कुछ कर्जों के पूरे या आंशिक प्री-पेमेंट या रीपेमेंट और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

न्यूज ब्रीफ

आईआईटी कानपुर के 2000 बैच ने दिया 100 करोड़ का अभूतपूर्व दान

कानपुर। आईआईटी कानपुर के वर्ष 2000 बैच के पूर्व छात्रों ने सिल्वर जुबली पुनर्मिलन समारोह में संस्थान को 100 करोड़ रुपये की महा गुरुदक्षिणा देने की घोषणा की। यह पहली बार है कि किसी एक बैच ने एक ही वर्ष में इतना बड़ा योगदान दिया है। यह राशि मिलेनियम स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी की स्थापना के लिए उपयोग की जाएगी। संस्थान के निदेशक ने इसे पूर्व छात्रों और संस्थान के अटूट संबंध का प्रमाण बताया। उनका कहना है कि यह सहयोग शैक्षणिक और शोध परिदृश्य को मजबूत करेगा और तकनीकी विकास के नए रास्ते खोलेगा। पिछले वर्ष आईआईटी कानपुर को कुल 265.24 करोड़ रुपये मिले, जबकि मेडिकल साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी स्कूल को लगभग 500 करोड़ रुपये का दान मिला। अन्य संस्थानों में भी योगदान बढ़ रहा है आईआईटी बीएचयू को 5 वर्षों में 100 करोड़ रुपये, और एमएनएनआईटी प्रयागराज में स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर निर्माण के लिए दान। पूर्व छात्रों द्वारा सहयोग की यह लहर सिर्फ कानपुर तक सीमित नहीं है। इसी साल 21 दिसंबर को आईआईटी कानपुर के 1986 बैच ने मानसिक स्वास्थ्य और सामुदायिक सुविधाओं के लिए 11 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा आईआईटी बीएचयू को पिछले पांच वर्षों में 100 करोड़ रुपये से अधिक का दान मिला है, जिससे लाइब्रेरी और शोध केंद्र जैसे प्रोजेक्ट्स बन रहे हैं। वहीं एमएनएनआईटी प्रयागराज में 1998 बैच के सहयोग से अत्याधुनिक स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर का निर्माण हो रहा है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ट्रेड डील से मिलेगी राहत, 1 जनवरी से टैरिफ खत्म

मुंबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) के तहत 1 जनवरी 2026 से ऑस्ट्रेलिया अपनी सभी टैरिफ लाइनों पर ड्यूटी पूरी तरह खत्म करेगा। इसका मतलब है कि भारतीय उत्पाद ऑस्ट्रेलिया में बिना किसी कस्टम ड्यूटी के बेचे जा सकेंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इससे भारत के श्रम-आधारित सेक्टर के लिए नए अवसर खुलेंगे और निर्यात को नई गति मिलेगी। मंत्री के अनुसार मैन्युफैक्चरिंग, केमिकल्स, टेक्सटाइल्स, प्लास्टिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोलियम उत्पाद और जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे सेक्टर्स इससे खास फायदा उठाएंगे। अप्रैल-नवंबर 2025 में जेम्स और ज्वेलरी के निर्यात में 16 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात 8 फीसदी बढ़ा, जिससे व्यापार संतुलन में सुधार हुआ। मंत्री गोयल ने कहा कि बीते तीन वर्षों में ईसीटीए से निर्यात में लगातार बढ़ोतरी हुई और सप्लाई चेन मजबूत हुई, जिससे एमएसएमई, किसान और श्रमिक सीधे लाभान्वित हुए।

मुनाफावसूली के बाद सोने-चांदी में तेज सुधार

सोने के भाव करीब 1,36,000, जबकि चांदी के भाव 2,33,500 प्रति किलो

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुनाफावसूली के कारण सोमवार को तेज गिरावट के बाद मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में सुधार देखने को मिला। घरेलू वायदा बाजार में दोनों कीमती धातुओं की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव करीब 1,36,000 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,33,500 रुपये प्रति किलो के आसपास कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 1,058 रुपये की तेजी के साथ 1,36,000 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,34,942 रुपये था।

कारोबार के दौरान यह कॉन्ट्रैक्ट 1,36,046 रुपये के उच्च और 1,35,702 रुपये के निचले स्तर तक गया। इस समय सोना 1,35,988 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस साल अब तक सोने ने 1,40,465 रुपये का सर्वोच्च स्तर छुआ है। चांदी के वायदा भावों में भी तेजी देखने को मिल रही है। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 6,671 रुपये की तेजी के साथ 2,31,100 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,24,429 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी ने 2,36,907 रुपये का उच्च और 2,31,100 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस समय यह 2,33,494 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। इस साल चांदी का उच्चतम स्तर 2,54,174 रुपये प्रति किलो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भावों में सुधार देखा गया। कॉमेक्स पर सोना 4,350.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय हल्की नरमी के साथ 4,369.30 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 4,584 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 71.68 डॉलर पर खुले और बाद में 72.92 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गए। इस साल चांदी ने 82.67 डॉलर प्रति औंस का रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाया है।

ओप्पो रेनो 15 प्रो मिनी भारत में पेश, 200एमपी कैमरा और 6200एमएएच बैटरी के साथ

नई दिल्ली। ओप्पो अपने रैनो 15 सीरीज के तहत रेनो 15 प्रो मिनी को भारत में लॉन्च करने जा रहा है। एक लीक रिपोर्ट्स के अनुसार यह स्मार्टफोन मिनी फॉर्म फैक्टर में पेश होगा, लेकिन इसमें प्रो-लेवल फीचर्स शामिल होंगे। फोन में 200एमपी का प्राइमरी कैमरा, मीडियाटेक डिमेनसिटी 8450 चिपसेट और 6200एमएएच की बड़ी बैटरी दी जा सकती है। डिस्प्ले की बात करें तो इसमें 6.32-इंच 120एचजेड एमोएईडी स्क्रीन होगी, जो स्मूद विजुअल अनुभव और तेज रिफ्रेश रेट देगा। फोन की आउटडोर विज़िबिलिटी 1400 निट्स की पीक ब्राइटनेस के कारण बेहतर रहेगी और आईपी66/68/69 रेटिंग इसे पानी, धूल और छींटों से सुरक्षित रखेगी। भारत में रेनो 15 प्रो मिनी के 12जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज वाले वेरिएंट की अनुमानित बॉक्स कीमत 64,999 रुपये बताई जा रही है, जबकि सेलिंग प्राइस ऑफर्स और बैंक डिस्काउंट के साथ 59,999 रुपये तक रह सकती है। फोन में 4एनएम मीडियाटेक डिमेनसिटी 8450 प्रोसेसर लगेगा, जो बेहतर सीपीयू और जीपीयू परफॉर्मेंस प्रदान करेगा। डिस्प्ले को गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन के साथ पेश किया जा सकता है, जिससे यह स्क्रैच और गिरावट से सुरक्षित रहेगा। रेनो 15 प्रो मिनी का कैमरा सिस्टम इसकी सबसे बड़ी विशेषता माना जा रहा है। 200एमपी के प्राइमरी सेंसर के साथ 50एमपी अल्ट्रा-वाइड और 50एमपी टेलीफोन लेंस मिल सकते हैं। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 50एमपी फ्रंट कैमरा भी दिया जाएगा। 6200एमएएच की बैटरी पूरे दिन का बैकअप देगी और 80डब्ल्यू वायर्ड फास्ट चार्जिंग के साथ चार्जिंग अनुभव तेज होगा। फोन 5जी, ब्लूटूथ 5.4, वाई-फाई, जीपीएस और एनएफसी सपोर्ट के साथ आएगा। सॉफ्टवेयर के रूप में यह एन्ड्रयड 16 आधारित क्लर ओएस पर चलेगा, जो यूज़र इंटरफेस को आसान और पावर-एफिशिएंट बनाएगा। रेनो 15 प्रो मिनी फोटोग्राफी लवर्स और हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन चाहने वाले यूजर्स के लिए एक दमदार विकल्प साबित हो सकता है।

भारत का बैंकिंग क्षेत्र मजबूत लेकिन गैर-बैंक प्रतिस्पर्धा बढ़ने की चुनौती: आरबीआई

वित्त वर्ष 2024-25 में वाणिज्यिक बैंकों की लाभप्रदता मजबूत रही

मुंबई,30 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की प्रवृत्ति और प्रगति रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार भारत का बैंकिंग क्षेत्र मजबूत स्थिति में है। फंसा हुआ कर्ज 10 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है और बैंकों की पूंजी भी पर्याप्त बनी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में वाणिज्यिक बैंकों की लाभप्रदता मजबूत रही, जिसमें परिसंपत्ति पर रिटर्न 1.4 फीसदी और इक्विटी पर रिटर्न 13.5 फीसदी रहा।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में परिसंपत्ति पर रिटर्न 1.3 फीसदी और इक्विटी पर रिटर्न 12.5 फीसदी रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों को अब गैर-बैंक स्रोतों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। ऋण वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक होने की वजह से ऋण-जमा अनुपात 80 फीसदी से ऊपर पहुंच गया है। साथ ही, तेजी से बदलती तकनीक और डिजिटलीकरण ग्राहकों के बैंकिंग व्यवहार को बदल रहे हैं। आरबीआई ने बैंकों से साइबर खतरों सहित नए जोखिमों का आकलन मजबूत करने और भरोसेमंद तकनीक अपनाकर परिचालन कुशलता बढ़ाने का आग्रह किया है। रिपोर्ट में वित्तीय समावेशन, उपभोक्ता शिक्षा और सुरक्षा पर निरंतर जोर देने की आवश्यकता भी बताई गई है। शिक्षा ऋण और होम लोन की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, क्रेडिट कार्ड और वाहन ऋण की परिसंपत्ति गुणवत्ता कमजोर रही। बिना रेहन वाले ऋण में विदेशी बैंकों का हिस्सा सबसे अधिक बना रहा। एनबीएफसी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की पे-डे सेल, ट्रेन के खर्चे में करें हवाई सफर

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 2026 के लिए अपनी बहुप्रतीक्षित 'पे-डे सेल' शुरू कर दी है। यह सेल केवल 1 जनवरी 2026 तक चलेगी। घरेलू उड़ानों की बुकिंग 12 जनवरी से 10 अक्टूबर 2026 तक की यात्रा के लिए की जा सकती है, जबकि अंतरराष्ट्रीय टिकट 12 जनवरी से 31 अक्टूबर 2026 तक के लिए उपलब्ध हैं। इससे यात्री अपनी गर्मियों या छुट्टियों की यात्रा की योजना पहले से बना सकते हैं। घरेलू उड़ानों के लिए शुरुआती किराया केवल 1,950 रुपए रखा गया है। प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोच्चि के लिए रियायती टिकट उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर टिकट की शुरुआती कीमत 5,355 रुपए है, जिसमें मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के लोकप्रिय गंतव्य जैसे दुबई, मस्कट और सिंगापुर शामिल हैं। लाइट ट्रैवलर्स के लिए बिना चेक-इन बैग वाले टिकट का किराया घरेलू रूट पर 1,850 रुपए और अंतरराष्ट्रीय रूट पर 5,355 रुपए से शुरू हो रहा है। जरूरत पड़ने पर 15 किलो घरेलू बैग 1,500 रुपए और 20 किलो अंतरराष्ट्रीय बैग 2,500 रुपए में जोड़ा जा सकता है। मोबाइल ऐप से बुकिंग करने पर जीरो कंवीनियंस फीस का लाभ मिलता है, जिससे टिकट पर 300-500 रुपये तक की बचत होती है। लॉयल्टी मेंबर्स के लिए बिज़नेस क्लास में 25 फीसदी तक की छूट भी दी जा रही है।

व्हीआई का न्यू ईयर गिफ्ट: आधे साल की रिचार्ज चिंता खत्म

180 दिन की वैधता के साथ दो सस्ते प्लान

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसियां)।

वोडाफोन आईडिया (व्हीआई) ने नए साल की शुरुआत अपने ग्राहकों के लिए बड़ी सौगात के साथ की है। कंपनी ने अपने दो लोकप्रिय प्रीपेड रिचार्ज प्लान्स में 96 दिन की अतिरिक्त वैधता जोड़ दी है, जिससे अब इन प्लान्स की कुल वैलिडिटी बढ़कर 180 दिन हो गई है। यानी एक बार रिचार्ज कराने के बाद यूजर्स को पूरे छह महीने तक दोबारा रिचार्ज की चिंता नहीं करनी होगी। व्हीआई का यह कदम खासतौर पर उन ग्राहकों के लिए फायदेमंद है, जो सेकेंडरी सिम इस्तेमाल करते हैं या कम उपयोग के बावजूद नंबर एक्टिव रखना चाहते हैं।

कंपनी ने यह लाभ 859 रुपये और 548 रुपये के दो अलग-अलग प्लान्स में दिया है, ताकि अलग-अलग जरूरत वाले यूजर्स को विकल्प मिल सके। 859 रुपये वाला प्लान उन लोगों के लिए है, जो रोजाना डेटा, कॉलिंग और मैसेजिंग का नियमित इस्तेमाल करते हैं। इस प्लान में यूजर्स को प्रतिदिन 1.5जीबी हाई-स्पीड डेटा, सभी नेटवर्क पर अनलिमिटेड कॉलिंग और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलते हैं। खास बात यह है कि यह डेटा 5जी नेटवर्क पर भी काम करता है, जिससे 5जी एरिया में रहने वाले यूजर्स को बेहतर इंटरनेट स्पीड मिल सकेगी। 180 दिन की लंबी वैधता इसे लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए एक वैल्यू-फॉर-मनी प्लान बनाती है।

वहीं, 548 रुपये का प्लान वॉयस-ओनली यूजर्स को ध्यान में रखकर पेश किया गया है। इसमें अनलिमिटेड कॉलिंग के साथ कुल 7जीबी डेटा मिलता है, जिसे पूरी वैधता अवधि में कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा 1000 एसएमएस भी दिए जाते हैं। यह प्लान खासकर सीनियर सिटीजन्स, कम इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों और सेकेंडरी सिम यूजर्स के लिए किफायती विकल्प बनकर सामने आया है। कुल मिलाकर, व्हीआई का यह न्यू ईयर ऑफर ग्राहकों को लंबे समय की राहत देने वाला कदम माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हुसैन सागर...

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) अनुकूलतम DO स्तर 10mg/l का सुझाव देता है, जबकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड 6mg/l से ऊपर के स्तर की सिफारिश करता है। पिछले वर्षों में झील की स्थिति को लेकर 100 से अधिक याचिकाएँ और शिकायतें दर्ज की गई हैं, लेकिन स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। पर्यावरणविद सुब्बा राव, जिन्होंने झीलों के संरक्षण के लिए पिछले तीन दशकों में कई याचिकाएँ दायर की हैं, ने कहा, कूकटपल्ली नाले से निकलने वाला औद्योगिक कचरा हुसैन सागर के प्रदूषण में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। नेकलेस रोड, विशेष रूप से मैरियट होटल के पास झाग दिखना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। यह प्रदूषण को रोकने और शोधन की विफलता को दर्शाता है।

झील के किनारे रहने वाले निवासी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। राजभवन रोड, एमएस मक्ता और बीएस मक्ता जैसी बस्तियों के लोग आज भी घरेलू जरूरतों के लिए झील पर निर्भर हैं, जबकि पानी की दुर्गंध असहनीय हो गई है। बीएस मक्ता की निवासी लक्ष्मी देवी ने बताया, 'बदबू इतनी खराब है कि हम खिड़कियां भी नहीं खोल सकते। घर में खाना बनाना और खाना असंभव हो जाता है।'

बढ़ती बीमारियाँ और प्रशासनिक चुनौतियाँ

बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ बढ़ रही हैं। माता-पिता बुखार, खांसी, दस्त, त्वचा पर चकत्ते और पेट के संक्रमण के बार-बार होने की रिपोर्ट कर रहे हैं। 2024 में बिट्स पिलानी (हैदराबाद परिसर) के सहयोग से किए गए परीक्षण में ऊज्ञ स्तर केवल 2.8mg/l पाया गया।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के अनुसार, छह इनलेट्स के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 376.5 मिलियन लीटर सीवेज और औद्योगिक कचरा झील में प्रवेश करता है। इसमें कूकटपल्ली और पिकेट नाले की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। इस बीच, जीएचएमसी अधिकारियों का कहना है कि झील का रखरखाव सिंचाई विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि भारी मात्रा में आने वाले सीवेज को ट्रैक करना कठिन है और अब इनलेट्स की दोबारा जाँच करने की आवश्यकता है।

छावनी-बेगमपेट...

गोलकोंडा जोन : बेगम बाजार, अफजल गंज, गोशामहल, मंगलहाट, गुड्डीमल्कापुर, कुलसुमपुरा, टप्पाचबुतरा, गोलकोंडा, टोलीचौकी, लंगर हौज, मधुरा नगर, बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स, फिल्म नगर।

खैरताबाद 1 जोन : सनतनगर, एसआर नगर, बोराबंडा, नामपल्ली, आबिड्स, खैरताबाद, पंजागुट्टा।

खैरताबाद 2 जोन : सैफाबाद, नारायणगुडा, सुल्तान बाजार।

राजेंद्रनगर जोन : चंद्रायनगुट्टा, बंड्लागुडा, कंचनबाग, मैलार्देवपल्ली, फलकनुमा, कमाटीपुरा, अत्तापुर , बहादुरपुरा, कालापत्थर, राजेंद्रनगर।

सिकंदराबाद जोन : चिक्कड़पल्ली, मुशीराबाद, काचीगुडा, लालागुडा, चिलकलगुडा, वारसीगुडा, दोमलगुडा, गांधी नगर, रामगोपालपेट, महांकाली, अंबरपेट, उस्मानिया विश्वविद्यालय, नल्लाकुंटा।

शमशाबाद जोन : आदिबट्ला, बालापुर, बडंगपेट, पहाड़ीशरीफ, आरजीआई एयरपोर्ट।

मल्काजगिरि कमिश्नरेट (जिसे पहले राचकोंडा के नाम से जाना जाता था) अब 4 जोन, 10 डिवीजन और 30 पुलिस स्टेशनों के साथ कार्य करेगा।

बेगमपेट जोन : अलवाल, बेगमपेट, बोइनपल्ली, गोपालपुरम, मारेडपल्ली, तुकारामगेट, बोलारम, कारखाना, तिरुमलगिरी।

एलबी नगर जोन : चैतन्यपुरी, एलबी नगर, सरूरनगर, अब्दुल्लापुरमेट, हयातनगर, मीरपेट, वनस्थलीपुरम।

मल्काजगिरि जोन : कीसरा, शामीरपेट, चेर्लापल्ली, जवाहरनगर, कुशाईगुडा, मल्काजगिरि, मौलाअली, नेरेडमेट।

उप्पल जोन : घटकेसर, मारेडपल्ली, पोचारम, नाचारम, नागोल, उप्पल।

साइबराबाद कमिश्नरेट में 3 जोन, 7 डिवीजन और 12 पुलिस स्टेशन शामिल होंगे।

शेरिलिंगमपल्ली जोन : चंदाननगर, आरसी पुरम, पटेनचेरु, आमीनपुर, नारसिंगी, गच्चीबोवली, कोल्लूर।

कूकटपल्ली जोन : केपीएचबी, मियांपुर, बालानगर, कूकटपल्ली, अल्लापुर, माधापुर, रायदुर्गम।

कुतुबुल्लापुर जोन : मेडचल, दुंडीगल, पेटबशीराबाद, जीनोम वैली, जीडीमेट्ला, जगतगिरिगुट्टा, सुरारम, बाचुपल्ली। 'फोर्थ सिटी' या फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट का उदय और नई नियुक्तियाँ

सरकार ने भविष्य की जरूरतों को देखते हुए फोर्थ सिटी (Fourth City) कमिश्नरेट का गठन किया है। इसमें शंकरपल्ली, मोकिला, चेवेल्ला, मोइनाबाद, शादनगर, शमशाबाद, नंदीगामा, महेश्वरम, कंदुकुर, फार्मा सिटी, मद्गुल, अमनगल, तलकोंडापल्ली, केशवपेट, कड़थल, कोतूर, शादनगर, चौदरीगुडेम, इब्राहिमपट्टनम, मंचाल और कचारम जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

सोमवार को राज्य सरकार ने हैदराबाद को छोड़कर बाकी सभी कमिश्नरेटों के लिए नए पुलिस कमिश्नरों की नियुक्ति के आदेश भी जारी कर दिए हैं।

नुमाइश विवाद ...

उन्होंने उदाहरण देते हुए दावा किया कि नीलोफर होटल के मालिकों को लगभग 75 स्टॉल 75 लाख में दिए गए, जबकि साधारण व्यापारियों से भारी शुल्क माँगा जा रहा है।

व्यापारी ने प्रदर्शनी सोसाइटी को एक लिखित शिकायत सौंपी है और पूरी प्रक्रिया की स्वतंत्र जाँच की माँग की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मुद्दे को उठाने पर उन्हें संयोजक और उनके सहयोगियों से धमकियों और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उन्होंने तेलंगाना सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और दोषियों पर कार्रवाई करने की अपील की है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 31 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

नशा समाज को अंदर से खोखला कर रहा है, आज नहीं रोके, तो आने वाली पीढ़ी खतरे में

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नशा समाज की जड़ों को कमजोर कर रहा है और यदि इसे समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाली पीढ़ी गंभीर खतरे में पड़ सकती है। इसी संदेश के साथ समाज को नशा-मुक्त जीवन की ओर प्रेरित करने का आह्वान किया गया नशे को ना, जीवन को हाँ।

डायरेक्टर जनरल (डीजी), ईगल फोर्स तेलंगाना संदीप शांडिल्य एवं पहाड़ी श्याम मंदिर, महिंद्रा हिल्स के चेयरमैन अरुण डाकोतिया की गरिमामयी उपस्थिति में अग्रवाल समाज सहित समस्त समाजों से नशा-मुक्त जीवन अपनाने, नशे के विरुद्ध एकजुट होकर खड़े होने तथा भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य हेतु सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर डायरेक्टर जनरल संदीप शांडिल्य जी ने अरुण डाकोतिया से इस जन-जागरूकता अभियान का नेतृत्व करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक नशा-विरोधी संदेश पहुँचाना समय की आवश्यकता है, ताकि समाज को नशे से सुरक्षित रखा जा सके और युवा पीढ़ी को सही दिशा दी जा सके।

भाग्यनगर कावड़ सेवा संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा मंगलवार को गुलजार हौज के समीप मंच स्थापित करके वैकुंठ एकादशी के अवसर पर बालाजी मंदिर चारमीनार से निकलने वाली बालाजी भगवान की सवारी का एवं भक्तों का फूलों की पंखुड़ियां से स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाग्यनगर कावड़ सेवा संघ के पदाधिकारी देखे जा सकते हैं।

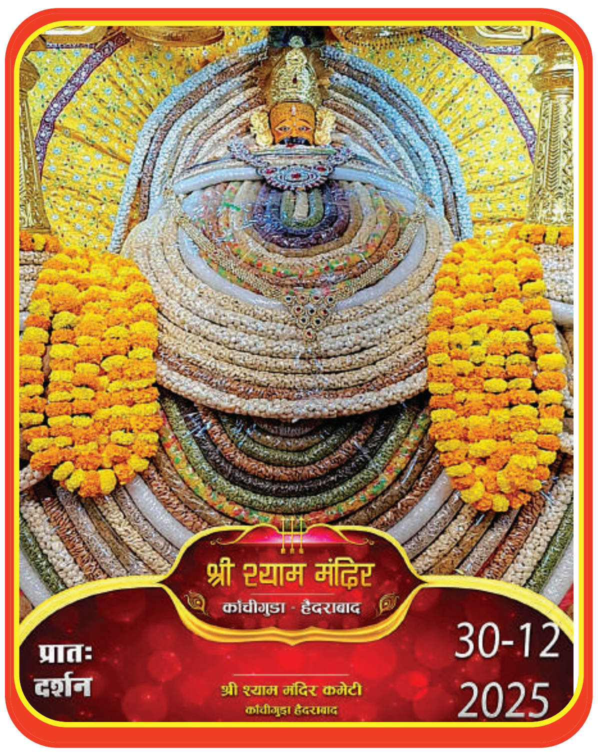

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के चुनाव

केवल अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए होंगे चुनाव

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के वर्ष 2025-27 के लिए होने वाले चुनाव केवल अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के पदों हेतु ही कराए जाएंगे। यह जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मुख्य चुनाव अधिकारी मुकुंद लाल अग्रवाल ने दी।

मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि अध्यक्ष पद हेतु अशोक कुमार बंसल एवं पुरुषोत्तम गुप्ता ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए मुकेश कुमार अग्रवाल एवं पंकज कुमार अग्रवाल मैदान में हैं।

इसके अतिरिक्त मंत्री, सहमंत्री एवं कोषाध्यक्ष पदों के लिए एक-एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण इन पदों पर चुनाव की आवश्यकता नहीं है।

कार्यकारिणी समिति निर्विरोध

कार्यकारिणी समिति के 11 पदों के लिए प्रारंभ में 14 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे। नामांकन वापसी के दौरान लक्ष्मी नारायण मूंदड़ा ने अपना नामांकन वापस ले लिया।नामांकन वापसी की अंतिम तिथि समाप्त होने के पश्चात एस. गौतम चंद जैन एवं सोमेश बंसल ने मुख्य चुनाव अधिकारी को चुनाव से रिटायर होने हेतु आवेदन पत्र दिया, जिसके फलस्वरूप अब कार्यकारिणी समिति के लिए 11 पदों के विरुद्ध 11 ही नामांकन शेष रह गए हैं और सभी निर्विरोध निर्वाचित माने जाएंगे।इन परिस्थितियों में अब केवल अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए ही चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। चुनाव 4 जनवरी 2026 को होटल वेज व्यंजन, हिमायतनगर में मध्याह्न 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा द्वारा अन्नकूट प्रसाद सम्पन्न

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा द्वारा प्रतिवर्ष साल के अंतिम रविवार को आयोजित किया जाने वाला अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम श्री राणी सती दादी जी मंदिर, घांसीबाजार में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला द्वारा माल्यार्पण कर विधिवत पूजा-अर्चना से की गई। इस अवसर पर समाजजनों में विशेष उत्साह एवं धार्मिक वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के प्रधान संयोजक मनोज अग्रवाल गौशालावाला तथा सह-संयोजक बबीता मित्तल, शीव भगवान अग्रवाल बॉयवाला, दीपक अग्रवाल पचेरिया एवं अशोक अग्रवाल सौलानावाला रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय समिति से पधारे मानद मंत्री विकास कुमार कैसन का शाखाध्यक्ष द्वारा शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज की केंद्रीय समिति द्वारा अस्थायी कार्यालय भी लगाया गया, जिसके अंतर्गत पवन डोकानियां एवं उनकी टीम द्वारा शाखा के सदस्यों का पारिवारिक विवरण समाज की वेबसाइट पर अपलोड किया गया तथा तुरंत प्रिविलेज कार्ड बनाकर वितरित किए गए। इस दौरान नए सदस्यों को भी शाखा में जोड़ा गया।

कार्यक्रम में शाखा के लगभग 350 सदस्य एवं गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित हुए। इनमें

उपाध्यक्ष शीव भगवान अग्रवाल बॉयवाला, मानद मंत्री हरिनारायण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश सर्राफ, परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, योगेन्द्र कटारुका,

केंद्रीय समिति सदस्य राकेश अग्रवाल पचेरिया एवं सज्जन अग्रवाल बॉयवाला, कार्यकारिणी सदस्य श्रीकिशन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल मित्तल, शीवकुमार अग्रवाल जाखणीवाला, पवन अग्रवाल सोलानावाला, मनोज अग्रवाल पचेरिया, कमल किशोर अग्रवाल, तथा दीपा अग्रवाल, राधा अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त प्रकाश अग्रवाल नारनौली, मोतीलाल अग्रवाल सलामपुरवाले, भजनलाल अग्रवाल पचेरिया, महेश कुमार कानोड़िया, गोपाल अग्रवाल पचेरिया एवं राजेन्द्र पोद्दार की भी विशेष उपस्थिति रही।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में दो दिवसीय कंप्युटर आधारित हिन्दी कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अंचलीय ज्ञानार्जन केंद्र, हैदराबाद में 29 दिसंबर 2025 से 30 दिसंबर 2025 को दो दिवसीय कंप्युटर आधारित हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें हैदराबाद, गोवा, पुणे और विजयवाड़ा अंचल के स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन अंचलीय ज्ञानार्जन केंद्र के प्रमुख श्री एन एस दीपक, सहायक महाप्रबंधक द्वारा किया गया. अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा देश को जोड़ने का काम करती है। हिन्दी भाषा सभी देशवासियों के लिए संपर्क भाषा है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कम्प्यूटरों के माध्यम से हिन्दी के उपयोग पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुमार सुब्रत आनंद, संकाय एवं कार्यक्रम समन्वयक ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम जितनी अधिक भाषाएँ सीखते हैं उतना ही हमारा मस्तिष्क सुदृद होता है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भाषाओं का ज्ञान सहायक होता है। अंचल के राजभाषा प्रभारी श्री देवकान्त पवार ने भी राजभाषा में काम करने पर जोर देते हुए कहा कि बैंक सेवा प्रदाता संगठन होने के नाते संस्था आजकल कृत्रिम बुद्धिमता के माध्यम से हिंदी में काम करना बेहद आसान हो गया है, कार्यशाला के अंत तक सभी प्रतिभागी इतने सक्षम हो जाएंगे कि वे आंतरिक कामकाज में हिंदी का उपयोग आसानी से कर पाएंगे। इन दो दिनों में राजभाषा नीति एवं अधिनियम, बैंकिंग शब्दावली, यूनिकोड में टाइपिंग अभ्यास, एमएस ऑफिस में हिन्दी में कार्य की सुविधाएं, वॉयस टाइपिंग, मशीन अनुवाद, केंद्र सरकार द्वारा विकसित अनुवाद टूल कंठस्थ-2.0, हिन्दी में कृतिम मेधा का प्रयोग आदि पर राजभाषा अधिकारी श्री देवकांत पवार, श्रीमती तपस्विनी मोहंती, श्री प्रदीप कुमार, और संकाय सदस्य श्री कुमार सुब्रत आनंद द्वारा सत्र लिए गए।

बधर माता परिवार की पुस्तिका प्रकाशन हेतु बैठक सम्पन्न

14 माहेश्वरी खापों की पारिवारिक जानकारी होगी शामिल

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बधर माता माहेश्री सेवा समिति द्वारा आगामी वर्ष में बधर माता परिवार के अंतर्गत आने वाली सोमानी, मर्दा, छापरवाल, बागड़ी, गदिया, थिरानी, मक्कड़, परसावत, दुजारी सहित कुल 14 माहेश्वरी खापों के परिवारों की सम्पूर्ण पारिवारिक जानकारी युक्त एक पुस्तिका प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में सेवा समिति की बैठक मंगलवार को सुनील सोमानी, जिंसी चौराहा स्थित कार्यालय में समिति अध्यक्ष राजेश सोमानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में सचिव गोविंद सोमानी ने बताया कि बहुउद्देशीय जानकारी युक्त इस पुस्तिका के लिए पारिवारिक विवरण एकत्र करने हेतु जागरण के दिन माहेश्वरी भवन, बेगम बाज़ार में काउंटर लगाया जाएगा, जहां से आवश्यक जानकारी प्राप्त की जाएगी।

समिति द्वारा 3 जनवरी को माहेश्वरी भवन, बेगम बाज़ार में भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें भक्तों की उपस्थिति सदैव अच्छी रहती है। इसी अवसर पर भक्तों से पारिवारिक जानकारी भी ली जाएगी। भजनों का कार्यक्रम नगरद्वय के प्रसिद्ध भजन गायक विजय जाजू द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

इसी दिन दोपहर 3:30 बजे कुलदेवी का हवन आयोजित किया जाएगा। जो भी भक्त हवन अथवा पूजा में सहभागी होना चाहते हैं, वे अपने नाम समिति के सदस्यों के पास लिखवा सकते हैं।

हवन-पूजन की समस्त सामग्री समिति द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी तथा किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा, समिति द्वारा सभी सेवाएं निशुल्क प्रदान की जाएंगी। बैठक में राजेश सोमानी, गोविंद सोमानी, रमेश मर्दा, विट्ठल सोमानी, मदन गोपाल सोमानी, पुरुषोत्तम सोमानी (झंडावाला), भगवान सोमानी एवं सुनील सोमानी उपस्थित रहे।

सेवा का संदेश समाज जागृत हो : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद का स्पष्ट संदेश है कि समाज जागृत हो और एक-दूसरे के सहयोग से सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाए। उक्त विचार राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने व्यक्त किए।

बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास संचालित नियमित अन्नदान केंद्र पर उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल जरूरतमंदों की भूख मिटाने का कार्य नहीं है, बल्कि यह मानवता, करुणा और संस्कारों को सुदृढ़ करने का माध्यम है। सेवा से समाज में सकारात्मक सोच विकसित होती है और आपसी सद्भाव को बल मिलता है। अग्रवाल ने समाज के प्रत्येक वर्ग से सेवा कार्यों में सहभागी बनने की अपील करते हुए कहा कि निस्वार्थ सेवा ही सशक्त और जागृत समाज के निर्माण की आधारशिला है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप की ओर से अय्यप्पा स्वामी के भक्तों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, गोविंद राम पचेरिया, शिव भगवान, पन्नालाल अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल पूजा संघी आदि उपस्थित थे।

श्री बाँके बिहारी सेवा समिति, मलकपेट द्वारा अंग्रेजी नववर्ष के आगमन पर 01 जनवरी को श्याम मंदिर, काचीगुडा में आयोजित 15वें श्री श्याम महोत्सव के लिए पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया को आमंत्रित करते हुए समिति के राहुल अग्रवाल एवं संजय अग्रवाल ।

वैकुंठ एकादशी के पवित्र अवसर पर जुमेरात बाजार स्थित श्री बालाजी मंदिर में भव्य पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विशेष पूजा करते हुए कांग्रेस पार्टी नेता टी. ओम प्रकाश, उमापति महाराज, मोती चौधरी जी, मनोज सिंह और अनिकेत जी।

महेश बैंक चुनाव में संस्थापक पैनल से सर्वाधिक मतों से निर्देशक पद पर विजय होने पर देवेंद्र झंवर को बधाई देते हुए अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य भरत जाजू, दीपक डागा, पवन बजाज, दीपक धुत, संदीप चंडक, दिनेश राठी,मुरारी मंत्री,अजय भंडारी, डॉ.राजेश करवा, दिनेश अटल, लक्ष्मीनिवास लोया, दिनेश नवंदर, रजत झंवर, ज्योति धुत, अरुणा डागा, राजकुमारी चांडक, प्रीति भंडारी, वीणा होलानी, सीमा करवा, वंदना नवंदर, सरिता लोया, सुनीता झंवर, रमा राठी, ऐश्वर्या झंवर एवं पर्व झंवर।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा

भव्य वृद्ध दंपत्ति सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद0सिकंदराबाद द्वारा रविवार 28 दिसंबर 2025 को ऋषि शृंग भवन में अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम लाला की अध्यक्षता में स्नेह मिलन, कैलेंडर लोकार्पण एवं वृद्धवरीय दंपत्ति सम्मान समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। सायं 6:31 बजे सम्माननीय अतिथि सोहनलाल पल्लौड, लालचंद जी उपाध्याय एवं बजरंगलाल जी शर्मा के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम लाला, महामंत्री रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष भरत चांडा, प्रधान संयोजक सुरेश गांधी एवं दामोदर जोशी उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलन के पश्चात तीनों अतिथियों का शॉल, माला, साफा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया। भवन परिसर में विप्र बंधुओं ने आत्मीय मिलन करते हुए हर्ष व्यक्त किया।

इसके पश्चात तीनों अतिथियों द्वारा सभा का कैलेंडर लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के दौरान भवन विप्र बंधुओं एवं महिलाओं से खचाखच भरा रहा, जिससे आयोजन की भव्यता स्पष्ट दिखाई दी।

53 वृद्ध दंपत्तियों का हुआ सम्मान

अगले चरण में वृद्ध दंपति सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें– सर्वप्रथम कैलाश शर्मा (मास्टर साहब), श्री वेदप्रकाश जोशी, श्री निर्गुणलाल शर्मा, श्री रामचंद्र तिवारी, श्री श्रीनिवास पंडित, श्री पारसमल पांडिया, श्री मोतीलाल पुरोहित, श्री लालचंद जयालवाल, श्री कन्हैयालाल नागला, श्री पं. शिव नारायण व्यास, श्री कन्हैयालाल उपाध्याय, श्री रामेश्वर लाल जोशी, श्री लक्ष्मीनिवास भेडा, श्री गोविंद व्यास, श्री दामोदर तिवाड़ी पारीक, श्री गोविंद नवहाल, श्री बजरंगलाल शर्मा, श्री लालचंद उपाध्याय, श्री शांतिलाल चांडा, श्री श्री किशन उपाध्याय, श्री छगनलाल शर्मा, श्री महावीर प्रसाद दाधीच, श्री कन्हैयालाल जोशी, श्री गोपीकिशन सुन्ठवाल दाहिमा, श्री जुगलकिशोर जोशी पारीक, श्री भगवान जोशी, श्री रूपनारायण तिवाड़ी (लल्लू भाई), श्री गोवर्धन व्यास, श्री सुखदेव जोशी, श्री चुन्नीलाल जोशी, श्री रामनिवास जोशी, श्री सत्यनारायण शर्मा, श्यामसुंदर कुदाल, श्री हरिप्रसाद उपाध्याय, श्री रामनिवास पाराशर, श्री श्रवण कुमार दधीच, श्री ओमप्रकाश शर्मा, श्री लाल पारीक, डॉ. तेजनारायण शर्मा, श्री लक्ष्मीनारायण बोचीवाल, श्री जुगलकिशोर शर्मा, श्री रामानंद तिवाड़ी, श्री विजय कुमार तिवाड़ी, श्री बंकटलाल पांडिया, श्री बजरंगलाल पंडित, श्री ओमप्रकाश व्यास, श्री बिंजराज कोलरिया सहित कुल 53 वृद्ध दंपत्तियों को शाल, साफा, माला एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आयोजकों व सहयोगियों का योगदान

कार्यक्रम को भव्य बनाने में पं. पुरुषोत्तम लाला, रामदेव नागला, भरत चांडा, सुरेश गांधी, दामोदर जोशी, सुरेश कुमार व्यास पारीक, मुरलीधर ओझा, श्रीलाल पारीक, संदीप जायलवाल, विजय शर्मा पांडिया, गोविंद मडी, दिनेश शर्मा, मोहनलाल शर्मा, अर्जुन थानवी, रामेश्वर लाल जोशी, लक्ष्मीकांत व्यास, मुरलीधर तिवाड़ी, दामोदर ओझा, हरिप्रसाद रिणवा, मुकेश शांडिल, प्रदीप खंडेलवाल सहित सभा से जुड़े अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर 36 कैलेंडर विज्ञापनदाताओं को साफा एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। शेष विज्ञापनह्दाताओं से संपर्क कर शीघ्र सम्मान किया जाएगा।

अंत में पधारे सभी विप्र बंधुओं का सभा की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

अत्तापुर में मासूम पर आवारा कुत्तों का जानलेवा हमला

जीएचएमसी की लापरवाही ने 3 साल की बच्ची को किया लहूलुहान

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अत्तापुर की वासुदेव रेड्डी नगर कॉलोनी में 3 वर्षीय बच्ची नित्याश्री पर आवारा कुत्तों के भयानक हमले ने एक बार फिर जीएचएमसीत्अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और उदासीनता को उजागर कर दिया है। यह घटना तेलंगाना सरकार के तहत सार्वजनिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

मासूम बच्ची के चेहरे पर आवारा कुत्तों ने बुरी तरह हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और 18 टांके लगाने पड़े। जहाँ एक ओर बच्ची शारीरिक और मानसिक आघात से जूझ रही है, वहीं उसके परिवारविशेष रूप से उसके पिता, जो एक ऑटो ड्राइवर हैंको एक निजी अस्पताल में बढ़ते चिकित्सा खर्चों को वहन करने में भारी कठिनाई हो रही है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे के बारे में की गई कई शिकायतों को जीएचएमसी अधिकारियों ने बार–बार नजरअंदाज किया। चौंकाने वाली बात यह है कि स्थानीय लोगों के अनुसार, औपचारिक शिकायतों के बाद भी जीएचएमसी

कर्मचारी केवल औपचारिकता निभाने इलाके में आए, तस्वीरें लीं और बिना कोई ठोस कार्रवाई किए चले गए।

लोगों का कहना है कि प्रशासन के लिए जनता की शिकायतें केवल एक मफोटो एक्सरसाइजफ बनकर रह गई हैं। बार–बार चेतावनी और अपील के बावजूद कोई निवारक उपाय लागू नहीं किए गए, जिसके परिणामस्वरूप यह भयावह घटना घटी।

इस हमले ने नगर निगम अधिकारियों की विफलता पर सार्वजनिक आक्रोश को फिर से भड़का दिया है। अतीत में हुई इसी तरह की घटनाओं के बाद तेलंगाना सरकार के बार–बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद प्रभावी पशु नियंत्रण उपाय जमीन पर दिखाई नहीं दे रहे हैं।

निवासियों ने – आक्रामक आवारा कुत्तों को तत्काल पकड़ना और स्थानांतरित करना। लापरवाह जीएचएमसी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई।

पीड़ित परिवार के लिए मुआवजा और पूर्ण चिकित्सा सहायता और एक दीर्घकालिक, पारदर्शी और जवाबदेह आवारा कुत्ता प्रबंधन नीति की मांग कर रहे हैं।

जब तक खोखले दौरों और फोटो सेशन की जगह निर्णायक कार्रवाई नहीं की जाती, हैदराबाद की सड़कें असुरक्षित बनी रहेंगी और सरकारी आश्वासन बेमानी साबित होते रहेंगे।

प्रतिबंधित चीनी मांझा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

24 चरखियाँ जब्त, पुलिस की सख्त चेतावनी

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, चात्रिनाका पुलिस ने प्रतिबंधित चीनी सिंथेटिक नायलॉन ग्लास–कोटेड मांझा की अवैध बिक्री के खिलाफ एक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। पुलिस ने दो अलग–अलग मामलों में इस गैरकानूनी व्यापार में शामिल व्यक्तियों को पकड़ा और कुल 24 चीनी मांझा चरखियाँ जब्त कीं।

आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।पुलिस अधिकारियों ने दोहराया कि सार्वजनिक सुरक्षा और पर्यावरण के लिए पैदा होने वाले गंभीर खतरे के कारण चीनी मांझा पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसकी अत्यधिक तेज धार वाली कांच की कोटिंग के कारण गंभीर चोटें और कई मौतें हुई हैं, जिनमें विशेष रूप से बच्चे, दोपहिया वाहन चालक और पैदल यात्री शामिल हैं। यह घातक मांझा पक्षियों, जानवरों और सार्वजनिक संपत्ति को भी व्यापक नुकसान पहुँचाता है।इस खतरे के वास्तविक परिणामों को उजागर करते हुए, नवाब साहब कुंटा निवासी जमील नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जब वह मोटरसाइकिल से चारमीनार की ओर जा रहा था, तभी शमशीर गंज इलाके में अचानक चीनी मांझा उसके गले में लिपट गया। इस घटना से राहगीरों और स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। जमील मौत के मुंह से बाल–बाल बचा और उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।पुलिस अधिकारियों ने कड़ी चेतावनी जारी की है कि जो भी व्यक्ति चीनी मांझा बनाने, बेचने, परिवहन करने या उपयोग करते पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहर भर में इसके अवैध प्रसार को रोकने के लिए विशेष निगरानी और औचक निरीक्षण जारी रहेंगे।सार्वजनिक कल्याण, पारिवारिक सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए, पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि वे चीनी मांझा खरीदने, बेचने या उपयोग करने से पूरी तरह परहेज करें और केवल सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों का ही चुनाव करें।

सूत्रधार साहित्यिक संस्था की 73वीं मासिक गोष्ठी : डॉ. अहिल्या मिश्र को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था ने अपनी 73वीं मासिक गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन स्मृति सभा के रूप में किया। यह गोष्ठी हाल ही में निधन होने वाली वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अहिल्या मिश्र को समर्पित रही। संस्थापिका सरिता सुराणा ने सदस्यों का स्वागत किया और डॉ. मदनदेवी पोकरणा को अध्यक्षता सौंपी।

सरिता सुराणा ने बताया कि 25 दिसंबर को डॉ. मिश्र के निधन से हिंदी साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति हुई। उन्होंने संस्था के उद्घाटन से लेकर सभी प्रमुख कार्यक्रमों की अध्यक्षता की और 2024 में मगार्गी सम्मानफसे सम्मानित हुईं। स्वर साधिका शुभ्रा मोहन्तो ने निराला रचित सरस्वती वंदना से गोष्ठी का शुभारंभ किया, उसके बाद दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

सदस्यों ने अपने अनुभव साझा किए। बिनोद गिरि अनोखा ने उन्हें मां जैसा बताया, तेलंगाना समाचार के संपादक के. राजन्ना ने लेखन प्रेरणा का उल्लेख किया, जबकि दर्शन सिंह, गजानन पाण्डेय, शुभ्रा मो–हन्तो, शोभा देशपांडे और रिमझिम झा ने उनके मार्गदर्शन व स्नेह की यादें ताजा कीं। डॉ. मदनदेवी पोकरणा ने उनके महिला सशक्तीकरण के योगदान पर प्रकाश डाला। रिमझिम झा ने कुशल संचालन किया।

संस्कार से ही मिलता है सेवा का मौका : प्रतिका अग्रवाल

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संस्कारों से उपजा सेवा भाव ही जीवन को सार्थक बनाता है। प्रतिका अग्रवाल ने अपने ससुर स्वर्गीय श्याम सुंदर अग्रवाल की पुण्यतिथि पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन (पिल्लर नंबर 1265-ए) पर राधे राधे ग्रुप द्वारा आयोजित अन्नदान के दौरान यह विचार व्यक्त किया।

प्रतिका अग्रवाल ने कहा कि परिवारिक संस्कार ही सेवा मार्ग की प्रेरणा देते हैं। ससुर जी के जीवन मूल्यों से प्रेरित होकर यह अन्नदान उनकी सच्ची श्रद्धांजलि है। ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि वे निरंतर वंचित वर्ग की सेवा कर रहे हैं, जो दिवंगत आत्माओं की शांति के साथ समाज में करुणा का संदेश देता है।

आज ही स्वर्गीय सुरेंद्र कुमार अग्रवाल की पुण्यतिथि पर श्रीमती शशिकला अग्रवाल परिवार द्वारा भी अन्नदान किया गया। उपस्थित सदस्यों में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, शीतल गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई. जगन चंपापेट, महेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, प्रतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, रवि शर्मा, भरत कुमार मोदी, सुरभि मोदी, संदीप मिश्रा, कैलाश चंद केडिया, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गोपाल गोयल आदि शामिल थे।

सोमाजीगुडा स्थित प्रणवा 1 हैदराबाद में महेश बैंक के चुनाव में संस्थापक पैनल की शानदार जीत पर संयोजक रमेश कुमार बंग, प्रणवा 1 सोसाइटी के अध्यक्ष गिल्ली दयाकर एवं आल गुरुद्वारा साहीबान तेलंगाना के महासचिव मंजीत सिंह पाला का सम्मान करते हुए खैरताबाद के पूर्व विधायक चिंतला रामचन्द्रा रेड्डी, महाराजगंज के पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, सीए प्रकाश मून्दड़ा, हरप्रीत सिंह, राकेश अग्रवाल, रिषि राठौड़ एवं सतीश जाजू ।

हिमायत नगर स्थित होटल मिडोरी में असावा परिवार द्वारा महेश बैंक चुनाव में संस्थापक पैनल की शानदार जीत पर संयोजक रमेश कुमार बंग का सम्मान करते हुए श्रीनिवास - निर्मला असावा, मधुसूधन - रमा असावा, मनीष - मंजू लोया, मनीष - संगीता मानधना, रामनिवास - विजयलक्ष्मी असावा, लक्ष्मीनिवास - राजेश्वरी असावा, भगवानदास - शारदा लाहोटी, विमला धूत एवं संतोष बंग ।

धूलपेट क्षेत्र में वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर एक विशेष पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक उत्सव में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धूलपेट में आयोजित इस कार्यक्रम का सफल प्रबंधन बी-ब्लॉक अध्यक्ष श्याम भाई द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी की एकजुटता और धार्मिक आस्था का संगम देखने को मिला।

सुमन सागर पत्रिका पर विचार-विमर्श: गीत चाँदनी की 339वीं मूल्यांकन कवि गोष्ठी

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गीत चाँदनी साहित्यिक संस्था द्वारा ङ्गसीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थानफ के तत्वावधान में गोशामहल स्थित हज़ारी भवन में 339वीं मूल्यांकन कवि गोष्ठी का सफल आयोजन हुआ। इस मास का केंद्र बिहार के बाढ़ नगर से प्रकाशित ङ्गसुमन सागरफ पत्रिका (वर्ष-15, अंक-4, अक्टूबर-दिसंबर 2025) रहा, जिसकी संस्थापिका स्वर्गीय गंगा देवी थीं। प्रधान संपादक श्याम बिहारी आलोक के नेतृत्व में पत्रिका का मूल्यांकन किया गया।सुप्रसिद्ध साहित्यकारों ने रचनाओं पर सारगर्भित टिप्पणियां कीं। आरती कुमारी ने लेखों को मन, समाज और साधना की गहराइयों से जोड़ते हुए सराहा। अशोक दोशी ने आर. डी. अग्रवाल के ङ्गअपने सुबोधफ लेख की व्यावहारिक आध्यात्मिकता की प्रशंसा की, जो अंधविश्वास पर प्रहार करता है। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, चंपालाल बैद, ममता मिश्रा व आशा ठाकुर ने पत्रिकाओं के प्रकाशन की चुनौतियों के बीच उत्कृष्ट योगदान पर जोर दिया।अध्यक्ष शिवकुमार तिवारी ङ्गकोहिरीफ ने गोष्ठी को कीर्तिमान बताते हुए संपादक मंडल को बधाई दी। गोविंद अक्षय ने कुशल संचालन किया तथा कवि गोष्ठी में चंपालाल बैद, आरती कुमारी, आशा ठाकुर, सोहेल अज़ीम, शोभा देशपांडे सहित अनेक कवियों के गीत, ग़ज़ल व व्यंग्य की सराहना की।संस्था के 44 वर्षों के निरंतर आयोजनों ने राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। जलपान के बाद सभी को आभार व्यक्त किया गया।

डॉ. शिवरामा पी. विन्जामुरी, प्रोफेसर एवं सहायक निदेशक, पूर्वी चिकित्सा विभाग, एकीकृत एवं पारिवारिक स्वास्थ्य सेवाएँ, दक्षिणी कैलिफोर्निया स्वास्थ्य विश्वविद्यालय (यू.एस.ए) ने सी.सी.आर.ए.एस.0राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद का दौरा किया।

वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर जुमेरात बाजार स्थित ऐतिहासिक श्री बालाजी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और दर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी नेता दिनेश यादव, दयाल पहलवान, मनोज कुमार, पी. अंकित, चंद्रशेखर एवं उमापति महाराज।

चारमीनार स्थित माँ भाग्यलक्ष्मी मंदिर में वैकुंठ एकादशी की पूजा में उपस्थित मन्दिर प्रमुख ट्रस्टी शशिकला जी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, भगवताचार्य आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री, विजय कुमार तोतला, विनोद पोरवाल, ओम प्रकाश, गोलू दुबे, रोहित शर्मा एवं नंदन देव।

वैकुंठ एकादशी पर श्रीशैलम में दर्शन

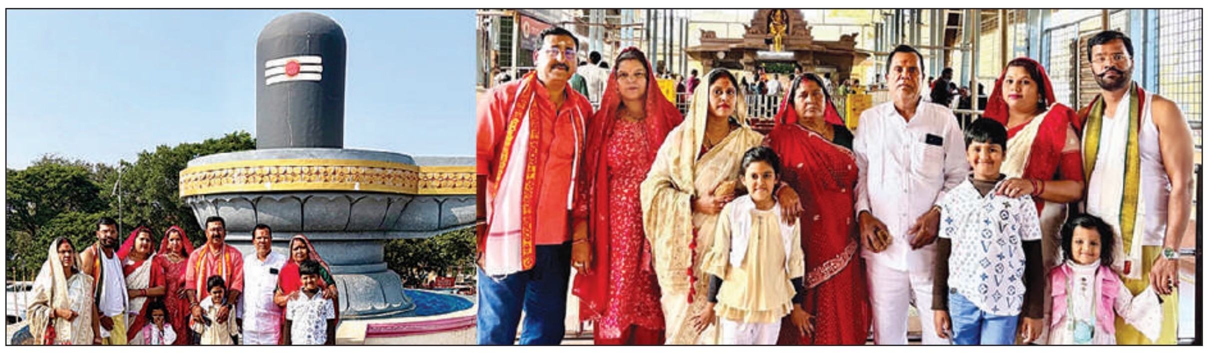

श्रीशैलम, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 30 दिसंबर 2025, मंगलवार को वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एन.के. सिंह ने परिवार सहित श्रीशैलम मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग एवं साक्षी गणेश भगवान के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर श्रीमती मालती देवी, राज कमल सिंह, जागृति सिंह, दीपिका सिंह, अमरजीत सिंह, नेहा सिंह, लक्षजीत सिंह, छवि सिंह एवं देवंशी सिंह ने भगवान से परिवार, समाज एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण की प्रार्थना की।दर्शन एवं पूजा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष आस्था एवं भक्ति भाव देखने को मिला।

वैकुंठ एकादशी के पावन पर्व पर श्रीशैलम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

इरिसेट रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी से सम्मानित

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजभाषा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी और दूरसंचार संस्थान (इरिसेट)/ सिकंदराबाद को वर्ष 2024 के लिए अखिल भारतीय स्तर पर आदर्श प्रशिक्षण संस्थान के रूप में रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। इस संस्थान में सिगनल और दूरसंचार के अलावा साइबर सुरक्षा और कवच (स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली) जैसे संरक्षा के विभिन्न आयामों को भी शामिल किया गया है।

इस संस्थान में न केवल रेल अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है बल्कि विभिन्न विश्वविद्यालयों और उद्योग जगत की कंपनियों/संस्थाओं के साथ भी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन किए गए हैं।

यह संस्थान, न केवल नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाते हुए सिगनल और दूरसंचार के क्षेत्र में रेलवे की संरक्षा को सुनिश्चित करने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करता है बल्कि राजभाषा के क्षेत्र में भी अग्रणी है। यह संस्थान, राजभाषा नियम के अनुसार मगफ क्षेत्र में होते हुए भी राजभाषा के प्रयोग-प्रसार की दिशा में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे हिंदी कार्यशाला, तकनीकी संगोष्ठी, विभिन्न प्रतियोगिताओं आदि की आयोजन के माध्यम से राजभाषा के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। राजभाषा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए ङ्गआदर्श प्रशिक्षण संस्थानफ के रूप में ङ्गङ्गरेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी का गौरव प्राप्त होना इस संस्थान के लिए निश्चय ही प्रेरणा का स्रोत है।

इस संस्थान के महानिदेशक श्रीशरद कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व व निरन्तर मार्गदर्शन तथा टीम इरिसेट के प्रयासों से इस संस्थान को यह गौरव प्राप्त हुआ है।

श्री शरद कुमार श्रीवास्तव, महानिदेशक / इरिसेट ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त की और टीम इरिसेट को बधाई देते हुए कहा कि मआदर्श प्रशिक्षण संस्थानफ के रूप में रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी प्राप्त होने से न केवल हमे अधिक उत्साह से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा, बल्कि इसे निरंतर आगे बढ़ाने और इसे बनाए रखने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

निस्वार्थ सेवा की मिसाल है राधे राधे ग्रुप : हरीश तोलाराम हिंदुजा

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरीश तोलाराम हिंदुजा ने राधे राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए कहा कि यह समूह समाज में समर्पण और सेवा की भावना का सर्वोच्च उदाहरण है। उनका कहना है कि ऐसे प्रयास समाज को एक नई दिशा और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं।

समूह के सदस्य केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान और सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों के जीवन में खुशियाँ बाँट रहे हैं। हरीश तोलाराम हिंदुजा ने कहा कि इन गतिविधियों से न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि समाज में सेवा और मानवता की भावना भी जागृत होती है।

उन्होंने आगे कहा कि राधे राधे ग्रुप जैसी निस्वार्थ सेवा युवाओं को भी प्रेरित करती है, ताकि वे अपने जीवन में समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भाव को अपनाएँ। इस प्रकार के कार्य समाज में सौहार्द और एकता की भावना को भी मजबूत बनाते हैं।

हरीश तोलाराम हिंदुजा ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग दें और निस्वार्थ सेवा के इस आदर्श को आगे बढ़ाएँ। उनका मानना है कि हर छोटा योगदान भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है।

समूह के इस प्रयास ने कई लोगों के दिलों को छू लिया है और यह साबित किया है कि निस्वार्थ सेवा ही सबसे बड़ी पूँजी है, जो समाज और मानवता दोनों के लिए अमूल्य है।

इस अवसर पर हरीश तोलाराम हिंदूजा, ई जगन चंपापेट, रणधीर,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, गौरव गोयल आदि उपस्थित थे ।

अणुव्रत समिति हैदराबाद के निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी ने सपरिवार आचार्य भिक्षु जन्म स्थली कंटालिया में आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन, वंदन व पौत्र अभिनव के अष्टम जन्मदिवस पर आशीर्वाद व मंगल पाठ का श्रवण करते हुए ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, MUTTA BHULOKA W/o. Mutta Kottamma, am the biological mother of No. 4286659M, Rank HAV/HK, Name LOVARAJU MUTTA, C/o 56 APO, R/o.Village & Post -Rajakoduru, Tehsil-Rambilli, Dist-Visakhapatnam, State-A.P-531061, do hereby state that my Name & Date of Birth have been wrongly entered/recorded as "BULAKAMMA & 04 SEP 1971" in my son's service documents by mistake. My correct Name & Date of Birth are "MUTTA BHULOKA & 01 JAN 1971" for all future purposes, vide Affidavit No AC-891287 dt 30-12-2025.

CHANGE OF NAME

I, JAINATH PRASAD YADAV is legally father of No 15779414K Hav (OCC) RAJIV KUMAR RANJAN presently residing at Vill. Mahavir Nagar, PO- Beaur, Teh- Patna Sadar Dist- Patna (Bihar), Pin-800002 do hereby state that I have changed my name from JAYNATH PRASAD YADAV to JAINATH PRASAD YADAV. due to erroneously entered in service documents of my son. that my date of birth is 05 Jun 1953. vide Affidavit Dt.29-12-2025 before Y.Vijaya Kumar Advocate and Notary Secunderabad, Hyd -47, TS

CHANGE OF NAME

I, SHAKUNTALA DEVI, is legally mother of No 15779414K Hav (OCC) RAJIV KUMAR RANJAN, presently residing at Vill Mahavir Nagar, PO- Beaur, Teh Patna Sadar Distt-Patna (Bihar), Pin- 800002 do hereby State that I have changed my name from SHAKUNTLA DEVI to SHAKUNTALA DEVI due to erroneously entered in service documents of my son. that my date of birth is 05 Jan 1960. Vide Affidavit dt.29-12-2025, before Y. Vijaya Kumar Advocate and Notary Secunderabad, Hyd -47, TS.

CHANGE OF NAME

I, R POONGODI Spouse of Service No. 6946382P Hav G THAYALAN, Resident of Vill:Velur Kavul, Post:Idaikattur, Teh:Manamadurai, Dist:Sivaganga, Tamilnadu-630602 have changed my name from R POONGODI to POONGODI vide affidavit dt:30-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का स्मार्ट गवर्नेंस पर जोर

अधिकारियों को दिए रोजाना फील्ड विजिट के आदेश

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नवनियुक्त जीएचएमसी जोनल कमिश्नरों को आउटर रिंग रोड के भीतर के क्षेत्र के नियोजित विकास पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने उन्हें अगले पांच वर्षों के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने कोर अर्बन रीजन ढांचे के तहत शहर को 12 जोन, 60 सर्कल और 300 वार्डों में पुनर्गठित किया है। हमने कोर अर्बन रीजन के स्वरूप को पूरी तरह बदलने का फैसला किया है। जवाबदेही पर जोर देते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि जोनल कमिश्नरों को रोजाना फील्ड विजिट (क्षेत्रीय दौरा) करना होगा और वे अपने संबंधित जोन के भीतर समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होंगे।

अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन पर निर्देश

कचरा प्रबंधन को शहर की सबसे जटिल चुनौती बताते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हर महीने तीन दिनों के लिए एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का आदेश दिया। उन्होंने शहर में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठाने के लिए सख्त निर्देश भी जारी किए।

पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए, मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि कोर अर्बन रीजन सीमा के भीतर डीजल बसों और ऑटो को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदला जाए।

शहरी नियोजन और बाढ़ नियंत्रण पर बात करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा, झील और नालों को अतिक्रमण से बचाना होगा। हमें गुड गवर्नेंस (सुशासन) से स्मार्ट गवर्नेंस की ओर बढ़ना होगा। नालों की सफाई का काम जनवरी से शुरू हो जाना चाहिए।

उन्होंने आगे अनिवार्य किया कि हाइड्रा, जीएचएमसी और जल बोर्ड विभाग इन पहलों के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदारी उठाएं।

फ्यूचर सिटी और मल्काजगिरि के नए प्रमुखों ने संभाला कार्यभार

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार द्वारा पुलिस कमिश्नरेटों के हालिया पुनर्गठन के बाद, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों ने मंगलवार को नवनिर्मित अधिकार क्षेत्रों का कार्यभार संभाल लिया। यह बदलाव तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए किया गया है।वरिष्ठ अधिकारी सुधीर बाबू ने आधिकारिक तौर पर नवनिर्मित फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट के पुलिस कमिश्नर के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे आधुनिक सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुलिस दक्षता में सुधार, तकनीक आधारित निगरानी और नागरिक-केंद्रित सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

दूसरी ओर, अविनाश महंती ने नव-स्थापित मल्काजगिरि पुलिस कमिश्नरेट के पहले पुलिस कमिश्नर के रूप में पदभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकताएं सार्वजनिक सुरक्षा, अपराध रोकथाम और सामुदायिक पुलिसिंग (Community Policing) को मजबूत करने पर होंगी।उन्होंने नागरिकों के लिए पुलिस सेवाओं की सुलभता बढ़ाने का आश्वासन दिया और विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर ध्यान देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी डिवीजनों में बेहतर समन्वय के प्रयास किए जाएंगे।अक्षांश यादव ने भी नए बने यदाद्रि भुवनगिरि जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

वैकुंठ एकादशी पर तेलंगाना के मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब

उत्तर द्वार दर्शन के लिए लगीं लंबी कतारें

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को वैकुंठ एकादशी के अवसर पर तेलंगाना के मंदिरों में उत्तरद्वार या वैकुंठद्वार दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। तड़के से ही भक्तों का जमावड़ा मंदिरों में शुरू हो गया था।यदागिरिगुट्टा लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में उत्तरद्वार दर्शन सुबह 5:30 बजे शुरू हुआ। भव्य आयोजनों में शामिल होने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा और अन्य अधिकारियों ने विशेष अनुष्ठानों में भाग लिया। मंदिर अधिकारियों ने पुष्टि की है कि एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर के दर्शन किए।भद्राचलम के श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर में जीवंत उत्सव का आयोजन किया गया। भगवान रामचंद्र गरुड़ वाहन पर, सीता देवी गजवाहन पर और लक्ष्मण स्वामी हनुमथ वाहन पर सवार हुए। भक्तों ने उत्तरी द्वार पर दर्शन के लिए भीड़ लगाई।

दिन के महत्व को समझाते हुए, चैतन्यपुरी स्थित प्राचीन श्री रामालयम के मुख्य पुजारी और वैदिक पंडित नरसिम्हा मूर्ति ने बताया कि इसी दिन एक करोड़ देवी-देवताओं ने शेष वाहन पर आसीन विष्णु के दर्शन के लिए वैकुंठ का दौरा किया था, इसीलिए इसे वैकुंठ एकादशी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार, मधु और कैटभ नामक राक्षसों ने उत्तरी द्वार से विष्णु के दर्शन के बाद मुक्ति प्राप्त की थी, इसीलिए भक्त मोक्ष प्राप्ति के लिए मंदिरों के उत्तरद्वार दर्शन हेतु उमड़ते हैं।हैदराबाद में जियागुड़ा स्थित 400 साल पुराने रंगनाथस्वामी मंदिर, चिक्कड़पल्ली के श्री वेंकटेश्वर मंदिर, चैतन्यपुरी के कोसगुंडला लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर और बिड़ला मंदिर में भोर से ही लंबी कतारें देखी गईं, जो कुछ स्थानों पर एक किलोमीटर तक लंबी थीं।

करीमनगर: इल्लंदकुंटा सीतारामचंद्र मंदिर और जम्मिकुंटा वेंकटेश्वर मंदिर के उत्तरी द्वार भोर से पहले ही खोल दिए गए।

निज़ामाबाद: उत्तर तिरुमाला मंदिर, झंडा बालाजी, कोदंड रामालयम और नरसिंगपल्ली इंदूर तिरुमाला में भारी भीड़ रही।

जगतियाल: धर्मपुरी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर में तड़के 3 बजे ममहाक्षीरा अभिषेकम्फ आयोजित किया गया।

यदागिरिगुट्टा में वैकुंठ एकादशी की शाम से छह दिवसीय अध्ययन उत्सव शुरू हुआ, जो 4 जनवरी तक चलेगा।

हैदराबाद ग्रीनफील्ड रेडियल रोड प्रोजेक्ट एलएंडटी को मिला

हैदराबाद, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिग्गज बुनियादी ढांचा कंपनी लार्सन एंड टुब्रो ने घोषणा की है कि उसकी सहायक इकाई एलएंडटी ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर ने नए प्रस्तावित हैदराबाद ग्रीनफील्ड रेडियल रोड प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।

यह परियोजना रंगारेड्डी जिले में परियोजना के दूसरे चरण (Phase 2) के तहत विकसित की जाएगी। एलएंडटी उन परियोजनाओं को "विशिष्ट" श्रेणी में वर्गीकृत करती है जिनका मूल्य 1,000 करोड़ से 2,500 करोड़ के बीच होता है।

एलएंडटी ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) को भेजी गई एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया कि यह एक एक्सेस-कंट्रोल्ड रोड होगा, जिसकी कुल लंबाई 22.3 किलोमीटर होगी। इसे 3+3 लेन के रूप में निर्मित किया जाएगा।इस सड़क का मुख्य उद्देश्य हैदराबाद के आउटर रिंग रोड (ORR) को भविष्य के 340 किलोमीटर लंबे रीजनल रिंग रोड (RRR) से जोड़ना है। इस महत्वपूर्ण जुड़ाव से पूरे क्षेत्र में यातायात की सुगमता और कनेक्टिविटी में भारी सुधार होने की उम्मीद है।

परियोजना की संरचना और मुख्य विशेषताएं

परियोजना की तकनीकी बारीकियों को साझा करते हुए, एलएंडटी ने बताया कि इस मार्ग के निर्माण में अत्याधुनिक इंजीनियरिंग का उपयोग किया जाएगा। परियोजना के मुख्य घटकों में शामिल हैं:

वियाडक्ट : 3.6 किलोमीटर लंबा एक ऊंचा पुल या मार्ग।

पुल और मार्ग: छोटे पुलों और कल्वर्ट्स का निर्माण।

अंडरपास: स्थानीय यातायात को सुगम बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर अंडरपास का निर्माण।यह परियोजना तेलंगाना के बुनियादी ढांचे के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी, जिससे व्यापार और परिवहन को गति मिलेगी।

एर्नाकुलम एक्सप्रेस की 2 एसी बोगियों में भीषण आग

एक की मौत, टला बड़ा हादसा

विशाखापट्टनम, 30 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले के यलमंचिली रेलवे स्टेशन पर एर्नाकुलम एक्सप्रेस की दो एसी बोगियों में आग लगने से 70 वर्षीय एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। ट्रेन के लोको पायलट ने समय रहते लपटों को देख लिया और ट्रेन को यलमंचिली में रोक दिया, जिससे कई लोगों की जान बच गई।

मृतक की पहचान विजयवाड़ा के कपड़ा व्यापारी चंद्रशेखर सुंदर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सुंदर कोच बी1 के बर्थ नंबर 12 में यात्रा कर रहे थे और उनके पास बड़ी मात्रा में नकदी और सोना था। बताया जा रहा है कि आग लगने पर उन्होंने फोन पर अपनी पत्नी को इसकी सूचना दी थी। अधिकारियों को संदेह है कि कीमती सामान साथ होने के कारण वे समय पर ट्रेन से नहीं उतर सके।

कीमती सामान बचाने के प्रयास में गई जान, 5.8 लाख रुपये बरामद

अनाकापल्ली एसपी तुहिन सिन्हा ने बताया कि रेलवे पुलिस ने बाद में सुंदर का बैग बरामद कर लिया, जिसमें 5.8 लाख रुपये नकद थे, जिनका बड़ा हिस्सा आंशिक रूप से जल गया था। सुंदर विशाखापट्टनम में कपड़ा सामग्री बेचने के बाद विजयवाड़ा लौट रहे थे।

एसपी ने आगे कहा, ङ्गङ्घदमकल गाड़ियों की समय पर कार्रवाई से आग पर काबू पाया गया और अन्य यात्रियों को बचाने में मदद मिली। रेलवे सुरक्षा दल आग के कारणों की जांच कर रहे हैं।फ्फ प्रारंभिक संदेह के अनुसार, आग बी1 कोच के लिनन स्टोरेज (चादर-कंबल रखने की जगह) क्षेत्र में शुरू हुई थी, न कि इलेक्ट्रिकल पैनल या वायरिंग में। इसके बाद आग ट्रेन के पास के एम2 कोच में भी फैल गई।

बचाव कार्य और यात्रियों की सुरक्षा

रेलवे कर्मचारियों और पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक बोगी से 82 और दूसरी से 76 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके अलावा, जलते हुए दो कोचों को ट्रेन से अलग कर दिया गया। फॉरेंसिक टीमों ने आग के सटीक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की है।

हादसे के समय ट्रेन में सवार 2,000 से अधिक यात्री दहशत में थे। अधिकारियों द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने तक उन्हें स्टेशन पर लगभग दो घंटे इंतजार करना पड़ा। ट्रेन को आगे की यात्रा के लिए हरी झंडी देने से पहले तीन बोगियों को अलग किया गया। इस अग्नि दुर्घटना के कारण कई अन्य ट्रेनें भी देरी से चलीं।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा वैधानिक जांच की घोषणा

इस बीच, रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने दुर्घटना की वैधानिक जांच की घोषणा की है। यह जांच 31 दिसंबर और 1 जनवरी को विजयवाड़ा के इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित की जाएगी। जिन लोगों के पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी है और वे सबूत देना चाहते हैं, वे जांच की तारीखों पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित हो सकते हैं या आधिकारिक पते पर लिख सकते हैं:आयुक्त रेलवे सुरक्षा, दक्षिण मध्य मंडल, रेल निलयम भवन (रेल निलयम के सामने), सरोजिनी देवी रोड, सिकंदराबाद - 500 025।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.